RNI No : MPHIN/2022/82783
कुल पृष्ठ : 52, मूल्य : 50 रुपए
वर्ष 02, अंक 05 मासिक पत्रिका
मई 2023

# हमारा देश हमारा अभिमान

हर-हर महादेव

## आखिर क्यों ?
## भारत छोड़कर विदेश चले जाते हैं लोग..?

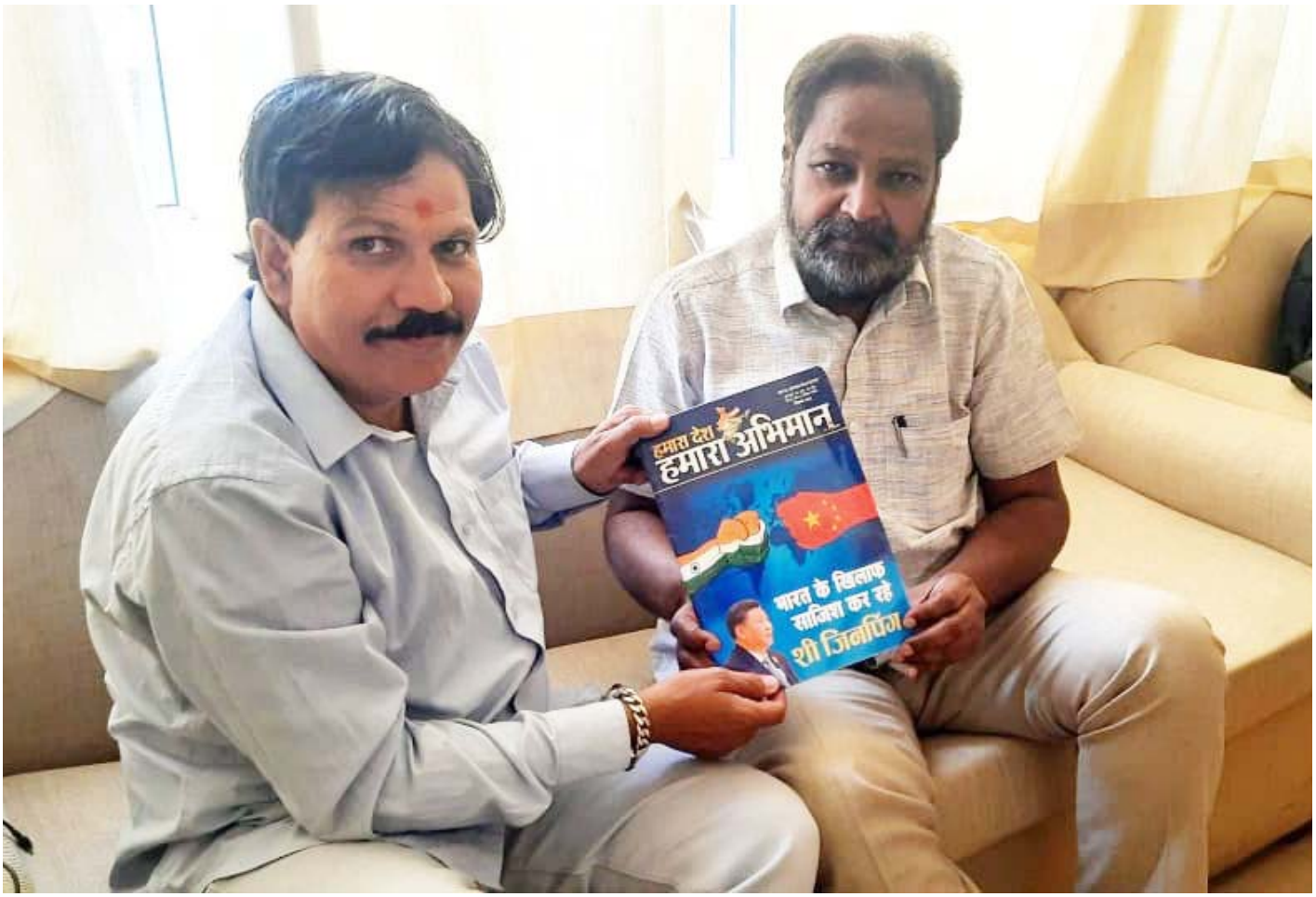


बहराईच के पूर्व सांसद एव कांग्रेस नेता कमल किशोर कमांडो

हमारा देश
हमाराअभिमान
मई 2023

## वरिष्ठ संरक्षक मंडल

- अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
- श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
- श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी, श्री धूमेस्वर धाम
- श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
- डॉ. श्रीमती शालिनी कौशिक
- श्री नागेंद्रनाथ सुरेंद्र नाथ चौबे

## संरक्षक मंडल

- श्री लोकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय
- श्री अरविंद जैन
- श्री प्रदीप कुमार शर्मा
- श्री शिवदयाल धाकड़
- श्री अरुण कांत शर्मा
- श्री महेश पुरोहित
- श्री विनोद भारद्वाज, अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट,
- श्री मनोज भारद्वाज
- श्री अनिल जैन
- श्री निर्मल वासवानी
- श्री विद्याभूषण शर्मा
- श्रीमती अर्चना बाजपेयी
- एडवोकेट श्रीमती रिचा पांडेय (सुप्रीम कोर्ट)
- श्री के.एल.दलवानी
- श्री राकेश कुमार सगर
- श्री जयराज कुबेर
- श्री अभिनव पल्लव
- श्री बृजेश श्रीवास्तव
- श्री दीपक कुमार शुक्ला
- श्रीमति निवेदिता गुप्ता
- श्री विनोद कुमार बांगडे
- श्री विनायक शर्मा
- कमांडो कमल किशोर (पूर्व सांसद)

## संपादक : मनोज चतुर्वेदी

**पंकज दीक्षित**
प्रमुख परामर्शदाता

**कानूनी सलाहकार**
- एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता, ग्वालियर हाईकोर्ट
- एडवोकेट एस.के. पाठक, ग्वालियर
- एडवोकेट दीपेन्द्र पांडे

**विशेष संवाददाता**
- रवि परिहार • रविकांत शर्मा

**ब्यूरो :** अविनाश (उज्जैन संभाग)
**छिंदवाड़ा ब्यूरो :** जितेंद्र चौरे

**मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)**
सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

## सलाहकार

- डॉ श्री. सुनील शर्मा, नेत्र रोग विशेषज्ञ
- श्री डॉ. मुकेश चतुर्वेदी
- डॉ. श्री दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
- श्री अनिल दुबे
- श्री विकास चतुर्वेदी
- श्री सुरेश शर्मा
- श्री नारायणदास गुप्ता
- श्री पीयूष श्रीवास्तव,
- पंडित श्री चंद्रशेखर शास्त्री
- श्री बृज मोहन आर्य • श्री विवेक शर्मा
- श्री अशोक कुमार वर्मा
- श्री आनंद कुमार • श्रीमती रितु मुदगल
- श्री कुंज बिहारी शर्मा
- सुश्री पूजा मावई
- श्री संदीप कुमार पांडेय
- श्री मनोज सिंह • प्रदीप यादव

**ब्यूरो राजस्थान**
सुभाष सोरल ( फ़िल्म निर्माता) कोटा

**ब्रजेश जैन** साक्षात्कार व्यवस्थापक और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

**संवाददाता :** संदीप पाटिल, इंदौर
**मार्केटिंग प्रमुख :** शैलेन्द्र जैन
**मार्केटिंग मैनेजर**
- सुनील • हरशूल

**डिजाइन : मनोज पंवार**

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी ।
(सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

# विवरणिका

| | |
|---|---|
| संपादकीय | 02 |
| शुभाशीष | 03 |
| कवर स्टोरी | 04-05 |
| देश | 06-07 |
| प्रदेश | 08-09 |
| देश | 10-11 |
| प्रदेश | 12 |
| शख्सियत | 13 |
| मां | 14 |
| क्राइम | 15 |
| इन्दौर | 16 |
| भोपाल-उज्जैन | 17 |
| प्रदेश | 20 |
| देश | 21 |
| देश | 22-23 |
| राजस्थान | 24 |
| देश-विदेश | 27 |
| देश | 28-29 |
| राजस्थान | 30-31 |
| देश-विदेश | 34 |
| केयर | 38 |
| स्वास्थ्य | 39 |
| जीवन शैली | 40 |
| स्वास्थ्य | 41 |
| धर्म | 42-43 |
| ग्लैमर | 46-47-48 |

**48**

**अच्छी फिल्मों से ऑडियंस को सिनेमा घरों में वापस लाना होगा : निहारिका**

# संपादकीय

## इतने प्रयास के बाद भी... आखिर गंगा प्रदूषण मुक्त क्यों नहीं हो पाई...?

गंगा की सफाई, उसे प्रदूषण मुक्त करने एवं नदियों के माध्यम से आर्थिक विकास, धार्मिक आस्था एवं पर्यटन की संभावनाओं को तलाशने की दृष्टि से वर्तमान उत्तर प्रदेश सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तमाम प्रयासों के बावजूद गंगा आज भी मैली क्यों है? यह सवाल सरकार के नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए लंबे समय से चल रही तमाम योजनाओं और कार्यक्रमों की पोल खोलते हैं। सरकार की ओर से घोषणाएं करने में शायद ही कभी कमी की जाती है, मगर उन पर अमल को लेकर कहां चूक या लापरवाही बरती जा रही है, इस पर गौर करना कभी जरुरी नहीं समझा जाता। सरकार यह समझे कि उसे केवल गंगा को साफ ही नहीं करना, बल्कि उसकी निर्मलता एवं अविरलता के लिये एक अनूठा उदाहरण भी पेश करना है। ऐसा करके ही देश की अन्य नदियों को भी प्रदूषणमुक्त करने की दिशा में सकारात्मक वातावरण निर्मित किया जा सकेगा। गौरतलब है कि गंगा नदी पर अधिकार संपन्न कार्यबल यानी ईटीएफ की पिछले महीने हुई ग्यारहवीं बैठक में यह जानकारी भी सामने आई कि उत्तरकाशी में सुरंग के निर्माण के कारण इसके मलबे को गंगा नदी के किनारे डाल दिया गया। सरकार की अन्य विकास योजनाएं ही गंगा का प्रदूषित करने का जब जरिया बन रही है तो इसी गंगा नदी एवं अन्य नदियों में उद्योगों से विभिन्न रसायन, चीनी मिल, भट्टी, ग्लिस्रिन, टिन, पेंट, साबुन, कताई, रेयान, सिल्क, सूत, प्लास्टिक थेलियां-बोतले आदि जहरीले कचरे बड़ी मात्रा में मिलते हैं, तो कोई आश्चर्य की बात नहीं है। गंगा कायाकल्प का दृष्टिकोण 'अविरल धारा' (सतत प्रवाह), 'निर्मल धारा' (प्रदूषणरहित प्रवाह) को प्राप्त करके और भूगर्भीय और पारिस्थितिक अखंडता को सुनिश्चित करके नदी की अखंडता को बहाल करने की समग्र योजना और रखरखाव के बावजूद गंगा लगातार प्रदूषित हो रही है।

मनोज चतुर्वेदी
संपादक

# शुभाशीष

# ...आर्थिक स्वावलम्बन की दिशा में सार्थक कदम लाडली बहन योजना

अब मध्य प्रदेश राज्य में महिलाओं के आर्थिक स्वावलम्बन उनके तथा उन पर आश्रित बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सतत सुधार तथा परिवार में उनकी निर्णायक भूमिका सुदृढ़ करने के उद्देश्य से दिनांक 28 जनवरी 2023 को मध्य प्रदेश में 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' को प्रारम्भ किये जाने की घोषणा की गई। इस योजना के अंतर्गत प्रतिमाह 1000 रुपए महिलाओं के बैंक खातों में जमा किए जाएंगे। यह महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण तथा आर्थिक स्वावलम्बन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उक्त आर्थिक सहायता से महिलाएं न केवल स्थानीय उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर स्वरोजगार/आजीविका के संसाधनों को विकसित कर सकेंगी बल्कि परिवार स्तर पर उनके निर्णय लिये जाने में भी प्रभावी भूमिका का निर्वहन भी कर सकेंगी। साथ ही, महिलाएं अपनी प्राथमिकता के अनुसार व्यय करने हेतु आर्थिक रुप से पहले की अपेक्षा अधिक स्वतंत्र बन सकेंगी। लाड़ली लक्ष्मी योजना की तरह लाड़ली बहना योजना भी निश्चित रुप से पूरे भारत में ही लोकप्रिय होगी। इस योजना को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं की जिंदगी बदलने के अभियान के रुप में लागू किया गया है। देश में महिलाएं जब तक सबल, सशक्त, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास से भरी नहीं होंगी, तब तक न कोई भी देश उन्नति नहीं कर सकता है। लाड़ली लक्ष्मी योजना के 16 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मध्य प्रदेश राज्य में दिनांक 9 मई 2023 से 15 मई 2023 तक एक सप्ताह का लाड़ली लक्ष्मी उत्सव भी मनाया गया। इसी उत्सव के अंतर्गत 3.28 लाख लाड़ली लक्ष्मियों को 106 करोड़ की छात्रवृत्ति भी मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह जी चौहान द्वारा वितरित की गयी।

डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
संरक्षक

# आखिर क्यों ?

# भारत छोड़कर विदेश चले जाते हैं लोग..?

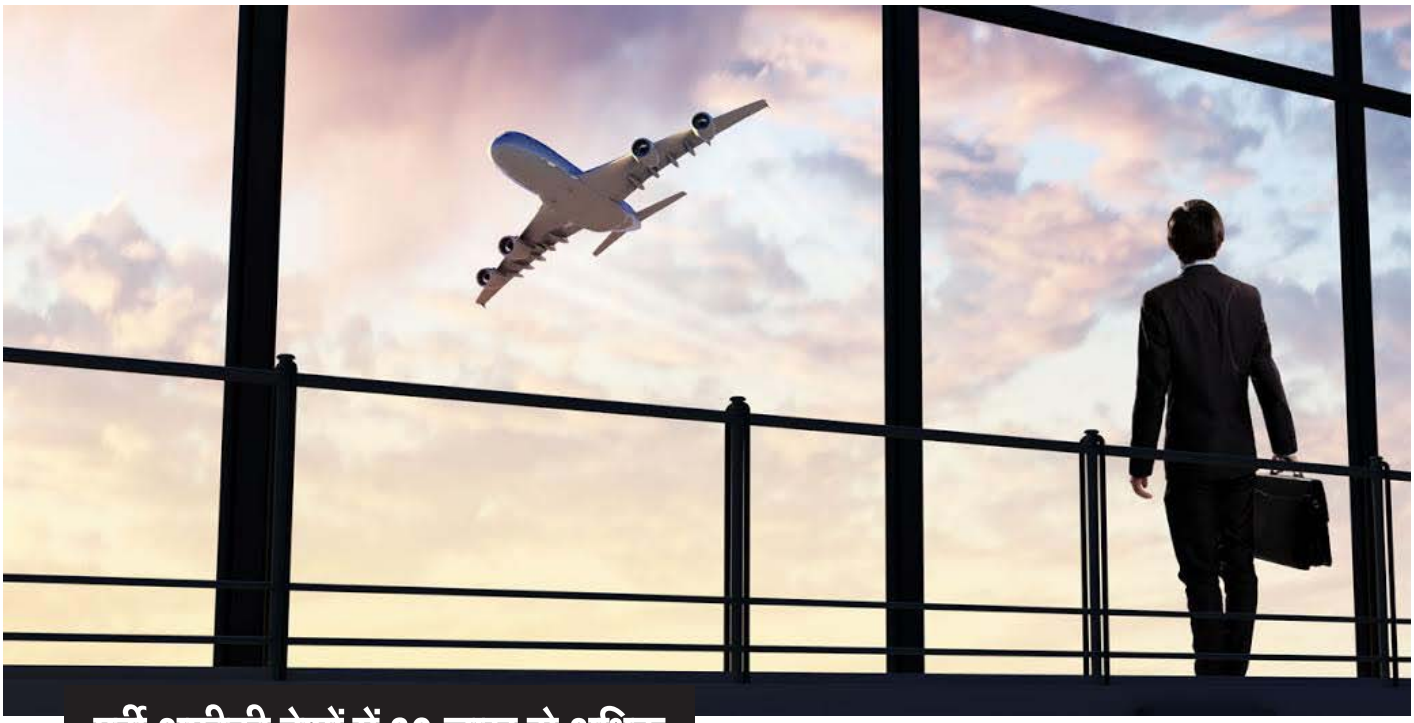

**पूर्वी अफ्रीकी देशों में 20 लाख से अधिक भारतीय मूल के नागरिक रहते हैं। ये देश हैं, कीनिया, युगांडा, तंजानीया, मोजाम्बिक, घाना, माजागाडगस्कर। इसी प्रकार, कैरेबीयन देशों में बहुत बड़ी संख्या में भारतीय मूल के नागरिक रह रहे हैं।**

भारतीय मूल के नागरिकों का भारत से पलायन प्रमुख रूप से तीन खंडकालों के दौरान हुआ है। प्रथम, वर्ष 1833 में भारतीय मूल के नागरिकों को बड़ी संख्या में (लगभग 15 लाख) दक्षिणी अमेरिका एवं कैरिबियन देशों में श्रमिकों के तौर पर भेजा गया था। उस समय भारत पर ब्रिटेन का प्रशासन चल रहा था। अतः ब्रिटेन के प्रशासन द्वारा भारतीय मूल के नागरिकों को मारिशस, गयाना, त्रिनिदाद, टुबैगो, कैरेबियन देशों- फिजी, मलय पेनिनसुला, पूर्वी अफ्रीकी देशों एवं दक्षिणी अफ्रीकी देशों में भेजा गया था। इसी खंडकाल में फ्रान्स प्रशासन द्वारा तमिलनाडु राज्य से कई भारतीय मूल के नागरिकों को रीयूनियन में भेजा गया था एवं पुर्तगाल प्रशासन द्वारा गोवा राज्य से कई भारतीय नागरिकों को मोजाम्बिक में भेजा गया था। उस खंडकाल में ब्रिटेन, फ्रान्स एवं पुर्तगाल का इन राज्यों पर प्रशासन चल रहा था और इन देशों की पूरे विश्व में कई कॉलोनियां थीं, जहां श्रमिकों के तौर पर नागरिकों की आवश्यकता थी। अतः भारतीय मूल के नागरिकों को उस खंडकाल में उक्त वर्णित देशों एवं अन्य कई देशों में भेजा गया था।

द्वितीय लहर के अंतर्गत वर्ष 1880 में कई भारतीय व्यापारी पूर्वी अफ्रीका एवं मध्य पूर्व

के देशों में व्यापार करने की दृष्टि से वहां जाकर बस गए थे। विशेष रूप से गुजराती एवं सिंधी व्यापारी ओमान, दुबई, दक्षिणी अफ्रीका एवं पूर्वी अफ्रीका के देशों में जाकर बस गए थे। इसी के साथ पंजाबी, राजस्थानी, बलोची, सिंधी एवं कश्मीरी नागरिक आस्ट्रेलिया एवं कनाडा आदि देशों में जाकर बस गए थे।

वर्ष 1960-70 के खंडकाल में जो तीसरी लहर प्रारम्भ हुई थी वह आज तक जारी है। इस दौर में उच्च तकनीकी क्षेत्र में उच्च शिक्षा एवं उच्च कौशल प्राप्त भारतीय मूल के नागरिक उत्तरी अमेरिका एवं यूरोप के विकसित देशों में जाकर बस गए थे। वर्ष 1970 के आसपास मध्य पूर्व के अरब देशों में कच्चे तेल की भारी मात्रा में खोज हुई थी, इस खंडकाल में भारतीय मूल के नागरिक भारी संख्या में अरब देशों में श्रमिकों के रूप में जाकर बस गए थे। आज भी प्रतिवर्ष 25 लाख से अधिक भारतीय मूल के नागरिक अन्य देशों में जाकर बस जाते हैं, जो पूरे विश्व में अन्य देशों के मुक़ाबले में सबसे बड़ी संख्या है।

आज भारतीय मूल के 320 लाख से अधिक नागरिक विश्व के विभिन्न देशों में निवास कर रहे हैं। इनमें 140 लाख भारतीय नागरिक प्रवासी भारतीय के रूप में इन देशों में निवास कर रहे हैं एवं शेष 180 लाख भारतीय मूल के रूप में इन देशों के नागरिक बन चुके हैं। कुल मिलाकर 146 से अधिक देशों में भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं। कई देशों में तो भारतीय मूल के नागरिकों की संख्या आज भारी तादाद में हो गई है। ओमान, सेंट विन्सेंट, कुवैत, सूरीनाम, रीयूनियन फ्रान्स में भारतीय मूल के नागरिकों की संख्या इन देशों की कुल जनसंख्या का 20 से 30 प्रतिशत के बीच है। इसी प्रकार, युनाईटेड अरब अमीरात, फिजी, त्रिनिदाद एवं टोबेगो, गयाना एवं मारिशस में भारतीय मूल के नागरिकों की संख्या लगभग 40 प्रतिशत है। मारिशस में तो लगभग 70 प्रतिशत भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं। बल्कि, कुछ देशों, जैसे- युनाईटेड अरब अमीरात, यमन और वेनेजुएला में तो स्थानीय मूल के नागरिकों से अधिक भारतीय मूल के नागरिकों की संख्या हो गई है। मलेशिया में मलाया और चीनी के बाद तीसरा सबसे बड़ा जातीय समूह तमिल भाषाईयों का है जो वहां की कुल जनसंख्या का 8 प्रतिशत है। अमेरिका के न्यू जर्सी राज्य में तीसरी भाषा के रूप में गुजराती भाषा को मान्यता प्रदान की गई है।

पूर्वी अफ्रीकी देशों में 20 लाख से अधिक भारतीय मूल के नागरिक रहते हैं। ये देश हैं, कीनिया, युगांडा, तंजानीया, मोजाम्बिक, घाना, माजागाडगस्कर। इसी प्रकार, कैरेबीयन देशों में बहुत बड़ी संख्या में भारतीय मूल के नागरिक रह रहे हैं। गयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद, टुबैगो में भारतीय मूल के नागरिकों की संख्या सबसे अधिक है। जमैका, सेंट विन्सेंट में भारतीय मूल के नागरिकों की संख्या दूसरे नम्बर पर है। इसके साथ ही, बहामास, बारबाडोस, बेलीज, फ्रेंच गयाना, पनामा, ग्रेनाडा, ग्वाटेमाला, मैंटलूसिया, हैती, मार्टिनिक, ग्वाडेलोप में भी भारतीय मूल के नागरिक बड़ी संख्या में रहते हैं। साथ ही, फिलिपीन, जापान, सिंगापुर, नेपाल, म्यांमार में भी बड़ी संख्या में भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं। इसी प्रकार, इंडोनेशिया में भी कई शताब्दियों से भारतीय मूल के नागरिक रह रहे हैं। सनातन हिंदू धर्म का प्रचार प्रसार इंडोनेशिया में बहुत अधिक हुआ है। बाली की 87 प्रतिशत जनसंख्या हिंदू धर्म की अनुयायी है। अभी इंडोनेशिया में 1.25 लाख से अधिक भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं। इन देशों में भारतीय मूल के नागरिक उद्योग, व्यापार एवं अन्य क्षेत्रों की गतिविधियों में अपना योगदान देकर इन देशों की अर्थव्यवस्थाओं को आगे बढ़ाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

उक्त देशों के अतिरिक्त विकसित देशों में भी भारतीय मूल के नागरिकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। उत्तरी अमेरिका के कनाडा में 15 लाख से अधिक भारतीय मूल के नागरिक निवासरत हैं, जो कुल जनसंख्या का 4 प्रतिशत हैं। ब्रिटिश कोलम्बिया की कुल जनसंख्या का 5 प्रतिशत हिस्सा भारतीय मूल के नागरिकों का है। प्रतिवर्ष लगभग 85,000 भारतीय मूल के नागरिकों को कनाडा में स्थायी निवास की अनुमति मिल रही है एवं लगभग 2 लाख से अधिक भारतीय उच्च शिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रतिवर्ष विदेश जाते हैं। अमेरिका में 40 लाख से अधिक भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं जो अमेरिका की कुल जनसंख्या का लगभग 1.2 प्रतिशत है। अमेरिका में प्रतिवर्ष 80 प्रतिशत से अधिक एच1बी वीजा भारतीय मूल के नागरिकों को प्रदान किए जा रहे हैं। वर्ष 2016 में आस्ट्रेलिया में 11.31 लाख भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे थे जो आस्ट्रेलिया की कुल जनसंख्या का 4.7 प्रतिशत है। वर्ष 2011 के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, ब्रिटेन में भारतीय मूल के 14.5 लाख नागरिक निवासरत थे, जो ब्रिटेन की कुल जनसंख्या का 2.3 प्रतिशत हिस्सा हैं। सिंगापुर में भारतीय मूल के नागरिकों की कुल 7 लाख से अधिक की संख्या, चीन एवं मलाया के बाद तीसरे स्थान पर है और यह सिंगापुर की कुल जनसंख्या का 9 प्रतिशत है।

भारत के बाद जिन अन्य देशों से बहुत बड़ी संख्या में नागरिक अन्य देशों में बस गए हैं उनमें रूस, मैक्सिको, चीन एवं सीरिया शामिल हैं। रूस एवं मेक्सिको से 1.1 करोड़ से अधिक नागरिक, चीन से एक करोड़ से अधिक नागरिक एवं सीरिया से 80 लाख से अधिक नागरिक दूसरे देशों की नागरिकता प्राप्त कर चुके हैं। मैक्सिको के 98 प्रतिशत नागरिकों ने अमेरिका की नागरिकता ली हुई है। सीरिया के 45 प्रतिशत नागरिकों ने टर्की की नागरिकता ली हुई है। जबकि भारतीय मूल के नागरिक पूरे विश्व में फैले हुए हैं। सबसे अधिक लगभग 35 लाख से अधिक भारतीय नागरिकों ने यूनाइटेड अरब अमीरात में नागरिकता ली हुई है जो भारत से कुल बाहर गए नागरिकों का 19 प्रतिशत है। अमेरिका में 27 लाख से अधिक भारतीय मूल के नागरिकों ने नागरिकता ली हुई है, सऊदी अरब में 25 लाख से अधिक भारतीयों ने नागरिकता ली है। इसी प्रकार, आस्ट्रेलिया, कनाडा, कुवैत, ओमान, कतर, ब्रिटेन जैसे देशों में बहुत बड़ी संख्या में भारतीयों ने नागरिकता प्राप्त की है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व की कुल जनसंख्या के 3.6 प्रतिशत नागरिक विभिन्न देशों में जाकर बस गए हैं। अमेरिका में सबसे अधिक 5.1 करोड़ नागरिक अन्य देशों से आकर बस गए हैं। जो अमेरिका की कुल जनसंख्या का 16 प्रतिशत है। जर्मनी में 1.6 करोड़ से अधिक नागरिक अन्य देशों से आकर बस गए हैं। सऊदी अरब में 1.3 करोड़ से अधिक नागरिक, रूस में 1.2 करोड़ से अधिक नागरिक एवं ब्रिटेन में 90 लाख से अधिक नागरिक अन्य देशों से आकर बस गए हैं।

आज विश्व के लगभग 50 से अधिक देशों में भारतीय मूल के नागरिकों की संख्या प्रभावशाली स्तर पर पहुंच गई है। अब समय आ गया है कि इन देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिकों द्वारा भारतीय सनातन दर्शन को पूरे विश्व को देने का प्रयास किया जाना चाहिए ताकि पूरे विश्व में शांति स्थापित की जा सके। भारत में भी इस सम्बंध में गम्भीरता से विचार किया जाना चाहिए कि किस प्रकार इन देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिकों के माध्यम से भारतीय सनातन दर्शन को विस्तार देने का कार्य किया जा सकता है। आज दरअसल विश्व के लगभग सभी देश आतंकवाद एवं पूंजीवाद के चलते निर्मित हुई विपरीत परिस्थितियों से त्रस्त हैं एवं इन देशों के नागरिक इन परेशानियों से छुटकारा पाना चाहते हैं जोकि केवल भारतीय सनातन दर्शन में ही सम्भव दिखाई देती है।

# प्रियंका गांधी प्रदेश में 12 जून से जबलपुर से शुरू करेंगी प्रचार..

कांग्रेस के एक पदाधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। मध्य प्रदेश में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2018 में कांग्रेस प्रदेश में सबसे बड़ी पार्टी के रुप में सामने आई थी लेकिन मार्च 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके 20 से अधिक वफादार विधायकों के विद्रोह के बाद मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार गिर गई और शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी।

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाद्रा मध्य प्रदेश की जीवन रेखा मानी जाने वाली नर्मदा नदी की पूजा अर्चना करने के बाद 12 जून को जबलपुर में रोड शो और रैली के साथ अपनी पार्टी के विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत करेंगी। कांग्रेस के एक पदाधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। मध्य प्रदेश में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2018 में कांग्रेस प्रदेश में सबसे बड़ी पार्टी के रुप में सामने आई थी लेकिन मार्च 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके 20 से अधिक वफादार विधायकों के विद्रोह के बाद मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार गिर गई और शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी।

मध्य प्रदेश के महाकौशल इलाके का जबलपुर सबसे बड़ा शहर है। इस इलाके में कांग्रेस ने 2018 के विधानसभा चुनावों में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित 13 में से 11 सीटों पर जीत हासिल की थी तथा भाजपा को सिर्फ दो सीटों से संतोष करना पड़ा था। कांग्रेस के विधायक और प्रदेश के पूर्व वित्त मंत्री तरुण भनोट ने शनिवार को फोन पर 'पीटीआई/भाषा' को बताया, ''प्रियंका जी सबसे पहले यहां पवित्र नदी के ग्वारीघाट

तट पर नर्मदा पूजा करेंगी। इसके बाद वह रोड शो करेंगी और फिर एक जनसभा को संबोधित करेंगी। वह 12 जून को नर्मदा नदी का आशीर्वाद लेने के बाद पार्टी के चुनाव प्रचार अभियान संकल्प 2023 की शुरुआत करेंगी।'' उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के साथ प्रियंका जी के प्रचार ने हिमाचल और कर्नाटक में पार्टी को बड़ी जीत दिलाई है। जबलपुर के महापौर और कांग्रेस के नगर प्रमुख जगत बहादुर सिंह ने कहा कि प्रियंका यहां दो किलोमीटर लंबा रोड शो करेंगी और बाद में उनकी रैली में डेढ़-दो लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

उन्होंने दावा किया कि जबलपुर संभाग के लोग भाजपा शासन से तंग आ चुके हैं जिसके कारण 2023 के चुनावों में कांग्रेस महाकौशल क्षेत्र में जीत हासिल करेगी। कांग्रेस के एक अन्य नेता ने कहा कि राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' इस क्षेत्र से नहीं गुजरी थी और यात्रा ने मालवा और मध्य भारत को कवर किया था तथा वहां जनता से यात्रा को बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली। उन्होंने कहा कि महाकौशल क्षेत्र में प्रियंका की रैली से पड़ोसी विंध्य और बुंदेलखंड क्षेत्रों में भी कांग्रेस को मदद मिलेगी। इस क्षेत्र में एक मजबूत सत्ता विरोधी भावना है जहां बड़ी संख्या में आदिवासी, पारंपरिक कांग्रेस मतदाता रहते हैं। मध्य प्रदेश में मुख्य तौर पर छह क्षेत्र - महाकौशल, ग्वालियर-चंबल, मध्य भारत, निमाड़-मालवा, विंध्य और बुंदेलखंड हैं।

# सरकारी कार्यालय के बेसमेंट में मिला 2 करोड़ से ज्यादा 'लावारिस' कैश

सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के योजना भवन स्थित कार्यालय से जयपुर पुलिस को 2.31 करोड़ रुपये की नकदी और एक किलो सोने की छड़ बरामद हुई है. पुलिस ने इस सिलसिले में 7-8 लोगों को हिरासत में लिया है। राजस्थान सरकार के अधिकारियों को योजना भवन, एक सरकारी भवन में 2.31 करोड़ रुपये की लावारिस नकदी और 1 किलो सोने की छड़ें मिलीं। पुलिस ने कहा कि विभाग के करीब 7-8 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

अतिरिक्त निदेशक महेश गुप्ता के विशेष इनपुट के आधार पर जयपुर शहर पुलिस द्वारा नकदी बरामद की गई थी। मुख्य सचिव उषा शर्मा और डीजीपी के साथ देर रात एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जयपुर के पुलिस आयुक्त

आनंद श्रीवास्तव ने कहा कि आईटी विभाग के अतिरिक्त निदेशक ने पुलिस को सूचित किया कि उन्हें अपने तहखाने में नकदी और एक सोने की छड़ मिली है।

जयपुर के पुलिस आयुक्त आनंद कुमार श्रीवास्तव ने एएनआई के हवाले से कहा था जयपुर में सरकारी कार्यालय योजना भवन के बेसमेंट में एक अलमारी में रखे बैग में 2.31 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी और करीब 1 किलो सोने के बिस्किट मिले हैं। 102 सीआरपीसी के तहत पुलिस ने इन नोटों को जब्त कर लिया है और एक टीम बनाई इस मामले की जांच करने के लिए पाया गया है। आनंद कुमार श्रीवास्तव ने आगे कहा, 'सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। सीएम अशोक गहलोत को भी इस बारे में सूचित कर दिया गया है।'

# बड़ा फैसला... चलन से बाहर होगा दो हजार का नया नोट

## 30 सितंबर तक करा सकेंगे बैंकों में जमा

भारतीय रिजर्व बैंक ने इस कदम के पीछे तर्क यह बताया कि 'अन्य मूल्यवर्ग के बैंक नोट पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं'। भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को सलाह दी है कि वे तत्काल प्रभाव से 2000 रुपये मूल्यवर्ग के बैंकनोट जारी करना बंद करें, हालांकि 2000 रुपये मूल्यवर्ग के बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे।

भारतीय रिजर्व बैंक ने आज एक बड़ा फैसला लिया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने 2000 रुपये के नोट को चलन से वापस ले लिया है। हालांकि, यह नोट वैध मुद्रा बना रहेगा। आपको बता दें कि जब 8 नवंबर 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शाम 8:00 बजे भारत में विमुद्रीकरण की घोषणा की थी और 500 तथा 1000 के नोट को अवैध किया गया था, उसी के बाद 2000 का नोट चलन में आया था। हालांकि अब इसे आरबीआई की ओर से वापस ले लिया गया है। लेकिन यह अभी भी वैद्य मुद्रा बना रहेगा।

भारतीय रिजर्व बैंक ने इस कदम के पीछे तर्क यह बताया कि 'अन्य मूल्यवर्ग के बैंक नोट पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं'। भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को सलाह दी है कि वे तत्काल प्रभाव से 2000 रुपये मूल्यवर्ग के बैंकनोट जारी करना बंद करें, हालांकि 2000 रुपये मूल्यवर्ग के बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे। बैंकों में 23 मई से 20,000 रुपये मूल्य तक के 2,000 रुपये के नोट एक बार में बदले जा सकेंगे। आरबीआई ने बैंकों से 2,000 रुपये का नोट देना तत्काल प्रभाव से बंद करने को कहा। इसके साथ ही आरबीआई ने बैंकों को 30 सितंबर, 2023 तक

2,000 रुपये के नोट जमा करने एवं बदलने की सुविधा देने को कहा है।

## 2,000 के बैंक नोट वापस क्यों लिए जा रहे हैं?

नवंबर 2016 में 2,000 रुपये के नोटों की शुरुआत की गई थी। इसका मकसद था कि 500 और 1000 रुपये के नोटों को वापस लेने के बाद अर्थव्यवस्था में करंसी की जरूरत को तेजी से पूरा किया जा सके। उस मकसद के पूरा होने और पर्याप्त मात्रा में अन्य मूल्य के नोटों की उपलब्धता के साथ 2018-19 में 2,000 रुपये के नोटों की छपाई बंद कर दी गई थी। 2,000 रुपये मूल्य के ज्यादातर नोट मार्च 2017 से पहले जारी किए गए थे। इन नोटों का अनुमानित जीवन काल 4-5 साल ही था। यह भी देखा गया कि इस मूल्य के नोटों का आमतौर पर लेन-देन के लिए उपयोग नहीं किया जाता है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए और भारतीय रिजर्व बैंक की 'क्लीन नोट नीति' के मुताबिक, यह निर्णय लिया गया है कि 2,000 रुपये के नोटों को चलन से वापस ले लिया जाए।

# सुप्रीम कोर्ट को मिला पहला छत्तीसगढ़िया जज

भारत के प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ ने न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और वरिष्ठ वकील कल्पथी वेंकटरमण विश्वनाथन को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के तौर पर शपथ दिलाई। दोनों जजों के आने से शीर्ष अदालत में 34 न्यायधीशों की संख्या स्वीकृत शक्ति के बराबर हो गई है। दो दिन पहले ही इन दो नामों की सिफारिश सुप्रीम कोर्ट कॉलिजियम ने केंद्र के पास भेजी थी, जिसे सरकार ने गुरुवार को मंजूरी दे दी थी।

इससे पहले नवनियुक्त कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अपने ट्विटर अकाउंट के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट के दो नए न्यायाधीशों की नियुक्ति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के माननीय राष्ट्रपति, भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश के साथ परामर्श के बाद, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के रूप में न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार

मिश्रा और वरिष्ठ अधिवक्ता केवी विश्वनाथन को नियुक्त करते हुए प्रसन्नता हो रही है। सुप्रीम कोर्ट में जज बनने वाले न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा पहले छत्तीसगढ़िया हैं। सुप्रीम कोर्ट में नियुक्ति से पहले जस्टिस मिश्रा आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में सेवारत थे। इसके पहले उन्होंने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में भी कार्य किया है।

## जस्टिस विश्वनाथन की सीधे बार से हुई है नियुक्ति

जस्टिस प्रशांत मिश्रा के साथ शपथ लेने वाले कल्पथी वेंकटरमण विश्वनाथन बार से सीधे नियुक्त होने वाले सुप्रीम कोर्ट के केवल 10वें न्यायाधीश हैं। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की सेवानिवृत्ति के बाद 11 अगस्त, 2030 को केवी विश्वनाथन भारत के मुख्य न्यायाधीश बन सकते हैं।

## इंदौर-उज्जैन के बीच चलेगी भस्मारती एक्सप्रेस

# सीधे महाकाल मंदिर के गेट पर उतारेगी, किराया न्यूनतम...

उज्जैन में महाकाल ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने के लिए देश-विदेश से लोग आते हैं। यहां प्रतिदिन अलसुबह मंदिर में भस्म आरती होती है, जिसमें शामिल होने के लिए श्रद्धालु उत्साहित रहते हैं। देर रात ही आरती के लिए भक्तों की लाइन लगने लगती है। बाहर से आने वाले कई श्रद्धालु भस्मारती में शामिल होने के लिए पहले इंदौर आते हैं यहीं रुकते हैं और फिर यहां से उज्जैन जाते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए अब उज्जैन नगर निगम ने भस्मारती एक्सप्रेस शुरू करने की तैयारी है। जो श्रद्धालुओं को भस्मारती के समय अनुसार इंदौर से लेकर उज्जैन जाएगी और वापस उन्हें इंदौर लाकर छोड़ेगी। भस्मारती एक्सप्रेस कब से चलेगी और इसे लेकर क्या कुछ तैयारियां की गई है आइये आपके बताते हैं।

दरअसल, इंदौर में गुरुवार को यू-20 (अर्बन-20) सम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसमें देश के अलग-अलग शहर के मेयर शामिल हुए। उज्जैन के मेयर मुकेश टटवाल भी सम्मेलन के लिए इंदौर आए थे। उन्होंने चर्चा में भस्मारती एक्सप्रेस के बारे में जानकारी दी। इसे लेकर उनकी इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव से भी बात हो चुकी है। उन्होंने कहा कि बाबा महाकालेश्वर के दर्शन करने के लिए प्रतिदिन काफी संख्या में इंदौर से श्रद्धालु आते हैं।

उज्जैन के मेयर मुकेश टटवाल ने कहा भस्मारती

एक्सप्रेस के रूप में हम इलेक्ट्रिक बस का संचालन करेंगे। संभवतः अगले महीने तक यह शुरू हो जाएगी। इसका किराया अभी निर्धारित नहीं किया है। लेकिन यह न्यूनतम ही रहेगा और पूर्णतः सुविधाजनक रहेगी।

जो इंदौर में ही ठहरते है और विशेषकर भस्मारती के लिए ही आते हैं। उनकी सुविधा के लिए एक भस्मारती एक्सप्रेस उज्जैन से इंदौर के बीच में चलाने वाले हैं। भस्मारती एक्सप्रेस की विशेषता ये होगी की ये भस्मारती के समय से चलेगी और सीधे भस्मारती द्वार तक लेकर जाएगी। भस्मारती के बाद वापस यात्रियों को इंदौर लाकर छोड़ेगी। इसकी हमने पूरी योजना बना ली है।

इलेक्ट्रिक बस के रूप में ये भस्मारती एक्सप्रेस होगी और संभवतः अगले महीने तक हम इसका संचालन शुरू कर देंगे। इसका किराया अभी निर्धारित नहीं किया है लेकिन इसका किराया भी न्यूनतम रहेगा और ये पूर्णतः सुविधाजनक रहेगी। टिकट की बुकिंग ऑनलाइन होगी। शुरुआत में एक बस रहेगी। फिर आवश्यकतानुसार बसों की संख्या बढ़ाते जाएंगे।

**ये होगा फायदा** : भस्मारती एक्सप्रेस की शुरुआत से श्रद्धालुओं को अत्यधिक फायदा होगा। पहला तो ये कि उन्हें इंदौर से भस्मारती के समय अनुसार बस की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्हें इसके लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। बस सीधे मंदिर के गेट पर उतारेगी। इससे श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने के लिए भी परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। फिलहाल उज्जैन बस स्टैंड पर ही बस श्रद्धालुओं को उतार देती है और वहां से पैदल या अन्य साधनों की मदद से श्रद्धालु मंदिर तक पहुंचते हैं। भस्मारती के लिए श्रद्धालुओं को देर शाम या दिन में ही उज्जैन पहुंचना पड़ता है, क्योंकि रात के समय ऐसा कोई साधन नहीं है जो भस्मारती के समय उन्हें सीधे मंदिर तक पहुंचा दे। अलसुबह करीब 4 बजे भस्मारती होती है।-

# सिंधिया के होने से कांग्रेस को लाभ था, मुझे उनकी कमी खलती है : श्री सिंह

वरिष्ठ कांग्रेस नेता लक्ष्मण सिंह ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें वर्ष 2020 के दौरान भाजपा में गए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की कमी खलती है क्योंकि उनके कांग्रेस में होने से कांग्रेस को लाभ था। गौरतलब है कि सिंधिया की सरपरस्ती में कांग्रेस के 22 बागी विधायकों के विधानसभा से त्यागपत्र देकर भाजपा में शामिल होने के कारण तत्कालीन कमलनाथ सरकार का 20 मार्च 2020 को पतन हो गया था।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता लक्ष्मण सिंह ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें वर्ष 2020 के दौरान भाजपा में गए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की कमी खलती है क्योंकि उनके कांग्रेस में होने से कांग्रेस को लाभ था। गौरतलब है कि सिंधिया की सरपरस्ती में कांग्रेस के 22 बागी विधायकों के विधानसभा से त्यागपत्र देकर भाजपा में शामिल होने के कारण तत्कालीन कमलनाथ सरकार का 20 मार्च 2020 को पतन हो गया था। इसके बाद शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा 23 मार्च 2020 को

सूबे की सत्ता में लौट आई थी। लक्ष्मण सिंह कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह के छोटे भाई हैं और वह मध्यप्रदेश के गुना जिले के चाचौड़ा क्षेत्र से पार्टी के विधायक हैं।

लक्ष्मण सिंह ने इंदौर में संवाददाताओं के एक सवाल के जवाब में कहा,''मुझे तो सिंधिया की कमी खलती है क्योंकि उनके होने से कांग्रेस को लाभ था। इसमें कोई शक की बात नहीं है कि सिंधिया में क्षमता है और वह बड़े अच्छे वक्ता हैं। बहरहाल, उन्होंने दावा किया कि अब भाजपा के सैकड़ों नेता कांग्रेस में आना चाहते हैं क्योंकि वे अपनी पार्टी से नाराज हैं और उन्हें पता है कि इस साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनावों में किस पार्टी की सरकार बन रही है। फिल्म द केरल स्टोरी में लोगों को कथित रूप से बरगलाकर उनका धर्म बदलने की बात दिखाए जाने पर सिंह ने कहा,''मैंने यह फिल्म नहीं देखी है। इसलिए मैं नहीं कह सकता कि इसमें कितनी सच्चाई बताई गई है। लेकिन मैंने 1975 में केरल में चाय की एक कम्पनी में नौकरी की है। हम सुनते थे कि ये घटनाएं (अनुचित तरीके से धर्मांतरण) वहां होती हैं और चाय के बागान के कई परिवार इसके शिकार हुए हैं।

## बीजेपी कार्यसमिति की बैठक में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह बोले-

# मेरे तरकश में बहुत से तीर, जीत का रिकॉर्ड बनाएंगे..

बीजेपी की प्रदेश कार्यसमिति बैठक में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विधायकों को वर्कप्लान बनाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह सांसद अपना वर्कप्लान बनाकर पीएम को देते हैं, उसी तरह विधायक भी अपना कार्यक्रम बनाकर काम करें। सीएम शिवराज ने ये भी ऐलान किया कि अब बेटियों की तरह मेरिट में आने वाले बेटों को भी ई-स्कूटी दी जाएगी।

कार्यसमिति की बैठक शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में हुई। बैठक के नौवें सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कहा, 'ये कर्नाटक-फर्नाटक क्या है? ये मध्यप्रदेश है। यहां हम धूमधाम से जीत का रिकॉर्ड बनाएंगे। उनके पास (कांग्रेस) क्या है, हमारे पास नरेंद्र मोदी हैं। दिन-रात तपने वाले देवदुर्लभ कार्यकर्ता हैं। कांग्रेस कहीं से भी हमारा मुकाबला नहीं कर सकती। मेरे तरकश में अभी बहुत से तीर हैं।'

शिवराज ने कहा कि कर्नाटक में अभी मुख्यमंत्री ने शपथ भी नहीं ली है। उससे पहले ही पीएफआई जैसी राष्ट्रविरोधी ताकतें सिर उठाने लगी हैं। उन्होंने कहा, 'हम देश विरोधी ताकतों को छोड़ेंगे नहीं।अभी HUT के 11 लोग पकड़े हैं। जेएमबी के नेटवर्क को ध्वस्त किया है। 2003 में ही सिमी, डकैतों का सफाया कर दिया था। कांग्रेस की सरकार में नक्सली मंत्री की गर्दन काट ले गए थे। हमने नक्सलियों को मार गिराया है। अगर दूसरी सरकार होती तो सोचिए, क्या होता?'

कार्यसमिति की बैठक में सत्र के दौरान कैलाश विजयवर्गीय कहा कि कांग्रेस के बारे में क्या कहूं.. कांग्रेस के दो जासूस बोलूं.. बुढऊ बोलूं.. क्या बोलूं, घूम रहे हैं.. 75-75 साल की उम्र है.. वो जब चलते हैं, खाली चाल ही देख लो आप.. कमलनाथ जी जब चलें तो उसका एक वीडियो निकाल लेना और शिवराज जी चलें तो उसका वीडियो निकाल लेना.. स्पीड से पता लग जाएगा कि भारतीय जनता पार्टी कितनी तेज है। कार्यसमिति की बैठक में विजयवर्गीय ने कार्यकर्ताओं और सीनियर नेताओं में बढ़ते असंतोष पर कहा- कि कार्यकर्ताओं की बात नहीं सुनी जा रही। प्रभारी मंत्री दौरे के वक्त हवा की तरह जाते हैं और तूफान की तरफ वापस लौट आते हैं। चुनावी समय में ये व्यवहार ठीक नहीं। इसे मंत्रियों से लेकर जिलाध्यक्षों, विधायकों को सुधारना होगा।

केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा, 'नरेंद्र मोदी भारतीय जनता पार्टी के नेता हैं। देश में उन्हीं के चेहरे पर चुनाव लड़ा जाता है। सुशासन के 9 साल पूरे हुए हैं, उसके लिए विशेष कैंपेन चलाया जाएगा। बैठक में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव, प्रदेश सह प्रभारी डॉ. रामशंकर कठेरिया, राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ, प्रदेश कार्यसमिति के विशेष आमंत्रित और स्थाई सदस्यों समेत 1168 सदस्य शामिल हुए।

# भारतीय डाक विभाग : पीथमपुर में डोर टू डोर पार्सल कलेक्शन की शुरुआत हुई

औद्योगिक नगरी पीथमपुर में लगातार औद्योगिक इकाइयों बढ़ रही हैं। इसी को देखते हुए भारतीय डाक विभाग ने पीथमपुर में आज से डोर टू डोर पार्सल कलेक्शन वैन सुविधा का शुभारंभ किया।

पोस्ट मास्टर जनरल इन्दौर प्रीति अग्रवाल ने बताया कि भारतीय डाक सेवा देश की सबसे पुरानी व भरोसे मंद सेवा है। डाक विभाग समय के साथ अपने कार्यों में परिवर्तन लाया है। पीथमपुर बड़ा ओद्यौगिक क्षेत्र है और यहां कई बड़े व छोटे उद्योग स्थापित हैं, इसलिए भारतीय डाक विभाग ने आज से पीथमपुर के लिए डोर टू डोर पार्सल कलेक्शन के लिए स्थानिक कार्यालय पर प्रथक काउंटर व पार्सल कलेक्शन वेन शुरू की है।

यह पार्सल कलेक्शन वेन व्यापारिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों से जाकर पार्सल कलेक्शन कर गंतव्य तक पहुंचाएगा। अभी हम पीथमपुर के लिए एक वेन से शुरुआत कर रहे हैं। हम जरूरत अनुसार इस सुविधा में बढ़ोतरी करेंगे। हम पार्सल काउंटर पर जल्दी ही पार्सल पेकिंग की सुविधा भी उपलब्ध करवाने वाले हैं। डाक विभाग की ओर से लोगों को न्यूनतम शुल्क पर फास्टेज डाक पार्सल सुविधा मिल सके।

## मोदी सरकार के 9 साल पूरे

# मोदी सरकार के फैसले जिनसे देश और दुनिया में बढ़ी...

# भारत की धाक

26 मई 2014 को माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश के 14वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। 26 मई 2023 को उनके कार्यकाल के 9 वर्ष पूर्ण हुए। किसी भी लोक कल्याणकारी सरकार का एक प्रमुख कार्य उसकी जनता को स्वस्थ रखना होता है। अगर कोई बीमारी हो तो उन्हें सही समय पर उचित इलाज मिले। यह सरकार की जिम्मेदारी होती है। इसके लिए सरकार को कई व्यवस्थाऐ करनी पड़ती है। इसमें प्राइमरी स्वास्थ्य केंद्र बनाने से लेकर एम्स जैसे बड़े-बड़े संस्थान बनाने तक का कार्य शामिल है। इन संस्थानों में सस्ती या मुफ्त दवाएं उपलब्ध कराना और उपचार में मदद करना भी शामिल होता है।

केंद्र की मोदी सरकार ने देश के लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए विगत 9 वर्षों में कई कार्य किए हैं। 2020 में जब कोरोना ने विश्व में एक महामारी का रूप लिया था तब मोदी सरकार ने रिकॉर्ड समय में वैक्सीन का निर्माण अपने वैज्ञानिकों को प्रेरित करके कराया था। आज 220 करोड़ से अधिक वैक्सीन के डोज विभिन्न चरणों में भारतीयों को निशुल्क लगाए जा चुके हैं।

उस समय विपक्ष इसे संदेह की दृष्टि से देख रहा था और पूर्ण जनसंख्या के वैक्सीनेशन को लेकर लगने वाली अवधि को सालों में बता रहा था।(लगभग 10 साल )

पर हमारे प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में यह कार्य अति शीघ्रता से संपन्न कर दिया गया। जहां विदेशों में इस वैक्सीन की कीमत लगभग 15 सो रुपए के आसपास थी वही भारत में इसे पूर्णतया निशुल्क लगाया गया। आभार हमारे प्रधानमंत्री जी का। इसके पश्चात जरूरतमंद राष्ट्रों को भी प्रधानमंत्री ने वैक्सीन मुफ्त में उपलब्ध कराई। गरीब जनता को देखते हुए 2018 में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की शुरुआत की गई। इस योजना के जरिए 23 करोड़ भारतीयों को इलाज पर होने वाले खर्च के बोझ से बहुत ही राहत मिली। इस योजना के अंतर्गत इसके दायरे में आने वाले व्यक्ति के पांच लाख तक का इलाज विभिन्न सरकारी और निजी चिकित्सालय में निशुल्क किया जाता है।

'आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन' के जरिए केंद्र सरकार ने अब तक 37 करोड से ज्यादा लोगों के हेल्थ रिकॉर्ड्स को' आयुष्मान भारत हेल्थ एकाउंट' (एबीएचए )से जोड़ा जा चुका है।' ई संजीवनी '

कार्यक्रम के जरिए देश के हेल्थ सेक्टर को रिवॉल्यूशनाइज किया गया है। इसके तहत 10 करोड़ से ज्यादा लाभार्थी अपने घर से ही बेहतर स्वास्थ सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। दूरदराज के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोग भी शहरों में मौजूद विशेषज्ञ चिकित्सकों की सलाह से अपना इलाज करवा सकते हैं। माननीय प्रधानमंत्री की एक और महत्वाकांक्षी योजना' जन औषधि केंद्र' है। इसके तहत देश के 700 से अधिक जिलों में 9413से ज्यादा 'जन औषधि केंद्र 'खोले गए हैं।

इन केंद्रों पर सस्ती और कारगर दवाएं काफी कम मूल्य पर उपलब्ध है।आम जनमानस इन सस्ती दवाओं को इन केंद्रों से खरीद सकता है। देश के अलग-अलग हिस्सों में अब तक लगभग डेढ़ लाख 'स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र' स्थापित किए जा चुके हैं। आज देश में 565 मेडिकल कॉलेज है जबकि अन्य 175 मेडिकल कॉलेज विकास की प्रक्रिया में है। 'पीआईबी 'के ताजा आंकड़ों के अनुसार 2012 तक देश में चिकित्सकों की संख्या लगभग 883000 (आठ लाख तेरासी हजार)थी जो मोदी सरकार आने के बाद 2021 में 1300000(तेरह लाख) हो गई।

साल 2012 तक नर्सों की संख्या 2100000(इक्कीस लाख) थी।जो 2021 तक 35 लाख से ज्यादा हो गई।

मेडिकल कॉलेजों के पास ही 157 नए नर्सिंग कॉलेज खोलना' मेडिकल हुमन रिसोर्स 'के लिए बहुत बड़ा कदम है। 37 करोड़ से अधिक लोग आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता से लिंक कर दिए गए हैं।आर्थिक समीक्षा 2022_23 के अंतर्गत 50409 करोड रुपए के व्यय से विभिन्न सरकारी और निजी अस्पतालों में लगभग 4 करोड़ 30 लाख रोगियों का उपचार निशुल्क किया गया है इस योजना के अंतर्गत। 2014 से पहले देश में एम्स की संख्या केवल 7 थी जो 2023 तक 22 हो चुकी है। 14 अप्रैल 2023 को हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी ने असम में एक एम्स( गोहाटी) और तीन मेडिकल कॉलेज वहां की जनता को समर्पित किए।

बच्चों और महिलाओं में टीके से रोके जा सकने वाले रोगों के लिए सरकार ने' मिशन इंद्रधनुष' की शुरुआत की। इसके तहत विभिन्न चरणों में 4.65 करोड बच्चों और 1.2 करोड़ गर्भवती महिलाओं को 12 गंभीर बीमारियों से लड़ने के टीके लगाए जा चुके हैं।

मिशन इंद्रधनुष की सफलता का अंदाजा इससे लगाते हैं कि देश में साल 2014 _16 में डिलीवरी के समय मातृ मृत्यु दर 130 प्रति लाख जन्म थी वह 2018-20 में घटकर 97 रह गई। पिछले 9 वर्षों में 2014 के बाद देश में' मेडिकल कॉलेजों' की संख्या 387 से बढ़कर 654 हो गई अर्थात 69% की वृद्धि। 2014 से पहले जहां देश में एमबीबीएस की सीट 51348 होती थी वह बढ़कर 99713 हो गई। यानी कि 94% की वृद्धि।

विशेषज्ञ चिकित्सकों के लिए होने वाली पढ़ाई यानी कि स्नातकोत्तर (PG)सीटों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है 2014 से पहले इनकी संख्या 31185 होती थी जो अब बढ़कर 64559 हो गई है। यानी कि 107% की वृद्धि।

अधिक संख्या में चिकित्सक निकलने से अधिक से अधिक मरीजों को इलाज सुलभ हो सकेगा।

मुझे अच्छी तरह याद है मैं जब 2011 में जी बी पंत में हार्ट की एंजियोग्राफी कराने गया था तब मेरे दो स्टंट डाले गए थे जिनकी कीमत 156000( एक लाख छप्पन हजार) थी आज उन्हीं स्टैंड की कीमतों को काफी नियंत्रित किया है मोदी जी की सरकार ने। आज यही स्टंट पचास से साठ हजार रूपए में,(दो स्टंट) उपलब्ध हैं।

इसी प्रकार knee implants सहित जीवन रक्षक दवाओं की कीमतों को भी काफ़ी नियंत्रित किया गया है। देश के हर जिले में मुफ्त डायलिसिस की योजना प्रारंभ की गई है।जिससे किडनी के मरीजों को काफी फायदा पहुंचा है। 2014 में शिशु मृत्यु दर 39 शिशु प्रति हजार की जो 2022 में घटकर 28 रह गई। नवजात मृत्यु दर 2014 में 26प्रति हजार थी जो 2022 में 20 प्रति हजार रह गई। 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर 2014 में 45 से घटकर 2020 मे 32 रह गई। सरकार नागरिकों के मानसिक स्वास्थ्य का भी ध्यान रख रही है क्योंकि आज की भौतिक वादी परिस्थितियों में मानसिक तनाव काफी बढ़ रहा है।छात्रों शिक्षकों एवं परिवारों को मानसिक स्वास्थ्य एवं भावनात्मक तंदुरुस्ती के लिए मनोदर्पण पहल कोविड़ महामारी के दौरान शुरू की गई है। हमारी प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री जी ने 2014 में एक अलग आयुष मंत्रालय की स्थापना की।जिसमें आयुर्वेद ;होम्योपैथीः सिद्धः यूनानी और योग चिकित्सा प्रणाली समाहित है।21 जून को सारे विश्व में योग दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव जो माननीय प्रधानमंत्री जी ने दिया था उसे सारे विश्व ने सहर्ष स्वीकार किया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में उपस्थित 193 देशों में से 177 देशों ने 21 जून को विश्व योग दिवस के रूप में मनाए जाने के प्रस्ताव को स्वीकार किया। 21 जून 2015 को 35000 लोगों के साथ 85 देशों के प्रतिनिधियों सहित प्रधानमंत्री मोदी जी ने राजपथ पर 21 आसनों को किया।यह भारत की प्राचीन योग परंपरा के लिए बड़ी कामयाबी है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री स्वास्थ्य क्षेत्र को अन्य क्षेत्रो के समान नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं जिससे आम जनमानस को उत्तम और सस्ती चिकित्सा उपलब्ध हो सके। धन्यवाद और आभार माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी का।

• डॉ मुकेश चतुर्वेदी
प्रदेश सह संयोजक भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ मध्य प्रदेश

# शंकराचार्य ने मठों की स्थापना कर देश को एक किया : मुख्यमंत्री श्री चौहान

**मुख्यमंत्री श्री चौहान कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में मध्यप्रदेश शासन के आचार्य शंकराचार्य सांस्कृतिक एकता न्यास एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित आचार्य शंकर प्रकटोत्सव, एकात्म पर्व में बोल रहे थे....**

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आदि शंकराचार्य ने देश के चारों कोनों में मठों की स्थापना कर भारत को एक किया। चौहान मंगलवार शाम कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में मध्यप्रदेश शासन के आचार्य शंकराचार्य सांस्कृतिक एकता न्यास एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित आचार्य शंकर प्रकटोत्सव, एकात्म पर्व में बोल रहे थे। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में मुख्यमंत्री के हवाले से कहा गया, ''आचार्य शंकर (आदि शंकराचार्य) ने पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण चारों दिशाओं में मठों की स्थापना करके भारत को जोड़ा।''

चौहान ने कहा, ''इन्हीं के कारण हमारी संस्कृति की पहचान कायम रही। उनका अद्वैत वेदांत दर्शन लोगों को सही दिशा दे रहा है। उनका संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''हमारे वेदों और उपनिषदों को पढ़ने के बाद केवल एक ही बात दिमाग में आती है कि हम सभी की चेतना एक जैसी है। हम सभी एक हैं।'' चौहान ने कहा कि भारतीय संतों ने हजारों साल पहले ''वसुधैव कुटुम्बकम'' (पूरी दुनिया एक परिवार है) का संदेश दिया था। उन्होंने कहा, ''भारत ने जियो और जीने दो का संदेश दिया है।'' उन्होंने कहा कि ओंकारेश्वर में एकात्म धाम बन रहा है जहां पूरे विश्व को एकता का संदेश मिलेगा। इससे पूर्व स्वामी अवधेशानंद गिरि व चौहान ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्वामी अवधेशानंद ने कहा कि आदि शंकराचार्य ने 32 साल की उम्र में तीन बार पूरे भारत का भ्रमण किया था। चौहान की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि जो काम शिक्षकों और संतों को करना था वह मुख्यमंत्री कर रहे हैं।

इस अवसर पर उपस्थित संत स्वामिनी विमलानंद सरस्वती ने ओंकारेश्वर में शंकराचार्य की प्रतिमा स्थापित करने के राज्य सरकार के फैसले की सराहना की। चौहान ने इस अवसर पर अध्यात्म और संस्कृति में योगदान के लिए स्वामिनी विमलानंद सरस्वती और संस्कृति, साहित्य तथा व्याकरण के क्षेत्र में योगदान के लिए डॉ. कांशीराम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया।

## दिग्विजय की दो टूक, कहा-

# जनता वोट देना चाहती, लेकिन हमारा संगठन कमजोर है...

कांग्रेस नेता ने साफ तौर पर कहा कि हमारी पार्टी का जैसा संगठन होना चाहिए, वैसा नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव वाले दिन भी पोलिंग मैनेजमेंट में भारी कमी रहती है, जिस तरह की तैयारी पहले से होनी चाहिए वैसी नहीं होती है।

इस साल के आखिर में मध्यप्रदेश में विधानसभा के चुनाव होने हैं। भाजपा और कांग्रेस के बीच यहां मुख्य मुकाबला होता है। दोनों पार्टियां अपनी-अपनी तैयारियों में जुटी हुई है। इन सबके बीच राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने अपनी ही पार्टी को आइना दिखा दिया है। दिग्विजय सिंह ने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस का संगठन कमजोर है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कह दिया कि पोलिंग के दिन भी कांग्रेस का इलेक्शन मैनेजमेंट कमजोर रहता है। दरअसल, मध्यप्रदेश के सीहोर

में दिग्विजय सिंह पत्रकारों से बात कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि कांग्रेस का संगठन कमजोर रहता है। कांग्रेस नेता ने साफ तौर पर कहा कि हमारी पार्टी का जैसा संगठन होना चाहिए, वैसा नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव वाले दिन भी पोलिंग मैनेजमेंट में भारी कमी रहती है, जिस तरह की तैयारी पहले से होनी चाहिए वैसी नहीं होती है। इसके साथ ही दिग्विजय ने यह भी कह दिया कि जनता तो हमें वोट देना चाहती हैं लेकिन हमारा संगठन ही कमजोर है। दिग्विजय सिंह ने अपने वक्तव्य में यह नहीं बताया कि पार्टी का संगठन के आधार पर उन्हें कमजोर नजर आता है। दिग्विजय ने पार्टी के पूर्व नेताओं - गुलाम नबी आजाद और ज्योतिरादित्य सिंधिया- पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस पर हमला करना दोनों के लिए शर्मनाक होना चाहिए क्योंकि पार्टी ने उन्हें सब कुछ दिया जब वे संगठन में थे। सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के इस बयान से सहमत हैं कि जब गुलाम नबी आजाद कांग्रेस में थे, तो वह पूरी तरह आजाद थे,लेकिन अब पुरानी पार्टी को छोड़कर वह गुलाम बन गए हैं।

# पत्नी की हत्या, शव पलंग पेटी में छुपाया, ऊपर बिस्तर रखा

नरवर थाना क्षेत्र के ग्राम पालखंदा में किराना दुकान संचालित करने वाले व्यक्ति ने पत्नी की हत्या कर उसका शव पलंग पेटी में छिपा दिया। शव पेटी में रखकर उस पर बिस्तर भी रख दिए। गुरुवार रात को उसने अपनी मां को शराब के नशे में बताया कि पत्नी मर गई है। इसके बाद स्वजन ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने रात दो बजे शव बरामद कर पति को हिरासत में लिया। आरोपित के एक महिला से अवैध संबंध भी सामने आए हैं। टीआइ संजय मंडलोई ने बताया कि पालखंदा में रहने वाले किराना दुकान संचालक विजय परमार का पत्नी दीपाबाई उम्र 40 वर्ष से लंबे समय से घरेलू विवाद चल रहा है। दीपाबाई ने देवास के सिविल लाइन थाने में पति के खिलाफ घरेलू हिंसा का केस भी लगा रखा था। दीपाबाई आठ साल तक मायके में रही थी। जुलाई 2021 में वह उसे समझौता कर अपने घर ले आया था। इसके बाद भी उससे मारपीट करता था। बुधवार रात को विजय शराब के नशे में घर पहुंचा और दीपाबाई के साथ फिर मारपीट की थी। इसके बाद से वह नदारद थी। गुरुवार को उसने अपने स्वजन को कहा कि वह कहां गई पता नहीं है।

गुरुवार रात को शराब के नशे में विजय घर पहुंचा था। मां सावित्रीबाई ने उससे पत्नी दीपा के बारे में पूछताछ की तो बोला कि वह तो मर गई है। इसके बाद स्वजन को शव पलंग पेटी में मिला था। जिस पर पुलिस को सूचना दी गई थी। पुलिस ने शव बरामद किया है। जांच के लिए एफएसएल अधिकारी डा. प्रीति गायकवाड़ को भी मौके पर बुलाया गया था। मृतका के चेहरे पर मारपीट के निशान मिले हैं। वहीं उसके गले पर भी रस्सी अथवा कपड़े से गला घोंटने के निशान मिले हैं। पुलिस ने देर रात शव बरामद कर पति विजय को हिरासत में ले लिया।

## बेटा बाहर सो रहा था

मृतका दीपाबाई की पुत्री उर्वशी उम्र 21 वर्ष तथा पुत्र राजकुमार उम्र 17 वर्ष है। माता-पिता के विवाद के चलते दोनों अपने मामा हेमंत चौहान निवासी देवास के साथ ही रहते थे। जुलाई 2021 में जब दीपाबाई वापस पालखंदा रहने आ गई तो राजकुमार भी उसके साथ आया था। मगर उर्वशी मामा के यहां ही रह रही थी। बुधवार रात को राजकुमार बाहर बरामदे में सो रहा था। उसने पुलिस को बताया कि रात दो बजे तक मां व पिता के लड़ने की आवाज आ रही थी। इसके बाद वह सो गया था। आशंका है कि दो बजे बाद ही हत्या की गई है।

## साले को फोन कर कहा था मुझे तलाक चाहिए

मृतका दीपाबाई के भाई हेमंत ने पुलिस को बताया कि बुधवार रात करीब साढ़े 9 बजे उसके जीजा विजय ने फोन कर कहा था कि उसे दीपा से तलाक चाहिए। इस पर हेमंत ने कोर्ट जाने को कहा और फोन काट दिया था। हेमंत का आरोप है कि उसका जीजा विजय, सास सावित्रीबाई तथा ससुर अंतरसिंह एक ही मकान में रहते हैं।

# इन्दौर में महिलाओं के वस्त्र चुरा लेता है एक सिरफिरा, गश्त कर रहे रहवासी

विजय नगर और लसूड़िया क्षेत्र की पाश कालोनियों में इन दिनों एक सिरफिरे की दशहत है। सिरफिरा रात में महिलाओं के वस्त्र चुरा ले जाता है। घबराहट में रहवासी खुद डंडे और बैसबाल के बल्ले लेकर गश्त कर रहे हैं। उनका आरोप है कि वस्त्र चुराने वाला बच्चियों के गले भी दबाता है। वह पलक झपकते ही दीवार फांद कर भाग जाता है।

घटनाक्रम शनिवार रात उस वक्त सामने आया जब खजराना टीआइ दिनेश वर्मा गश्त करते हुए स्कीम-78 पहुंचे। युवा और बुजुर्ग डंडे लेकर सड़कों पर घूम रहे थे। लोगों ने बताया वे एक सिरफिरे से परेशान हैं। जैसे ही घरों की लाइट बंद होती है, वह दीवार फांद कर अंदर आ

जाता है। कभी वस्त्र चुरा लेता है तो कभी बच्चियों के साथ हरकत करता है।पहले लोगों ने समझा घरों में चोर आने लगे हैं। धीरे-धीरे महिलाओं ने एक दूसरे से बात की तो पूरे मोहल्ले में दहशत फैल गई। शनिवार रात टीआइ वर्मा ने सूने घर व गलियों में आरोपित को ढूंढा।

गश्त कर रहे युवाओं ने बताया कि कुछ जगह से सीसीटीवी फुटेज निकाले हैं। इनमें आरोपित भागते हुए नजर आ रहा है। युवाओं ने कहा कि सिरफिरा पाइप व दीवार के सहारे छतों पर भी चढ़ जाता है। शोर मचाते ही वह कूद जाता है। कुछ साल पूर्व भी विजय नगर में इस प्रकार की घटना हुई थी। आरोपित होस्टल में रहने वाली छात्राओं के वस्त्र काट कर भाग जाता था।

# मां की भक्ति ही गीता पुराण

'माँ' शब्द का उतना ही महत्व है जितना ॐ शब्द का ओम मे 'ब्राह मत्व ''है तो माँ मे मातृत्व है सनातन धर्म का ऐसा मानना है की हमारे शरीर के अंदर ही ब्रमांड मौजूद है साधना और तप से इन्हे पाया जाता है !अगर हमारा शरीर ब्र ह मांड है तो इस शरीर को जन्म देने वाली जननी ही इस ब्रह्माण्ड की निर्माण करने वाली है ! माँ का दर्जा ईश्वर से बड़ा होता है; माँ की भक्ति ही गीता पुराण है ! जब तक पास होती है अहसास नहीं होता लेकिन आप के जीवन मे जो कुछ भी हो रहा है वह माँ के आशीर्वाद से है आप माने या ना माने लेकिन ईश्वर का रूप है !लेकिन आज जयादा तर माँ वृद्धा आश्रम मे है या तो घर के एक कोने मे कही पड़ी है और अपने जीवन की अंतिम सांस का इंतजार कर रही है.. और इसका अहसास उसके जाने के बाद होता है..उसका जाना फिर कभी वापस ना आने के लिए कुछ को तो शायद झझट से मुक्ति मिल जाती है.. अभी कुछ दिन पहले मैंने अपनी माँ को खोया है. मै ये कहने मे जरा भी संकोच नहीं करूँगा की ईश्वर ने पुण्य आत्मा को स स्वर्ग मे स्थान दिया होगा क्यों जिसे जाने के पहले जाने काअहसाश हो गया था और जाने का.. काश उनकी बात मान लेता तो मन मे ग्लानि नहीं होती मै फिल्मो की स्टोरी लिखता हूँ , हमारे भाई संपादक मनोज जी नेमाँ के लिए कुछ कुछ लिखें.. माँ के बारे जितना भी लिखा जाये वोही कम है जिसने हमें रचा हम शब्दो से क्या बयान कर सकते है मेरी माँ पांची देवी का जन्म 13 फ़रवरी 1040को राजस्थान के पाण्याला मे हुआ. बचपन मे ही पिता का साया सर से उठ गया नानी ने पाल पोश कर बड़ा किया, बड़ी हवेली नुमा घर मे पली बढी और 15 साल की उम्र मे पिता श्री दुर्गा प्रसाद शर्मा से शादी हुई और पिता काम की तलाश मे झारखण्ड पहुंच गए उस वक़्त बिहार हुआ करता था. चाईबासा मे जहा संघर्ष से शुरू हुई जीवन.. सम्पनता तक पहुंची.. पिता का कारोबार अच्छा था. नौकर चा कर

सब थे, फिर भी माँ गाय की दूध खुद निकालती.. घर का काम करते हुए माँ ने हम नौ भाई बहनो को जन्म दिया. गीता छोटी उम्र मे चल बसी.. अच्छा हुआ वो लाचार थी. पैरों से.लेकिन किस्मत ने सब सुख देकर भी थोड़ा दुख का अहसास कराता है.. हमारे लिए अहसास और माँ के लिए यातना क्यों की हमारा छोटा भाई को पोलियो था.. इलाज की सब कोशिश की गई लेकिन उस वक़्त इलाज ना हो सका और उसका दर्द झेली अकेली माँ ने.. सिर्फ इसलिये की वो माँ थी जिन्दगी के बयालिस साल का संघर्ष था वो. लेकिन उफ़ तक नहीं की क्यूंकि वो माँ थी.. सब कुछ हो कर भी कुछ नहीं पाया जीवन मे.. मैंने बचपन से ही संघर्ष सीखा उनसे बहुत कुछ शायद मेरी वजूद मेरी ताकत वही थी.. मुंबई आने की बात सबसे पहले उनसे ही की एक बार तो दिल छोटा किया फिर भविष्य की सोच और मेरी याचना पर तैयार हुई. तो इस बात से की वापस नहीं आना संघर्ष करना और जितना. आखरी सांस तक यही मूल मंत्र था. हालंकि छोटा भाई ने 2017 मे शरीर त्याग दिया.. हमें लगा की अब माँ थोड़ी राहत महसूस करेगी.. थोड़ा देश दुनिया देखे गी लेकिन तीर्थ स्थानों के अलावा कही मन नहीं लगता.. मुंबई कुछ दिनों के लिए आयी.. लेकिन नहीं रह पायी बहन के पास बड़ोदा गई.. और कुछ दिनों के लिए जयपुर. लेकिन दिल चाईबासा मे अटका था पिता वहां थे.. भले ही ताउम्र नोक झोक होती रही.. लेकिन एक बंधन था.. पिताजी के जाने के बाद अकेला पन महसूस करने लगी सब था . नाती पोते. उनके बच्चे लेकिन एक खालीपन जो कोई नहीं भर सकता.. और उसी अकेलापन के साथ माँ ने एकादशी के दिन चैन से सोते हुए इस दुनिया से चली गई... जब मैंने उनके पार्थिव शरीर को देखा तो ऐसा लगा की संघर्ष के बाद चैन की नींद सो रही है... एक तो उनके जाने का गम था तो दूसरी तरफ उनके मासूम चेहरे मे सुकून था... माँ आप जहा भी रहोगी प्रेरणा दोगी संघर्ष का और विजय भव का आशीर्वाद... प्रणाम माँ,

सचिन्द्र शर्मा( डाइरेक्टर लेखक एवं महाराष्ट्र प्रभारी हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका ) की माँ को समर्पित लेख जिनका कुछ समय पूर्व स्वर्गवास हो गया।

• सचिन्द्र शर्मा की कलम से

## आईपीएल पर सट्टे लगाने वाले को साइबर क्राइम टीम ने पकड़ा

# 13 मोबाइल, एक कार व लैपटॉप में मिली सट्टे की जानकारी

जिले में आईपीएल की शुरुआत से ही सटोरियों के जलवे नजर आ रहे थे जिसे लेकर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह को लंबे समय से जिले में चल रहे क्रिकेट सट्टो की सूचना मिल रही थी जिसे लेकरM कुक्षी में सायबर क्राइम ब्रांच धार और कुक्षी पुलिस टीम द्वारा इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल पर सट्टे को लेकर बडी कार्रवाई की है। पुलिस टीम ने कल देर रात्रि एक रहवासी मकान में दबिश देकर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से लैपटाप, मोबाइल फोन और हजारों की नगदी सहित एक चार पहिया वाहन भी जब्त किया है। पुलिस को मौके से एक डायरी भी मिली है जिसमें लाखों रुपए के सट्टे लेन-देन का पूरा हिसाब भी मिला है जिसको लेकर आगे की जांच अब कुक्षी पुलिस टीम कर रही हैं। दरअसल प्रतिमाह पुलिस अधीक्षक कार्यालय में होने वाली मासिक समीक्षा बैठक में एसपी मनोज कुमार सिंह ने थाना प्रभारियों, सीएसपी सहित एसडीओपियों को अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए निर्देश दिए थे जिसे लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार और उप पुलिस अधीक्षक निलेश्वरी डावर और जिले के सीएसपी, एसडीओपी और थाना प्रभारियों के साथ सायबर क्राइम ब्रांच प्रभारी दिनेश शर्मा को आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर उचित कार्यवाही हेतु लगाया गया था। इसी बीच धार सायबर क्राइम ब्रांच प्रभारी दिनेश शर्मा को मुखबिर से सूचना मिली थी कुक्षी के सुसारी में एक रहवासी मकान में आईपीएल के मैचों पर सट्टा लिया जा रहा है। मुखबिर की सूचना पर क्राइम ब्रांच और कुक्षी पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सुसारी के एक मकान राजगढ निवासी दिनेश पिता बाबुलाल सिसोदिया को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मकान से एक लैपटा, 13 मोबाइल फोन, एक वाईफाई डोंगल, 20 हजार रुपए और एक कार जब्त की है। एसपी मनोज कुमार सिंह के अनुसार सटोरिया दिनेश सिसोदिया सट्टा खेलने के लिए राजगढ़ से कुक्षी प्रतिदिन आना-जाना करता था। इसको लेकर अपनी कार क्रमांक एमपी-09 डब्लूके-0748 का उपयोग करता था।

कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम को दबिश वाले घर के पास से उक्त कार भी मिली हैं। आरोपी दिनेश ने बताया कि क्षेत्र के निवासी दिनेश पिता हिरालाल पटेल से मकान किराए पर लिया था। चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाईड राइडर्स के बीच होने वाले मैच पर ऑनलाइन सट्टा चलाया जाता था। मोबाइल फोन और ऑनलाइन लिंक के माध्यम से ग्राहको से सट्टा लिया जाता था। पुलिस को लैपटाप में एक सॉफ्टवेयर भी मिला जिसमें लाखों का मैचों का हिसाब मिला है। पुलिस ने आरोपी दिनेश पिता बाबुलाल सिसोदिया पर पब्लिक गेम्बलिंग एक्ट सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी दिनेश को पूर्व में भी राजगढ पुलिस ने जुआ एक्ट में गिरफ्तार किया था।

सायबर पुलिस आरोपी से जब्त मोबाइल की भी जांच कर रही है जिसमें कई सटोरियों के नाम सामने आ सकते है। आरोपियों को गिरफ्तार करने में सायबर क्राईम ब्रांच धार प्रभारी निरीक्षक दिनेश शर्मा, उनि धीरज सिंह राठौर, सउनि भेरूसिंह देवड़ा, सउनि रामसिंह गौर, मसउनि अनिता, प्रआर. गुलसिंह, प्रआर. राजेष, आर. बलराम, आर. सर्वेश आर. प्रशांत, संग्राम, मआर. रिंकू एवं थाना प्रभारी कुक्षी बृजेश मालवीय, उनि विजय वास्कले, सउनि चंचल सिंह चौहान की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आरोपी से जप्त मोबाईल की जांच सायबर सेल टीम द्वारा कर जा रही है, जिससे और भी कई सटोरियों के नाम मिलने की पूर्ण संभावना है।

## सरेराह हत्या, मामूली कहासुनी हुई...

# लात मारने के लिए युवक उछला तो आरोपियों ने सीने में चाकू मारा...

हीरानगर थाना क्षेत्र दो बदमाशों ने एक गुंडे की चाकू मारकर हत्या कर दी। मामूली कहासुनी के दौरान गुंडे ने मुख्य आरोपित को चांटा मारा था। वह दोबारा लात मारने के लिए उछल कर आया, लेकिन निशाना चूक गया और आरोपित ने सीने में चाकू घोंप दिया। पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। मुख्य आरोपित प्रथम के साथी विक्की ने चाकू लाकेट की तरह गले में लटका रखा था।

एसीपी धैर्यशील येवले के मुताबिक श्यामनगर निवासी रितेश पुत्र राजू जाधव के खिलाफ हत्या, मारपीट अड़ीबाजी के करीब 14 प्रकरण दर्ज हैं। रविवार दोपहर वह बुआ सरला से मिलने न्यू गायत्रीनगर आया था। कालोनी में रहने वाला प्रमथ उज्जैयनी दोस्त विक्की चौहान के साथ निकल रहा था तो दोनों में विवाद हो गया।

रितेश ने प्रथम को चांटा मारकर भगा दिया। कुछ देर बाद दोनों वापस आए और विवाद हुआ। रितेश इस बार भी प्रथम को मारने दौड़ा। उसने लात मारने के लिए छलांग लगाई, लेकिन प्रथम दूर हट गया। रितेश संभलता इसके पूर्व उसने सीने में चाकू घोंप दिया। कुछ महिलाएं बचाने दौड़ीं, लेकिन जब तक रितेश के सीने में चाकू लग चुका था। वह लड़खड़ा कर वहीं गिर गया। स्वजन उसको अस्पताल भी ले गए, लेकिन डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। टीआइ दिलीप पुरी के मुताबिक प्रथम के विरुद्ध भी कई केस दर्ज है। मामले में उसके पिता पंकज को भी आरोपित बनाया गया है।

# प्रेमिका की हत्या कर नमक के साथ दफनाया, तीन साल बाद तीन आरोपी गिरफ्तार...

क्राइम ब्रांच ने तीन वर्ष पुराने हत्याकांड का खुलासा किया है। पुलिस ने 20 वर्षीय युवती के प्रेमी और दो युवकों को गिरफ्तार किया है।आरोपितों ने हत्या के बाद युवती को चेंबर में दफना दिया था। उसके ऊपर नमक की बोरियां डाली गई थीं ताकि शरीर गल सके। श्यामनगर निवासी अर्चना डाबर का आरोपित विशाल प्रजापत से प्रेम प्रसंग चल रहा था। शादीशुदा विशाल के घर में इसको लेकर विवाद होने लगा। साजिश के तहत विशाल ने मई 2020 में मिलने बुलाया और बातचीत के दौरान चुन्नी से गला घोंट दिया। विशाल ने दोस्त शिवनंदन उर्फ जान और सत्यनारायण उर्फ सत्यम को बुलाया और शव ठिकाने लगा दिया।

आरोपितों ने कुलकर्णी का भट्टा स्थित चेंबर में शव दबा दिया और ऊपर से नमक की बोरियां डाल दी। टीआइ पंकज द्विवेदी के मुताबिक 22 जनवरी 2021 को नाला सफाई के दौरान चेंबर खोला तो युवती के पैर मिले। धड़ न मिलने के कारण पुलिस ने मर्ग कायम

किया और जांच कर फाइल बंद कर दी। तीन दिन पूर्व क्राइम ब्रांच को खबर मिली कि विशाल ने प्रेमिका की हत्या की है। पुलिस ने हीरानगर क्षेत्र में जांच की तो पता चला मई 2020 में अर्चना की गुमशुदगी दर्ज की गई थी। पुलिस ने तीनों आरोपितों को गिरफ्तार किया तो हत्या और शव दफनाना स्वीकार लिया।

# चाइल्ड पोर्नोग्राफी; वीडियो अपलोड और फॉरवर्ड करने पर भोपाल में पहली बार एफआईआर की तैयारी में पुलिस

चाइल्ड पोर्नोग्राफी मामले में साइबर क्राइम जल्द ही तीन एफआईआर दर्ज करने वाला है। करीब 1000 पोर्न वीडियो राज्य सायबर सेल ने भोपाल पुलिस को दिए थे। जिसमें स्क्रूटनी के बाद फिलहाल तीन मामलों विधिक राय के लिए राज्य सायबर सेल भेजा गया है। विधिक राय आते ही सायबर क्राइम में आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। चाइल्ड पोर्नोग्राफी में भोपाल का यह पहला मामला दर्ज होगा।

जानकारी के मुताबिक अमेरिका की एक एनजीओ द्वारा चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर काम किया जा रहा है। चार साल पहले भारत का अमेरिका से करार हुआ था। इसके बाद संस्था द्वारा समय-समय पर भारत को डेटा शेयर किया जाता है जिसमें लोगों द्वारा चाइल्ड पोर्न वीडियो देखा, वीडियो बनाकर अपलोड किया या वीडियो को फारवर्ड किया गया है। पिछले चार साल में प्रदेश में 70 हजार से ज्यादा लोगों का डेटा संस्था द्वारा शेयर किया गया है। जिसकी स्क्रूटनी के बाद लगभग 32 हजार प्रकरण सामने आए थे। 32 हजार डेटा में मोबाइल यूजर, लैपटॉप यूजर और कंप्यूटर यूजर शामिल हैं।

संस्था द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के तहत इन यूजर्स का आईपी एड्रेस समेत तमाम जानकारी शेयर की गई हैं। राज्य सायबर सेल ने 32 हजार डेटा की स्क्रूटनी के बाद 4000 प्रकरणों को कार्रवाई के लिए अलग किया था। यह 4000 प्रकरण प्रदेश भर के जिलों के थे। सायबर सेल ने कार्रवाई के लिए संबंधित जिलों को डेटा शेयर किया था। भोपाल में लगभग 1000 प्रकरण भेजे गए थे।

## 300 की स्क्रूटनी में 13 मामले कार्रवाई के लिए निकले थे

सायबर क्राइम की टीम ने जब डेटा का एनालिसिस किया तो उसमें कई वीडियो ऐसे थे जो घर में खेलते समय छोटे बच्चों के बनाए गए थे। आमतौर पर यह वीडियो परिजनों द्वारा बनाए जाते हैं, लेकिन इनका उद्देश्य गलत नहीं होता है। फिलहाल तीन मामलों में जरूर यूजर द्वारा पोर्न वीडियो को अपलोड और फॉरवर्ड किया गया है, जिसमें विधि सलाहकार से कार्रवाई के लिए अभिमत मांगा गया है। डीसीपी क्राइम श्रुतकीर्ति सोमवंशी का कहना है कि तीन प्रकरण में अभिमत का इंतजार है। इसके बाद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी।

# टीम ने रुकवाया बाल विवाह : दुल्हन के बालिग होने के दस्तावेज नहीं पेश कर पाए परिजन

उज्जैन के पास ग्राम सेमलिया तहसील महिदपुर में बाल विवाह की सुचना पर महिला बाल विकास की टीम पहुंची। जानकारी लेने पर सूचना सही निकली। यहां पर एक नाबालिग की शादी की तैयारी चल रही थी, जिसे टीम ने रुकवा दिया है।

उज्जैन जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग साबिर अहमद सिद्दीकी ने बताया कि शुक्रवार को महिला एवं बाल विकास विभाग उज्जैन को शिकायत प्राप्त हुई कि ग्राम सेमलिया तहसील महिदपुर जिला उज्जैन में बाल विवाह होने वाला है। इस पर संज्ञान लेते हुए बाल विवाह निरोधक दल को कार्यवाही के निर्देश दिए गए। बाल विवाह निरोधक दल में शामिल बाल विकास परियोजना कार्यालय महिदपुर क्रमांक -01 से मंगला कुंवर पर्यवेक्षक, पुरुषोत्तम जाधव एवं देव कुंवर प्रधान आरक्षक, रवि जाटव आरक्षक थाना महिदपुर की संयुक्त टीम विवाह स्थल ग्राम सेमलिया तहसील महिदपुर जिला उज्जैन पर पहुंची एवं संयुक्त दल द्वारा घटनास्थल का दौरा कर उपस्थित जनों व परिजनों से पूछताछ की गई। परिजनों द्वारा बताया गया की बेटी की शादी 3 मई को होना है।

टीम द्वारा उक्त बालिका के परिजनों से बालिका के उम्र संबंधी प्रमाणीकरण दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया। इसके पश्चात बालिका के परिजनों द्वारा बालिका के उम्र के संबंध में मां गायत्री शिशु मंदिर माध्यमिक विद्यालय जिला रतलाम की अंकसूची प्रस्तुत की गयी। इसमें दर्ज जन्म तिथि 02.03.2006 के आधार पर लड़की नाबालिग पाई गई | टीम द्वारा बालिका के परिजनों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रावधानों की जानकारी दी गई एवं अधिनियम के तहत परिजनों एवं सम्मिलित लोगों के विरुद्ध अधिनियम की धारा 10 एवं 11 के तहत 2 वर्ष का कारावास एवं 1 लाख रूपए के जुर्माने से दण्डित किए जाने का प्रावधान बताया गया, जिसके पश्चात परिजनों द्वारा स्वयं स्वीकार किया गया कि बालिका की उम्र 18 वर्ष से कम है। बालिका के परिजनों द्वारा बालिका का विवाह निरस्त करते हुए बालिका का विवाह बालिग होने के पश्चात ही विवाह किये जाने की लिखित में स्वीकृति दी गई।

# इंदौर में फिर लव जिहाद, इस्लाम नहीं कुबूला तो दुष्कर्म कर भागा फैजान...

खजराना पुलिस थाने में लव जिहाद का मामला सामने आया है। आरोपित ने कोचिंग क्लास में युवती से दोस्ती की फिर शादी का झांसा देकर उससे शारीरिक संबंध बना लिए। बाद में वह उस पर इस्लाम धर्म स्वीकारने के लिए दबाव बनाने लगा। युवती ने मतांतरण से इनकार किया तो आरोपित मारपीट करने लगा। उसने धमकी भी दी कि इस्लाम नहीं स्वीकारा तो तेरी, तेरे भाई और मां की हत्या कर दूंगा। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ दुष्कर्म और मप्र धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है।

आरोपित का नाम मोहम्मद फैजान खान पुत्र फरीद खान निवासी हारुन कालोनी खजराना है। नंदानगर निवासी युवती ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उसका कहना है कि करीब चार वर्ष पहले मेरी मो.फैजान खान से कोचिंग में पहचान हुई थी। उसने मुझसे दोस्ती की फिर बहला-फुसलाकर मुझे घर बदलने को मजबूर कर दिया। जब मैं अकेले रहने लगी तो फैजान ने मुझे शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। युवती ने बताया कि कुछ दिन बाद फैजान मुझ पर इस्लाम स्वीकारने के लिए दबाव बनाने लगा। 18 मई को उसने कहा कि तू इसी वक्त बता कि इस्लाम स्वीकार रही है या नहीं। जब मैंने इनकार किया तो आरोपित ने मेरे साथ मारपीट की और धमकी दी कि इस्लाम कुबूल नहीं किया तो तुझे जान से मार दूंगा। उसने मुझे, मेरे भाई और मां की हत्या करने की धमकी भी दी। पुलिस ने फैजान के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

लसूड़िया क्षेत्र में शहादत मंसूरी ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता के पिता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिग बेटी रात के वक्त कहीं चली गई है। आशंका है कि कोई उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। शुक्रवार को पुलिस आरोपित तक पहुंची। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपित उसे बहला-फुसलाकर ले गया और उसके साथ जबरदस्ती संबंध बनाए। इसके बाद पुलिस ने आरोपित को नामजद करते हुए प्रकरण में दुष्कर्म की धारा बढ़ा दी।

परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में हाई प्रोफाइल दुष्कर्म का मामला सामने आया है। विधि सलाहकार महिला ने आरोपित मुकेश सिंह उर्फ आशीष सिंह उर्फ अविनाश सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। उसका कहना है कि आरोपित से उसकी दोस्ती इंटरनेट मीडिया के माध्यम से हुई थी। बाद में उसने उससे संबंध बनाए और फरार हो गया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपित खुद को इलाहाबाद का रहने वाला बताता था, लेकिन उसे आशंका है कि वह झारखंड का निवासी था।

## पिस्टल अड़ाकर बिल्डर से हस्ताक्षर करवाए

इंदौर के एक गैंगस्टर की गुंडागर्दी का मामला सामने आया है। पलासिया थाना पुलिस ने उसके खिलाफ केस दर्ज किया है। उस पर बिल्डर ने धमकाने का आरोप लगाया है। गैंगस्टर ने बिल्डर को पिस्टल अड़ाकर प्रापर्टी के दस्तावेजों पर साइन करवा लिए। पलासिया थाना पुलिस के मुताबिक, 59 वर्षीय बिल्डर अनिल शांतिप्रिय दोशी की शिकायत पर आरोपित गैंगस्टर हेमंत यादव औ उसके चार साथियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। दोशी शहर के बड़े बिल्डर हैं। उन्होंने लिखित शिकायत दर्ज करवाई थी। दोशी ने कहा कि 27 मई को हेमंत ने वाट्सएप कॉल कर बात की और कहा कि वह मिलना चाहता है।

**साइन करने से मना किया तो अड़ा दी पिस्टल :** दोशी ने उसे मालवा टावर ओल्ड पलासिया स्थित आफिस बुलाया। दस मिनट बाद आरोपित चार साथियों के साथ आया और कहा कि दतौदा वाली जमीन के दस्तावेजों पर साइन कर दो। दोशी ने मना किया तो उसके साथियों ने पिस्टल अड़ा दी और गोली मारने की धमकी देकर साइन करवा लिए।

**कई थानों में दर्ज हैं केसः** गैंगस्टर हेमंत यादव पर परदेशीपुरा, कनाड़िया, लसूड़िया, एमआईजी, छोटी ग्वालटोली, हीरानगर, विजय नगर पुलिस थाना सहित इंदौर के अन्य थानों में केस दर्ज हैं। उस पर गुंडागर्दी, जमीन हथियाने, मारपीट सहित अन्य प्रकरण दर्ज हैं।

## नाबालिग बहनों से दुष्कर्म, माता-पिता सहित बनाया बंधक...

नाबालिग बहनों के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। भंवरकुआं पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। आरोपितों ने पीड़िताओं के माता-पिता को भी बंधक बना लिया था। पुलिस आरोपितों के स्वजन से पूछताछ कर रही है। भंवरकुआं टीआइ शशिकांत चौरसिया के मुताबिक, घटना त्रिवेणी नगर चितावद की है। दो नाबालिग बहनें रिश्तेदार के घर पर रहती थी। इस दौरान आरोपित कृष्णा बनोधा दोनों बहनों के साथ दुष्कर्म करने लगा। यह बात कालोनी में रहने वाले ऋतिक पप्पूलाल को पता चली तो उसने भी ब्लैकमेल कर संबंध बनाए। कुछ समय पूर्व दोनों बहनों ने माता-पिता को घटना बताई तो इसका विरोध हुआ। रिपोर्ट करने की धमकी दी तो आरोपितों ने दोनों बहनों और उनके माता-पिता को बंधक बना लिया। शुक्रवार को अफसरों तक जानकारी पहुंची और दोनों आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज किया गया।

महिला अपराधों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। एक अन्य 15 वर्षीय किशोरी भी दुष्कर्म का शिकार हुई है। पुलिस ने उसके कथन के आधार पर भी एफआइआर दर्ज कर ली है। यह मामला आजाद नगर थाना क्षेत्र स्थित इंदिरा एकता नगर का है। टीआइ इंद्रेश त्रिपाठी के मुताबिक,

किशोरी मूलतः महाराष्ट्र की रहने वाली है। वह मौसी के पास ही रहती थी। इस दौरान लखन निवासी जलगांव (महाराष्ट्र) ने जबरदस्ती उसके साथ संबंध बना लिए। मामले में पुलिस ने शुक्रवार को केस दर्ज कर लिया। टीआइ के मुताबिक, पीड़िता के कोर्ट के समक्ष कथन दर्ज करवाए जाएंगे।

**जीडीसी के सामने अश्लील हरकत :** जूनी इंदौर पुलिस ने भी 20 वर्षीय युवती की शिकायत पर एक कार सवार के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोप है कि जीडीसी कालेज के सामने शुक्रवार सुबह कार में बैठाया और अश्लील हरकतें की। देर रात मामला थाने पहुंचा और केस दर्ज किया गया।

# 2024 : मध्यप्रदेश-राजस्थान समेत 5 राज्य तय करेंगे दिल्ली का रास्ता

अगले आम चुनाव से पहले 2023 भी पूरी तरह से चुनावी रंग का साल है। चुनावी समर की शुरुआत फरवरी महीने में नॉर्थ-ईस्ट के तीन राज्यों त्रिपुरा, मेघालय और नागालैंड के साथ हुई। अब कर्नाटक विधानसभा चुनाव भी संपन्न हो गया है। इन चार राज्यों के चुनाव में बीजेपी, कांग्रेस समेत अन्य राजनीतिक दलों ने अपना चुनावी हिसाब-किताब परख लिया है।

इन दलों की अगली परीक्षा नवंबर-दिसंबर में संभावित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव (Assembly Elections 2023) होंगे। इन्हें 2024 लोकसभा चुनाव के लिहाज से सेमीफाइनल भी कहा जा सकता है। कर्नाटक के लिए प्रचार खत्म होते ही कांग्रेस ने 8 मई को ही तेलंगाना में रैली की। अगले महीने मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में चुनावी अभियान शुरू किया जाएगा। राहुल गांधी 9 मई को राजस्थान पहुंच गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 मई को राजस्थान का दौरा किया।

## जनता के मूड की झलक मिलेगी

2024 के आम चुनाव से पहले बीजेपी और विपक्ष के लिए इन पांच राज्यों के चुनाव उनकी चुनावी रणनीतियों की परख तो होंगे ही, साथ ही जनता के मूड की झलक भी देखी जा सकेगी। जानकार यह भी मानते हैं कि विधानसभा और लोकसभा चुनाव को एक ही तराजू में नहीं तोला जा सकता है। विधानसभा चुनाव में स्थानीय मुद्दे अहम होते हैं, वहीं लोकसभा चुनाव में जनता राष्ट्रीय परिदृश्य को देखते हुए वोट देती है। यह तो तय है कि सेमीफाइनल में जो जीतेगा, वह पूरे आत्मविश्वास के साथ आम चुनाव में आएगा। इन चुनावों के नतीजों से पक्ष और विपक्ष की रणनीति पर बहुत असर पड़ेगा।

## किन-किन राज्यों में होने हैं चुनाव

2018 में चुनाव आयोग ने अक्टूबर महीने में मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम के चुनाव का ऐलान किया था। इन राज्यों में अलग-अलग चरणों में 2023 में नवंबर-दिसंबर में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। कांग्रेस-बीजेपी के लिए ये पांच राज्य बहुत ही अहम हैं। जहां मध्य प्रदेश में बीजेपी की सरकार है, वहीं राजस्थान और छतीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार है। दक्षिणी राज्य तेलंगाना का चुनाव भी काफी दिलचस्प रहेगा क्योंकि यहां पर तेलंगाना के CM के चंद्रशेखर राव 2024 से पहले विपक्ष को एक मंच पर लाने की कोशिश में जुटे हैं। तेलंगाना में बीजेपी भी अपनी पूरी ताकत झोंक रही है और कांग्रेस भी अपनी खोई जमीन तलाश रही है। अगर इन राज्यों के चुनाव नतीजे बीजेपी के पक्ष में नहीं जाते तो विपक्ष निश्चित रूप से आक्रामक रूख अपनाएगा। अगर कांग्रेस इन चुनावों में अच्छा करती है तो इसे कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की सफलता से जोड़कर देखा जा सकता है। अभी कई क्षेत्रीय दल कांग्रेस के नेतृत्व को स्वीकार करने में आनाकानी कर रहे हैं।

# एएचओ पर व्यापारी ने लगाया रिश्वत मांगने का आरोप

करोंद क्षेत्र में कचरा जलाने से नर्मदा की पीवीसी पाईप लाइन जलने को लेकर जोन 17 के एएचओ और एक चूड़ी व्यापारी के बीच गुरुवार को विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि करोंद व्यापारी संघ से होता हुआ पुलिस तक पहुंच गया। व्यापारी की मां और दादी ने एएचओ द्वारा दुकान में आकर अभद्रता करने और धमकाने की शिकायत निशातपुरा थाने में दी है। इधर, एएचओ का कहना है कि व्यापारी ने कचरा जलाया था, जिससे नर्मदा लाइन जल गई। उसे समझाइश देने पहुंचे थे, लेकिन वह अभद्रता करने लगा और रिश्वत मांगने का आरोप लगाया, जिससे उन्हें गुस्सा आ गया। करोंद क्षेत्र में बंधन शादी हाल के सामने सड़क किनारे बनाए गए डक्ट में कचरा डालकर आग लगा दी। इसी डक्ट से नर्मदा की वीपीसी पाइप लाइन गुजरी है, जो जल गई। सुबह एएचओ रामरतन लोहिया यहां पहुंचे और व्यापारी से कचरा जलाने और उससे पाइप लाइन जलने पर जुर्माने की बात कही। जबकि व्यापारी ने कचरा जलाने की बात से इंकार कर दिया। उसका कहना था कि मैंने कचरा नहीं जलाया। आप मुझ पर आरोप कैसे लगा सकते हैं। एएचओ का कहना था कि तुम्हारी दुकान के सामने दूसरा कोई कचरा क्यों जलाएगा, कार्रवाई तो होगी। इससे विवाद बढ़ गया। जिस वक्त एएचओ और व्यापारी के बीच तीखी बहस हो रही थी तब उसकी मां की साथ थी। आसपास के लोगों ने मामले को शांत कराया और एएचओ बिना कार्रवाई वहां से चले गए। लेकिन, व्यापारी की मां और दादी ने निशातपुरा थाने पहुंचकर एएचओ द्वारा दुकान पर आकर धमकाने की शिकायत कर दी।

सूत्रों के मुताबिक इस मामले में करोंद व्यापारी संघ भी विवाद में कूद पड़ा। व्यापारी संघ ने एएचओ द्वारा व्यापारी से दुकान पर पहुंचकर अभद्रता करने पर नाराजगी जताई। संघ के लोगों ने भविष्य में किसी व्यापारी से इस तरह से बात न करने की समझाइश दी।

# कट्टरपंथी संगठन से संबंध के आरोप में 16 को गिरफ्तार किया

एक अधिकारी ने कहा कि मप्र एटीएस ने एक जिम ट्रेनर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर और शिक्षक सहित 11 लोगों को गिरफ्तार किया और उनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।

मध्य प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने मंगलवार को कट्टरपंथी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) से जुड़े होने के संदेह में राज्य के दो शहरों से 11 लोगों को तथा तेलंगाना पुलिस ने पांच अन्य लोगों को हैदराबाद से गिरफ्तार किया है। मध्य प्रदेश पुलिस के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। इन गिरफ्तारियों के साथ ही पुलिस अधिकारियों ने कट्टरपंथी संगठन के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने का दावा किया है। एक अधिकारी ने कहा कि मप्र एटीएस ने एक जिम ट्रेनर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर और शिक्षक सहित 11 लोगों को गिरफ्तार किया और उनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।

उन्होंने बताया कि इनमें से 10 को भोपाल के शाहजहानाबाद, ऐशबाग, लालघाटी और पिपलानी इलाके से गिरफ्तार किया गया, जबकि एक को छिंदवाड़ा शहर से पकड़ा गया। उन्होंने कहा कि एटीएस से मिली गुप्त सूचना के आधार पर तेलंगाना पुलिस ने हैदराबाद से पांच लोगों को संगठन से कथित संबंधों के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारी ने कहा कि एचयूटी के गिरफ्तार सदस्यों के पास से राष्ट्र विरोधी दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और कट्टरपंथी साहित्य बरामद किया गया। इस संगठन का नेटवर्क 50 से अधिक देशों में फैला हुआ है। उन्होंने कहा कि इस संगठन को पहले ही 16 देशों में प्रतिबंधित किया जा चुका है। मप्र पुलिस प्रवक्ता ने दावा किया कि संगठन भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था को गिराने और इसे शरिया (इस्लामिक कानून शासन) से बदलने का लक्ष्य बना रहा था। प्रवक्ता ने कहा कि ये संचार के नियमित माध्यमों से बचते हैं और बातचीत के लिए डार्क वेब का इस्तेमाल करते हैं।

# बच्चों को खाना खाते देख जमीन पर बैठे कलेक्टर, थाली लेकर साथ में किया लंच

## IAS का अनोखा अंदाज

यूं तो कई अधिकारी आते हैं और जाते हैं। लेकिन कुछ आईएएस-आईपीएस अधिकारी ऐसे होते हैं जिनकी काम करने की शैली लोगों को पसंद आती है। एक ऐसा ही नजारा राजधानी भोपाल में शनिवार को देखने को मिला। जहां पर कलेक्टर आशीष सिंह का एक सौम्य रूप देखने को मिला। आपको बता दें कि कलेक्टर शनिवार को भोपाल के अलग-अलग आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण करने पहुंचे थे। इसी दौरान वे एक आंगनवाड़ी केंद्र पहुंचे और बच्चों के साथ ही जमीन पर बैठ गए। उन्होंने बच्चों से बात की और खाने के स्वाद के बारे में सवाल भी किया। कलेक्टर ने बच्चों से पूछा कि खाना कैसा लग रहा है, जवाब में बच्चों ने कहा- अच्छा लग रहा है।

दरअसल, पिछले कुछ दिनों को कलेक्टर को शिकायत मिल रही थी कि भोपाल के आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों को गुणवत्ताहीन आहार दिया जा रहा है। इस शिकायत की जांच के लिए कलेक्टर खुद मैदान में उतरे और आंगनवाड़ी केंद्र पहुंच गए। यहां पर कलेक्टर आशीष सिंह ने बच्चों के साथ खाना खाया और गुणवत्ता की जांच की।

### बच्चों से किए कई सवाल

उन्होंने अधिकारियों को तलब करते हुए कहा कि बच्चों के भोजन की गुणवत्ता में किसी भी तरह की कमी नहीं रहनी चाहिए। भोजन करते समय कलेक्टर ने बच्चों से अलग-अलग विषयों पर संवाद भी किया। कलेक्टर के सवालों का जवाब बच्चों ने दिया।

# विस चुनाव : प्रदेश में भी कांग्रेस को मिलेगा बजरंग बली का आर्शीवाद : कमलनाथ

कांग्रेस की मध्यप्रदेश इकाई के अध्यक्ष कमलनाथ ने कर्नाटक चुनाव में भाजपा की करारी हार को लेकर शनिवार को पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस को मध्यप्रदेश में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में भी बजरंगबली का आशीर्वाद मिलेगा। उन्होंने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि दक्षिणी राज्य में उन आठ में से छह सीटों पर भाजपा हार गई जहां भाजपा नेता चौहान ने प्रचार किया था। कमलनाथ में मध्यप्रदेश कांग्रेस पार्टी मुख्यालय में कर्नाटक की जीत का जश्न मनाते पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा, ''चौहान ने कर्नाटक में आठ विधानसभा सीटों पर प्रचार किया था और उनमें से छह पर भाजपा हार गई। मध्यप्रदेश में भी भाजपा को इसी तरह की हार का सामना करना पड़ेगा।'' कमलनाथ ने कहा, ''हमें कर्नाटक के साथ साथ मध्यप्रदेश में भी बजरंगबली का आर्शीवाद प्राप्त होने जा रहा है। मध्यप्रदेश के लोग समझदार हैं।

# अदालत ने अब्बास अंसारी की पत्नी निखत अंसारी को नहीं दी जमानत....

न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की पीठ ने सोमवार को आरोपों की गंभीरता और मामले में निखत की संलिप्तता को देखते हुए यह आदेश पारित किया। उल्लेखनीय है कि इस मामले में सबसे पहले अब्बास अंसारी की पत्नी निखत बानो एवं ड्राइवर नियाज अंसारी को पुलिस एवं प्रशासन ने छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किया था।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के विधायक अब्बास अंसारी की पत्नी निखत बानो की जमानत याचिका सोमवार को खारिज कर दी। निखत बानो को जेल में बंद अपने पति से कथित अवैध मुलाकात के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की पीठ ने सोमवार को आरोपों की गंभीरता और मामले में निखत की संलिप्तता को देखते हुए यह आदेश पारित किया। उल्लेखनीय है कि इस मामले में सबसे पहले अब्बास अंसारी की पत्नी निखत बानो एवं ड्राइवर नियाज अंसारी को पुलिस एवं प्रशासन ने छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किया था। उसके बाद निखत बानो को चित्रकूट जेल के पास मकान की व्यवस्था करवाने एवं बिना पर्ची के मुलाकात करवाने के आरोप में फराज खान को गिरफ्तार किया गया था। इसी के साथ-साथ पुलिस ने आरोपी जेल वार्डन जगमोहन, जेलर संतोष कुमार, जेल अधीक्षक अशोक कुमार सागर व उप जेलर चंद्रकला को गिरफ्तार किया था। इस मामले में अब्बास अंसारी उनकी पत्नी निखत बानो, ड्राइवर नियाज अंसारी, फराज खान एवं नवनीत सचान के विरुद्ध विभिन्न धाराओं एवं आरोपों में आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है।

## बच्चे के लिए ससुराल वाले बहू को मारते थे ताना, दहेज में मांग रहे थे 5 लाख रुपए

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में शादी के बाद बहू को प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। आरोप लगे हैं कि महिला को बच्चा नहीं होने के कारण ससुराल वाले उसे प्रताड़ित करते थे। इतना ही नहीं शादी के बाद भी और दहेज की मांग की जा रही थी। ससुराल वाले दहेज में नगद की डिमांड कर रहे थे। हालांकि नविवाहिता की शिकायत पर पुलिस ने पति सहित सास-ससुर और जेठ-जेठानी के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कर लिया है। शिकायत में बताया गया कि तिल्दा निवासी पति राहुल खूबचंदानी और उसके परिवार के सदस्य महिला को रोजाना प्रताड़ित कर रहे थे। जिससे तंग आकर महिला ने अपने भाई को बुलाया और अपने मायके आ गई। मायके जाने के बाद महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। विवाद को सुलझाने के लिए महिला थाने की ओर से काउंसलिंग के जरिए दोनों पक्षों में सुलह कराई गई, नहीं होने पर सभी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई।

## नीट एक्जाम

# अंडरवियर उतरवाकर हुई चेकिंग, मैदान में बदलने पड़े कपड़े

सोशल मीडिया पर छात्राओं ने आरोप लगाया कि परीक्षा केंद्र में प्रवेश देने से पहले उनकी ब्रा उतरवाई गई। कुछ ने बताया कि उनके कपड़ों के अंदर हाथ डालकर ब्रा की स्ट्रिप चेक की गई। वहीं, कुछ लड़कों को पैंट पहनकर अंदर जाने की अनुमति नहीं मिली तो उन्हें इनरवियर में परीक्षा देनी पड़ी। नीट परीक्षा 2023 एक बार फिर से विवादों में है। पिछले साल परीक्षा के दौरान 'ब्रा कंट्रोवर्सी' सामने आई थी। इस साल भी परीक्षा के दौरान कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला। 7 मई को परीक्षा देने गए छात्र-छात्रों के कपड़े उतरवाने की खबरें सामने आई हैं। इतना ही नहीं उम्मीदवारों को उनके माता-पिता के साथ कपड़े बदलने के लिए भी कहा गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश के दौरान महिलाओं की ब्रा और पेंटी खुलवाकर चेकिंग की गई। वहीं, कुछ लड़कों को पैंट पहनकर अंदर जाने की अनुमति नहीं मिली तो उन्हें इनरवियर में परीक्षा देनी पड़ी।

नीट परीक्षा के दौरान उम्मीदवारों के साथ हुई बदसलूकी की घटना महाराष्ट्र, तमिलनाडु, चंडीगढ़ और पश्चिम बंगाल से सामने आई हैं। सोशल मीडिया पर छात्राओं ने आरोप लगाया कि परीक्षा केंद्र में प्रवेश देने से पहले उनकी ब्रा उतरवाई गई। कुछ ने बताया कि उनके कपड़ों के अंदर हाथ डालकर ब्रा की स्ट्रिप चेक की गई। अन्य छात्राओं ने बताया कि उन्हें जींस पहनकर परीक्षा देने की अनुमति नहीं मिली, जिसकी वजह से उन्हें अपनी माँ की लेगिंग उतरवाकर पहननी पड़ी। बंगाल के एचएमसी सेंटर में परीक्षा देने गए एक छात्र ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अपना अनुभव शेयर किया। छात्र ने लिखा, 'कई उम्मीदवारों को अपनी पैंट बदलने के लिए कहा गया और कई को अपने इनरवियर बदलने या फिर उन्हें खोलकर दिखाने को कहा गया। केंद्र के आसपास कोई दूकान नहीं थी। इसकी वजह से लड़कियों को एक खुले मैदान ने लड़कों के साथ कपड़े बदलने पड़े। लड़कियों के माता-पिता अपने बच्चों को उनकी रक्षा के लिए घेरते नजर आए।'

# पिछली कांग्रेस सरकारों ने गांवों के साथ किया सौतेला व्यवहार : प्रधानमंत्री मोदी

## राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर यहां कई विकास परियोजनाओं का डिजिटल तरीके से उद्घाटन, शिलान्यास करने के बाद एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार ने स्थिति को बदल दिया है और पंचायतों को भरपूर अनुदान दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कांग्रेस की पिछली सरकारों पर आजादी के बाद गांवों के साथ सौतेला व्यवहार करने और उनका भरोसा तोड़ने का आरोप लगाया। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर यहां कई विकास परियोजनाओं का डिजिटल तरीके से उद्घाटन, शिलान्यास करने के बाद एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार ने स्थिति को बदल दिया है और पंचायतों को भरपूर अनुदान दिया है। मोदी ने कहा, ''आजादी के बाद जिस दल ने सबसे ज्यादा समय तक सरकार चलाई, उसने ही गांव के लोगों का भरोसा तोड़ दिया।

गांव में रहने वाले लोगों, सड़कों, भंडार के स्थानों, स्कूलों ,बिजली, अर्थव्यवस्था सभी को कांग्रेस शासन के दौरान सरकारी प्राथमिकता में सबसे नीचे की पायदान पर रखा गया। देश की आधी से ज्यादा आबादी जिन गांवों में रहती है, उन गांवों के साथ इस तरह सौतेला व्यवहार कर देश आगे नहीं बढ़ सकता है। उन्होंने कहा, पहले की सरकारें गांवों के लिए पैसा खर्च करने में हिचकिचाती थीं क्योंकि वे वोट बैंक नहीं थे, इसलिए उनकी उपेक्षा की गई। कई राजनीतिक दल गांव के लोगों को बांट कर अपनी दुकान चला रहे थे। मोदी ने कहा कि भाजपा ने गांवों के साथ हुए इस अन्याय को खत्म किया है और उनके विकास के लिए तिजोरी खोल दी है।

उन्होंने छिंदवाड़ा में विकास की कमी के बारे में बोलते हुए मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रमुख कमलनाथ पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कहा कि दोष कुछ राजनीतिक दलों की सोच में है। गौरतलब है कि कमलनाथ 1980 से छिंदवाड़ा से लोकसभा के सांसद थे जबकि 2019 के आम चुनाव में भाजपा ने प्रदेश की छिंदवाड़ा सीट छोड़कर शेष 28 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की। छिंदवाड़ा लोकसभा सीट पर कमलनाथ के पुत्र नकुल नाथ विजयी हुए। मध्य प्रदेश की राजनीति में सक्रिय रहते हुए कमलनाथ लोकसभा सीट अपने पुत्र के लिए खाली कर वर्तमान में छिंदवाड़ा विधानसभा सीट से विधायक हैं और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर हैं। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रीवा में आयोजित कार्यक्रम से देश भर के 30 लाख से अधिक पंचायत प्रतिनिधि डिजिटल माध्यम से जुड़े हैं। उन्होंने कहा, यह निश्चित रूप से भारत के लोकतंत्र की एक बहुत शक्तिशाली तस्वीर है।

मोदी ने कहा कि 2014 से पहले के 10 वर्षों में, तत्कालीन केंद्र सरकारों की मदद से लगभग 6,000 पंचायत भवनों का निर्माण किया गया था। उन्होंने कहा, लेकिन हमारी सरकार ने आठ साल की भीतर 30 हजार

से अधिक नए पंचायत भवनों का निर्माण कराया है। प्रधानमंत्री ने कहा, 2014 के बाद से हमने अपनी पंचायतों के सशक्तिकरण का बीड़ा उठाया। आज उसके परिणाम नजर आ रहे हैं। आज भारत की ग्राम पंचायतें गांव के विकास की प्राणवायु बनकर उभर रही हैं। उन्होंने पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकारों पर पंचायत व्यवस्था को नजरअंदाज करने का आरोप लगाते हुए कहा, जो व्यवस्था सैकड़ों साल से थी उसी पंचायती राज व्यवस्था पर आजादी के बाद भरोसा ही नहीं किया गया। पूज्य बापू (महात्मा गांधी) कहते थे कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है लेकिन कांग्रेस ने गांधी के विचारों को भी अनसुना कर दिया।'' मोदी ने कहा,90 के दशक में पंचायती राज के नाम पर खानापूर्ति जरूर की गयी लेकिन पंचायतों पर ध्यान नहीं दिया गया, जिसकी जरूरत थी।'' उन्होंने मौजूदा शासन में ग्रामीण क्षेत्रों के डिजिटल विकास का जिक्र करते हुए कहा कि डिजिटल क्रांति के इस दौर में पंचायतों को भी स्मार्ट बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि ई-ग्राम स्वराज-जीईएम (सरकारी ई-मार्केटप्लेस) एकीकृत पोर्टल सोमवार को जारी किया गया है जिससे पंचायतों के माध्यम से होने वाली खरीद की प्रक्रिया सरल एवं पारदर्शी बनेगी। मोदी ने कहा, गांवों में घरों की संपत्ति के कागजात को लेकर बहुत परेशानियां हैं। इस वजह से कई तरह के विवाद और अवैध कब्जे की बातें होती हैं। लेकिन अब, ये सभी चीजें पीएम स्वामित्व योजना के साथ बदल रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह योजना गांवों में संपत्ति के अधिकारों के परिदृश्य को बदल रही है और विवादों और मुकदमों को कम कर रही है।

प्रधानमंत्री ने इस दिशा में किए गए मध्य प्रदेश सरकार के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए बताया कि देश के 75 हजार गांवों में संपत्ति कार्ड का काम पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि देश के गांवों में अब बैंक संचालित हो रहे हैं, फलस्वरूप ग्रामीण इलाकों में खेती किसानी और कारोबार में मदद मिल रही है। मोदी ने कहा, ''हमने जन धन योजना के तहत गांवों में 40 करोड़ से अधिक लोगों के बैंक खाते खोले हैं। हमने 'इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक' के जरिए गांवों तक बैंकों की पहुंच बढ़ाई है।'' उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने 70 से भी कम ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर (सिस्टम) से जोड़ा था।

मोदी ने कहा, लेकिन हमारी सरकार है, जिसने देश की दो लाख से अधिक पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ दिया है।'' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विकसित भारत के लिए देश की हर पंचायत, हर संस्था, हर जनप्रतिनिधि, हर नागरिक को जूझना होगा और यह तभी संभव है जब हर सरकारी सुविधा तेजी से बिना किसी भेदभाव लाभार्थियों तक शत-प्रतिशत पहुंचे। मोदी ने कहा कि भारत में गांवों की आर्थिक व्यवस्था को विकसित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश को विकसित बनाने के लिए पंचायत व्यवस्था को मजबूत करना भी जरूरी है। प्रधानमंत्री ने कहा, इसी सोच के साथ हमारी सरकार देश की पंचायत राज व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है।

## मुख्यमंत्री कन्यादान योजना को लेकर विपक्ष ने किया विरोध...

# ...विवाह से पहले किया जा रहा प्रेग्नेंसी टेस्ट

**मध्यप्रदेश में राज्य सरकार ने लड़कियों की सफलतापूर्वक शादी कराए जाने को लेकर मुख्यमंत्री कन्यादान योजना की शुरुआत की है। इस योजना में सामूहिक विवाह के जरिए शादी कराई जाती है। हालांकि वर्तमान में मध्यप्रदेश में इस योजना को लेकर काफी हंगामा हो रहा है।**

मध्यप्रदेश में इन दिनों हंगामा हो रहा है। मध्य प्रदेश में चल रही मुख्यमंत्री कन्यादान सामूहिक विवाह योजना, जिसका उद्देश्य युवतियों की शादी करवाना है इन दिनों भयंकर विवादों में घिरी हुई है। मध्यप्रदेश में सामूहिक विवाह में शादी करने आई चार युवतियां गर्भवती पाई गई हैं, जिसके बाद कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया। वहीं मामले के सामने आने के बाद काफी हंगामा हुआ है। जिन जोड़ों की शादी नहीं हुई है उन्होंने काफी हंगामा किया। इसी बीच विपक्ष ने भी सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने इस मामले पर गंभीर सवाल उठाए है। दरअसल सामने आया है कि सामूहिक विवाह में शामिल होने से पहले शादी करने आई युवतियों को वर्जिनिटी और प्रेग्नेंसी टेस्ट से होकर गुजरना पड़ा है। वहीं विपक्ष ने सरकार के इस कदम को महिलाओं का अपमान करार दिया है। इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है।

घटना के बाद एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि यह मामला डिंडोरी जिले के गाड़ासरई कस्बे में शनिवार को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत अक्षय तृतीया के मौके पर 219 जोड़ों की शादी से जुड़ा है। वहीं, इस तरह के परीक्षण को गरीब महिलाओं का अपमान बताते हुए कांग्रेस विधायक ओमकार सिंह मरकाम ने कहा, ''राज्य सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि इस तरह के गर्भावस्था परीक्षणों के लिए दिशानिर्देश या नियम क्या हैं। माकपा के राज्य सचिव जसविंदर सिंह ने भोपाल में एक बयान जारी कर कहा, ''मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत डिंडोरी जिले के गाड़ासरई में 219 आदिवासी युवतियों के सामूहिक विवाह से पहले उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाकर उनका गर्भावस्था परीक्षण करवाना भाजपा के आदिवासी और महिला विरोधी आचरण को उजागर करता है। सरकार के इस कदम की चौतरफा निंदा ही नहीं होनी चाहिए बल्कि दोषी अधिकारियों को दंडित करने के साथ ही प्रदेश की भाजपा नीत शिवराज सिंह चौहान सरकार को इसके लिए माफी भी मांगना चाहिए।

## बीमारी जांचने के लिए किया गया टेस्ट

वहीं, प्रशासन का बचाव करते हुए डिंडोरी के जिलाधिकारी विकास मिश्रा ने बताया कि गाड़ासरई में शनिवार को होने वाले सामूहिक विवाह में शामिल होने वाले 219 जोड़ों के लिए मेडिकल परीक्षण के द्वारा आनुवांशिक बीमारी 'सिकलसेल' की जांच कराए जाने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने कहा, सिकलसेल बीमारी की जांच के दौरान चिकित्सकों ने चार युवतियों का गर्भावस्था परीक्षण किया है क्योंकि इन युवतियों ने माहवारी नहीं आने की बात बताई थी।'' मिश्रा ने बताया, ''इसको लेकर प्रशासन स्तर से कोई निर्देश नहीं थे। यह चिकित्सकों पर निर्भर है कि वे सिकलसेल की बीमारी का पता करने के लिए क्या प्रक्रिया और जांच करवाते हैं।उन्होंने कहा, फिलहाल चिकित्सक की रिपोर्ट के बाद ऐसे चार जोड़ों को सामूहिक विवाह में शामिल नहीं किया गया। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत, राज्य सरकार पात्र जोड़ों को वित्तीय सहायता के रूप में 56,000 रुपये प्रदान करती है। इसी बीच, मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने ट्वीट किया, ''डिंडोरी में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत किए जाने वाले सामूहिक विवाह में 200 से अधिक बेटियों का प्रेगनेंसी टेस्ट कराए जाने का समाचार सामने आया है। मैं मुख्यमंत्री से जानना चाहता हूं कि क्या यह समाचार सत्य है। यदि यह समाचार सत्य है तो मध्यप्रदेश की बेटियों का ऐसा घोर अपमान किसके आदेश पर किया गया। क्या मुख्यमंत्री की निगाह में गरीब और आदिवासी समुदाय की बेटियों की कोई मान मर्यादा नहीं है।' उन्होंने आगे लिखा, शिवराज सरकार में मध्यप्रदेश पहले ही महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार के मामले में देश में अव्वल है। मैं मुख्यमंत्री से मांग करता हूं कि पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच कराएं और दोषी व्यक्तियों को कड़ी से कड़ी सजा दें। कमलनाथ ने कहा, यह मामला सिर्फ प्रेगनेंसी टेस्ट का नहीं है, बल्कि समस्त स्त्री जाति के प्रति दुर्भावनापूर्ण दृष्टिकोण का भी है।

# ऐसा लगता है कि गहलोत की नेता सोनिया नहीं, वसुंधरा हैं : पायलट

पायलट ने गहलोत के उन आरोपों का पुरजोर खंडन किया कि 2020 में उनके (गहलोत के) खिलाफ बगावत करने वाले विधायकों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से पैसे लिये थे और उन्हें (विधायकों को) भाजपा नेता अमित शाह को पैसे वापस कर देने चाहिए।

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने राजस्थान के zमंगलवार को कहा कि गहलोत का हालिया भाषण यह दर्शाता है कि उनकी नेता सोनिया गांधी नहीं, बल्कि वसुंधरा राजे हैं। पायलट ने गहलोत के उन आरोपों का पुरजोर खंडन किया कि 2020 में उनके (गहलोत के) खिलाफ बगावत करने वाले विधायकों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से पैसे लिये थे और उन्हें (विधायकों को) भाजपा नेता अमित शाह को पैसे वापस कर देने चाहिए।

इसके साथ ही पायलट ने विधानसभा चुनाव से पहले गहलोत व पार्टी आलाकमान पर दबाव बढ़ाते हुए भ्रष्टाचार के मुद्दे पर 11 मई से अजमेर से जयपुर तक जनसंघर्ष पदयात्रा निकालने की भी घोषणा की। कांग्रेस नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री जिस तरह से आरोप लगा रहे हैं, वह गंभीर राजनीति कदापि नहीं है। राज्य में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। पायलट ने यहां अपने सरकारी निवास पर पत्रकारों से कहा, ''मुख्यमंत्री जी का भाषण परसों धौलपुर में हुआ और इससे एक बात और स्पष्ट हो गई है... उस भाषण को सुनने के बाद मुझे ऐसा लगता है कि माननीय मुख्यमंत्री जी की नेता सोनिया गांधी नहीं हैं, बल्कि उनकी नेता वसुंधरा राजे सिंधिया हैं।'' उन्होंने कहा, ''एक तरफ यह कहा जा रहा है कि हमारी सरकार गिराने का काम भाजपा कर रही थी, वहीं दूसरी तरफ कहा जाता है कि सरकार को बचाने का काम वसुंधरा जी कर रही थीं। इस विरोधाभास को (स्पष्ट रूप से) समझाना चाहिए था। आप (गहलोत) कहना क्या चाह रहे हैं, यह तो स्पष्ट कर देना चाहिए।''

दरअसल गहलोत ने रविवार को धौलपुर में कहा था कि उनकी सरकार 2020 के राजनीतिक संकट से बच गई, क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक कैलाश मेघवाल ने उनकी (गहलोत) सरकार गिराने के षडयंत्र का समर्थन नहीं किया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा था कि उस वक्त जिन विधायकों ने भाजपा से जो पैसे लिये थे, उन्हें ये पैसे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को लौटा देने चाहिए।पायलट ने यह भी कहा कि अपने (कांग्रेस) नेताओं पर आरोप लगाना गलत है।

अपने गुट के विधायक हेमाराम चौधरी व बृजेंद्र ओला का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जिन लोगों पर आरोप लगाये जा रहे हैं वे 30-40 साल से सार्वजनिक जीवन में हैं। चौधरी व ओला इस समय गहलोत सरकार में मंत्री हैं। पायलट ने कहा, ''इन सब लोगों पर इस प्रकार के आरोप लगा देना, मैं समझता हूं कि बहुत गलत है और बहुत निंदनीय है और मैं इन बेबुनियाद व झूठे आरोपों को सिरे से नकारता हूं।'' पायलट की प्रेस कॉन्फ्रेंस उसी दिन हुई जब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने माउंट आबू में पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए एक प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया। वहींमंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास भी मंगलवार को एक तरह से गहलोत के बयान का खंडन करते हुए दिखाई दिए।

खाचरियावास ने बिना किसी का नाम लिए यहां कहा कि सरकार उन 102 विधायकों की वजह से बची जिन्हें कांग्रेस आलाकमान और पार्टी नेता राहुल गांधी व सोनिया गांधी के चेहरे पर भरोसा था। साल 2020 की बगावत का जिक्र करते हुए पायलट ने संवाददाताओं से कहा कि वह खुद और उनके कुछ सहयोगी (विधायक) राज्य के नेतृत्व में बदलाव चाहते थे, इसलिए वे 2020 में दिल्ली गए और पार्टी के सामने अपने विचार रखे, जिसके बाद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने एक समिति बनाई और इस मुद्दे के समाधान के लिए एक रोडमैप तैयार किया।

उल्लेखनीय है कि उस घटनाक्रम के समय पायलट उपमुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष थे। पायलट और 18 अन्य कांग्रेस विधायकों ने जुलाई 2020 में गहलोत के नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह कर दिया था। यह मामला पार्टी आलाकमान के हस्तक्षेप के बाद सुलझा था। इसके बाद पायलट को उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के पद से हटा दिया गया था। पायलट ने कहा, ''उस घटना के बाद हम सभी साथियों ने कांग्रेस को मजबूत व ताकतवर बनाने के लिए जी-जान से कोशिश एवं मेहनत की और ढाई साल का जो कार्यकाल बीता वह इस बात का प्रतीक है। अनुशासन तोड़ने का काम कभी किसी ने नहीं।''

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने वसुंधरा राजे के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया, कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा और 11 मई को दिनभर अनशन भी किया, लेकिन कुछ नहीं हुआ। पायलट ने हालांकि कहा कि वह भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते रहेंगे और 11 मई को अजमेर से जयपुर के बीच जन संघर्ष पदयात्रा निकालेंगे। उन्होंने कहा, ''मैंने भ्रष्टाचार का मुद्दा लगातार उठाया है। पहले भी उठाया था, आज भी उठा रहा हूं और आगे भी उठाता रहूंगा।'' उन्होंने कहा, ''भ्रष्टाचार एवं नौजवानों के हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर मैं जनसंघर्ष पदयात्रा निकालने जा रहा हूं, जो 11 मई को अजमेर से शुरू होगी।

# मुस्लिम आरक्षण मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी न की जाए : न्यायालय

उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक में 4 % मुस्लिम आरक्षण वापस लेने से संबंधित अदालत के विचाराधीन मामले पर राजनीतिक बयानबाजी को लेकर गंभीर आपत्ति जताई। न्यायालय को बताया गया कि गृह मंत्री अमित शाह इस बेहद विवादास्पद मुद्दे पर सार्वजनिक बयान दे रहे थे।

उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक में चार प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण वापस लेने से संबंधित अदालत के विचाराधीन मामले पर राजनीतिक बयानबाजी को लेकर मंगलवार को गंभीर आपत्ति जताई। न्यायालय को बताया गया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस बेहद विवादास्पद मुद्दे पर सार्वजनिक बयान दे रहे थे। विचाराधीन मामले के बारे में राजनीतिक बयानबाजी को "अनुचित" करार देते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि, "कुछ पवित्रता बनाए रखने की आवश्यकता है"।

विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण को वापस लिए जाने और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली लिंगायत व वोक्कालिगा समुदायों के बीच इसका पुनः आवंटन दक्षिणी राज्य में एक प्रमुख मुद्दा बन गया है। न्यायमूर्ति के.एम. जोसफ, न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की एक पीठ ने कहा, "जब मामला अदालत में विचाराधीन है और कर्नाटक मुस्लिम आरक्षण पर अदालत का आदेश है तो इस मुद्दे पर कोई राजनीतिक बयानबाजी नहीं होनी चाहिए। यह उचित नहीं है। कुछ पवित्रता बनाए रखने की जरूरत है।" चार प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण को रद्द किए जाने को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने कहा, "कर्नाटक में हर दिन गृह मंत्री बयान दे रहे हैं कि उन्होंने चार प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण वापस ले लिया है। ऐसे बयान क्यों दिए जाने चाहिए?"

कर्नाटक सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दवे के बयान पर आपत्ति जताते हुए कहा कि उन्हें ऐसी किसी टिप्पणी की जानकारी नहीं है और धर्म आधारित आरक्षण की आलोचना करने वाले गलत नहीं हैं। न्यायमूर्ति जोसफ ने कहा, "सॉलिसिटर जनरल का अदालत में बयान देना कोई समस्या नहीं है लेकिन विचाराधीन मामले पर अदालत के बाहर कुछ कहना उचित नहीं है। 1971 में, पश्चिम बंगाल के एक राजनीतिक नेता को एक राशनिंग आदेश का बचाव करने के वास्ते एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित करने के लिए अवमानना के मामले का सामना करना पड़ा था। राशनिंग का आदेश अदालत के समक्ष लंबित था।" मेहता ने कहा, "हम अदालत की भावना को समझते हैं और सम्मान करते हैं।"

उन्होंने कहा, लेकिन एक वकील के रूप में "मैं कह रहा हूं कि कोई भी धर्म-आधारित आरक्षण असंवैधानिक है"। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने भी आरक्षण के मुद्दे पर अदालत के बाहर दिए जा रहे बयानों पर नाराजगी जताई। अदालत में दलीलों के दौरान उस वक्त तल्खी देखने को मिली जब दवे ने कहा कि हर दिन मुस्लिम आरक्षण वापस लेने का दावा करने वाले बयान गर्व से दिए जा रहे हैं। इस पर आपत्ति जताते हुए मेहता ने अदालत से आग्रह किया कि वह वरिष्ठ वकील को बिना संदर्भ के इस तरह के बयान देने से रोके। उन्होंने कहा, "यह शीर्ष अदालत की पीठ है, इसे मछली बाजार में न तब्दील होने दें। इस अदालत को उन्हें (दवे) ऐसे बयान देने से रोकना होगा। वे (दवे और अन्य) जो कह रहे हैं वह बिना किसी संदर्भ के है। उन्हें यह दिखाने की जरूरत है कि संदर्भ क्या है, सामग्री क्या है और बयानों की अवधि क्या है। उन्हें इस आशय का एक आवेदन दाखिल करने दें, हम अपना जवाब दाखिल करेंगे।"

दवे ने अदालत में कहा कि वह एक अर्जी दाखिल करेंगे और रिकॉर्ड पर लाएंगे कि किस तरह के बयान दिए जा रहे हैं। मेहता ने कहा कि बिना किसी आवेदन के किसी को पता नहीं चलेगा कि उनके (केंद्रीय गृह मंत्री के) हवाले से क्या बयान बताया गया है। नाराज दवे ने न्यायालय से कहा, "कृपया इस बयान को देखें। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण असंवैधानिक था और भाजपा ने इसे हटा दिया। यह अदालत की अवमानना है।" दवे ने जैसे ही ऊंची आवाज में यह कहा तो न्यायमूर्ति जोसेफ ने दवे से कहा कि वे चिल्लाएं नहीं और अदालत में राजनीतिक बयान न दें। पीठ ने कहा, "हम इस अदालत को राजनीतिक मंच नहीं बनने देंगे। हम मामले का इस तरह राजनीतिकरण नहीं होने देंगे। हम इसके पक्षकार नहीं हैं। हम मामले को स्थगित कर देंगे"। इस मौके पर याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश एक वकील ने पीठ को बताया कि भाजपा ने अपने चुनावी घोषणापत्र में कहा है कि अगर वह सत्ता में आती है तो चार फीसदी मुस्लिम आरक्षण खत्म कर देगी।

न्यायालय ने मुस्लिम आरक्षण को खत्म करने के सरकारी आदेश को लागू करने पर रोक लगा दी है। प्रतिवेदन का जवाब देते हुए, मेहता ने कहा कि इस तरह के घोषणापत्र में कुछ भी गलत नहीं है और वास्तव में, प्रत्येक राजनीतिक दल को अपने घोषणापत्र में यह वादा शामिल करना चाहिए कि वे धर्म-आधारित आरक्षण को समाप्त कर देंगे। 'सेंट्रल मुस्लिम एसोसिएशन' की तरफ से पेश अधिवक्ता रवि कुमार वर्मा नेप्रेस को इस तरह के भाषण प्रकाशित करने से रोकने का आदेश देने का अनुरोध किया। इसका विरोध करते हुए मेहता ने कहा कि मीडिया को इस तरह सेंसर नहीं किया जा सकता। तीखी बहस को सुनने के बाद अदालत ने इस मामले की सुनवाई 25 जुलाई तक के लिये स्थगित कर दी।

# छात्रा ने सभी विषयों में शत-प्रतिशत अंक हासिल कर रिकार्ड बनाया...

तमिलनाडु में सोमवार को उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के परिणाम घोषित होने के बाद बढ़ई का काम करने वाले एक व्यक्ति की बेटी ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

जिले के सरकारी संस्थान में पढ़ रही बारहवीं कक्षा की छात्रा नंदिनी ने सभी विषयों में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए और टॉपर बनकर रिकार्ड बना दिया। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि डिंडीगुल जिले की एस नंदिनी ने दुर्लभ उपलब्धि हासिल की है। सरकारी परीक्षा निदेशालय (डीजीई) ने बारहवीं कक्षा के नतीजे घोषित किए। अधिकारी के मुताबिक, नंदिनी के पिताजी बढ़ई का काम करते हैं। नंदिनी, जिले के सरकारी संस्थान में पढ़ रही थी। अधिकारियों ने बताया कि छात्रा ने तमिल, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, वाणिज्य, अकाउंटेंसी और कंप्यूटर एप्लीकेशन में कुल मिलाकर 600 अंक हासिल किए। एक तमिल समाचार चैनल से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह ऑडिटर बनना चाहती हैं। डीजीई द्वारा सोमवार को घोषित परिणामों के अनुसार, तमिलनाडु में कुल आठ लाख छात्र-छात्राओं ने बारहवीं कक्षा की परीक्षा दी थी जिसमें कुल 94.03 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए।

# मानवीय दृष्टिकोण से लागू की गई है पुरानी पेंशन योजना - मुख्यमंत्री अशोक गेहलोत

बिजली कर्मचारियों का प्रतिनिधिमण्डल सोमवार को मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत से मुख्यमंत्री आवास पर मिला। प्रतिनिधिमण्डल सदस्यों ने बिजली कर्मचारियों एवं अधिकारियों को पुरानी पेंशन योजना के दायरे में लाने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्री गहलोत ने कहा कि राजकीय कर्मचारियों के लिए मानवीय दृष्टिकोण से पुरानी पेंशन योजना लागू की गई है। इससे कर्मचारियों में अपने भविष्य के प्रति सुरक्षा की भावना आई है। सेवानिवृत्ति के पश्चात कर्मचारियों का भविष्य शेयर मार्केट एवं म्यूचुअल फण्ड के अधीन नहीं रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि कई विशेषज्ञों द्वारा ओपीएस की आलोचना गलत है। ओपीएस लागू

रहते देश ने सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों के लिए ओपीएस के अतिरिक्त आरजीएचएस, वर्ष में 2 बार डीपीसी, मृतक कार्मिकों के आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति, कोरोनाकाल में ऑन ड्यूटी जान गंवाने वाले 330 कार्मिकों को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता जैसे निर्णय लिए गए हैं।

संविदाकर्मियों के लिए राजस्थान कॉन्ट्रेक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल्स-2022 लागू किए गए हैं। राजस्थान आज 11.04 की आर्थिक विकास दर के साथ देश में दूसरे स्थान पर है। 2030 तक राजस्थान को देश का प्रथम राज्य बनाना सरकार का ध्येय है। ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी ने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रदेश का हर वर्ग लाभान्वित हो रहा है।

# द. अफ्रीका से लाए गए चीते की केएनपी में मौत, 42 दिन में तीसरी मौत

**1947 में वर्तमान छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में भारत में अंतिम चीता की मृत्यु हो गई और 1952 में इस प्रजाति को देश से विलुप्त घोषित कर दिया गया।**

प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) जेएस चौहान ने कहा, '' केएनपी की एक निगरानी टीम ने सुबह दक्षा को घायल अवस्था में पाया। उसे तुरंत आवश्यक दवा और उपचार दिया गया, लेकिन दोपहर 12 बजे के आसपास उसकी मौत हो गई।

दक्षिण अफ्रीका से मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) में लायी गयी मादा चीता दक्षा की मंगलवार को मौत हो गई। दक्षा की मौत के साथ ही केएनपी में अब तक तीन चीतों की मौत हो चुकी है। इससे पहले एक मादा चीता और एक नर चीते की क्रमशः 27 मार्च और 23 मई को मौत हो गई थी। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) जेएस चौहान ने कहा, '' केएनपी की एक निगरानी टीम ने सुबह दक्षा को घायल अवस्था में पाया। उसे तुरंत आवश्यक दवा और उपचार दिया गया, लेकिन दोपहर 12 बजे के आसपास उसकी मौत हो गई।

उन्होंने कहा कि दक्षा को बाड़ा नंबर एक में छोड़ा गया और दो नर चीतों, वायु और अग्नि को बाड़ा-7 में छोड़ा गया। बाद में बाड़ा-एक को बाड़ा-सात से जोड़ने वाले फाटक को एक मई को खोल दिया गया ताकि चीते संबंध बनाकर अपना कुनबा बढ़ा सकें। वन अधिकारी ने कहा कि 30 मई को कूनो में आयोजित एनटीसीए और भारतीय वन्यजीव संस्थान और दक्षिण अफ्रीका के विशेषज्ञों की एक बैठक के दौरान लिए गए निर्णय के अनुसार फाटक खोलने का यह कदम उठाया गया था। चौहान ने कहा कि दोनों नर चीते (अग्नि और वायु) छह मई को बाड़े-7 में दाखिल हुए और ऐसा प्रतीत होता है कि संबंध बनाने के दौरान नर चीते हिंसक हो गए जो सामान्य बात है।

ऐसे समय में निगरानी दल के लिए दखल देना मुश्किल था। इस साल 18 फरवरी को 12 चीते (जिनमें से सात नर और पांच मादा चीते शामिल हैं) को दक्षिण अफ्रीका से केएनपी लाया गया था। इससे पहले भारत में चीतों को पुनः बसाने की योजना के तहत नामीबिया से आठ चीतों (पांच मादा और तीन नर) को यहां लाया गया था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनको 17 सितंबर को बाड़ों में छोड़ा था। सियाया नाम के एक चीते ने हाल ही में चार शावकों को जन्म दिया है। 1947 में वर्तमान छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में भारत में अंतिम चीता की मृत्यु हो गई और 1952 में इस प्रजाति को देश से विलुप्त घोषित कर दिया गया।

## देश को ऐसे विपक्ष की जरूरत है जो सत्तारूढ़ पार्टी से डरे नहीं : स्वामी

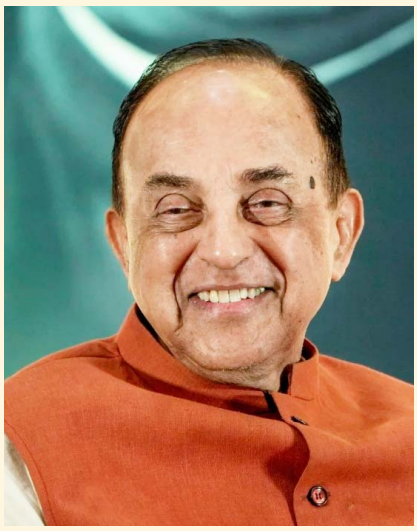

स्वामी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को ऐसा व्यक्ति करार दिया जिसे "ब्लैकमेल" नहीं किया जा सकता और कहा कि बनर्जी को भारत का प्रधानमंत्री होना चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुब्रमण्यम स्वामी ने मंगलवार को कहा कि देश को एक सच्चे विपक्ष की जरूरत है जो सत्तारूढ़ पार्टी से डरे नहीं। स्वामी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को ऐसा व्यक्ति करार दिया जिसे "ब्लैकमेल" नहीं किया जा सकता और कहा कि बनर्जी को भारत का प्रधानमंत्री होना चाहिए। स्वामी ने यहां फिक्की द्वारा आयोजित एक संवाद सत्र में कहा, "मुझे लगता है कि देश को एक वास्तविक विपक्ष की जरूरत है जिसे सत्ता में बैठे लोगों द्वारा ब्लैकमेल नहीं किया जा सके।"

भाजपा नेता ने कहा, "मैं आज बहुत से लोगों को जानता हूं। वे मौजूदा सरकार के खिलाफ एक हद से आगे नहीं बढ़ पाएंगे। क्योंकि उन्हें डर है कि प्रवर्तन निदेशालय या कोई और उनपर शिकंजा कस देगा। यह भारतीय लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है।" स्वामी ने कहा, "ममता बनर्जी को भारत की प्रधानमंत्री होना चाहिए। वह एक साहसी महिला हैं। देखिए कैसे उन्होंने वामपंथियों का मुकाबला किया....।"

यह पूछे जाने पर कि उस बैठक में बनर्जी और उनके बीच क्या बातचीत हुई, इसपर उन्होंने कहा कि इस बात पर चर्चा हुई कि 2024 कैसा होगा और उस समय अर्थव्यवस्था का क्या स्वरूप होगा। टीएमसी प्रमुख का जिक्र करते हुए स्वामी ने कहा कि उन्हें ब्लैकमेल करना असंभव है। आज के समय में देश की सबसे शक्तिशाली महिला के बारे में उनकी राय के बारे में पूछे जाने पर, पूर्व सांसद ने कहा, "एक समय था जब जयललिता हो सकती थीं; एक समय था जब मैं मायावती के बारे में ऐसा सोचता था। फिलहाल ...ममता बनर्जी। वह एकमात्र महिला नेता हैं, जिनके पास खड़े होने की हिम्मत है।

## भारत, बांग्लादेश के गहरे संबंध

# हमारे द्विपक्षीय संबंधों को कोई कमजोर नहीं कर सकता : गृहमंत्री अमित शाह

शाह भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के लिए पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में पेट्रापोल के दौरे पर थे। यह भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि भारत और बांग्लादेश आपस में जुड़ी संस्कृति और के इतिहास के साथ गहरे संबंध साझा करते हैं और कोई भी दोनों देशों के बीच अच्छे द्विपक्षीय संबंधों को कमजोर नहीं कर सकता। शाह भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के लिए पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में पेट्रापोल के दौरे पर थे। यह भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित है।

उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा, ''भारत, बांग्लादेश के साथ गहरे संबंध साझा करता है। हमारी संस्कृति, धर्म, रीति-रिवाज और जीवन शैली हजारों वर्षों से आपस में जुड़ी हुई है। कोई भी बांग्लादेश के साथ हमारे संबंधों को कभी तोड़ नहीं सकता है। भारत ने बांग्लादेश के इतिहास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बीएसएफ ने 1971 के मुक्ति संग्राम में एक प्रमुख भूमिका निभाई है।'' शाह ने पड़ोसियों के साथ संबंधों को मजबूत करने में भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2016-17 में प्राधिकरण के माध्यम से 18,000 करोड़ रुपये का व्यापार अब 30,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है।

उन्होंने पेट्रापोल में प्राधिकरण के दूसरे कार्गो प्रवेशद्वार 'मैत्री द्वार' की आधारशिला रखे जाने से संबंधित एक कार्यक्रम में कहा, ''भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है, बल्कि हमारी सीमाओं पर राष्ट्र के एक राजदूत के रूप में भी कार्य करता है। यह हमारे पड़ोसियों के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में मदद करता है।'' शाह ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने 2014 से सीमा के बुनियादी ढांचे और सम्पर्क में सुधार पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, ''हमारी नीति स्पष्ट है। हम कारोबार और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में मजबूत बुनियादी ढांचा और बेहतर संपर्क चाहते हैं। उन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा में बीएसएफ की भूमिका की सराहना की। शाह ने ट्वीट किया, ''चार संयुक्त चौकियों के उद्घाटन के साथ ही हमारा अजेय बीएसएफ आज और भी मजबूत हो गया है। अन्य परियोजनाओं के साथ दो आवासीय परिसरों और एक अधिकारी मेस का भी उद्घाटन किया गया, जिनकी लागत कुल 108.3 करोड़ रुपये है। बीएसएफ के लिए शाह की प्रशंसा पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को अच्छी नहीं लगी। टीएमसी ने मवेशियों की तस्करी से निपटने में ढिलाई बरतने और सीमा पर रहने वाले लोगों पर ज्यादती करने का बीएसएफ पर बार-बार आरोप लगाया है।

टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा, ''अमित शाह को सबसे पहले मणिपुर का दौरा करना चाहिए था, जो जातीय हिंसा की आग में झुलस रहा है। दूसरी बात, उन्होंने बीएसएफ की प्रशंसा की, (लेकिन) उन्हें पहले जवाब देना चाहिए कि बल की उपस्थिति में सीमा पार मवेशियों की तस्करी क्यों की जा रही है। सीबीआई ने पशु तस्करी में शामिल होने के आरोप में एक बीएसएफ अधिकारी को गिरफ्तार किया था।

टीएमसी नेता की टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने कहा, ''टीएमसी को यह तय नहीं करना चाहिए कि अमित शाह जी को क्या करना चाहिए या क्या नहीं और जहां तक पशु तस्करी घोटाले का मामला है, टीएमसी के वरिष्ठ नेताओं से पूछताछ की गई है और उनकी संलिप्तता के लिए उन्हें गिरफ्तार भी किया गया है।'' सीबीआई ने टीएमसी के बीरभूम जिला अध्यक्ष अनुब्रत मंडल को पिछले साल अगस्त में मवेशी तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया था।

# भारत में आधे से ज्यादा इंटरनेट ग्राहक ऑनलाइन पढ़ते हैं समाचार : रिपोर्ट

भारत में आधे से ज्यादा इंटरनेट उपभोक्ता समाचार पढ़ने और देखने के लिए ऑनलाइन मंचों का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं और इनमें से आधे लोग समाचार के लिए भरोसे को एक अहम कारक मानते हैं। मीडिया कंपनी कांतार और गूगल ने बृहस्पतिवार को संयुक्त रूप से जारी एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया। इस रिपोर्ट के अनुसार, समाचारों को लेकर ग्रामीण क्षेत्र में ज्यादा दिलचस्पी (63 प्रतिशत या 23.8 करोड़) है जबकि शहरी इलाकों में यह सिर्फ 37 प्रतिशत है।

रिपोर्ट कहती है कि भारतीय भाषाओं में 52 प्रतिशत या 37.9 करोड़ इंटरनेट उपभोक्ता विभिन्न समाचार ऐप/ वेबसाइट, सोशल मीडिया पोस्ट, व्हाट्सएप संदेश औरयूट्यूब आदि पर ऑनलाइन समाचार देखते और पढ़ते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 48 प्रतिशत लोगों का मानना है कि ऑनलाइन माध्यम पारंपरिक टीवी चैनलों की तुलना में अधिक लोकप्रिय है। इस रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि भारत में 72.9 करोड़ इंटरनेट उपभोक्ता हैं। कांतार ने डिजिटल माध्यम पर आठ भारतीय भाषाओं में समाचार देखने के बारे में समझ बढ़ाने के लिए 14 राज्यों के 16 शहरों में लगभग 4,600 लोगों से बात की और 64 चर्चा सत्रों का आयोजन किया।

उसने अपने परीक्षण में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के इंटरनेट उपभोक्ताओं को शामिल किया। ऑनलाइन समाचार उपभोक्ताओं के लिए सबसे ज्यादा

पसंदीदा खंड वीडियो रहा, जिसके बाद पढ़ने वाले और उसके बाद सुनने वाले समाचार रहे। वीडियो की मांग सबसे अधिक (81 प्रतिशत) बंगाली सामग्री के लिए, उसके बाद तमिल (81 प्रतिशत) फिर तेलुगु (79 प्रतिशत), हिंदी (75 प्रतिशत), गुजराती (72 प्रतिशत), मलयालम (70 प्रतिशत), मराठी और कन्नड़ (66-66 प्रतिशत) हैं। पढ़े जाने वाले समाचार में सबसे ज्यादा गुजराती और कन्नड़ (20 प्रतिशत) और मराठी (18 प्रतिशत) हैं।

सुनने वाले समाचार में सबसे ज्यादा मांग मराठी और मलयालम (16 प्रतिशत) हैं। ऑनलाइन समाचार जानने के लिए 93 प्रतिशत के साथ सबसे ऊपर यूट्यूब है, जिसके बाद सोशल मीडिया (88 प्रतिशत), चैट ऐप्स (82 प्रतिशत), सर्च इंजन (61 प्रतिशत), समाचार प्रकाशक ऐप्स या वेबसाइट्स (45 प्रतिशत), सुने जाने वाले समाचार (39 प्रतिशत), ओटीटी (ओवर द टॉप) या टीवी (21 प्रतिशत) आदि हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 80 प्रतिशत ऑनलाइन समाचार उपभोक्ताओं को ऐसे समाचार मिलते हैं जो उन्हें संदिग्ध लगते हैं और उनकी प्रामाणिकता जानना मुश्किल होता है।

# TTE के बर्ताव से नाराज उमा, रेल मंत्री से शिकायत, महिला टीटीई निलंबित

भाजपा नेता उमा भारती ने हाल ही में झांसी से भोपाल जाने वाली शताब्दी एक्सप्रेस में ट्रेन टिकट परीक्षकों (टीटीई) के व्यवहार पर आपत्ति जताई है। उन्होंने इसकी शिकायत रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तक पहुंचा दी। इसको लेकर उमा भारती ने कई ट्वीट किए। अपने ट्वीट में भाजपा नेता ने लिखा कि जब से नई दिल्ली-भोपाल शताब्दी ट्रेन शुरू हुई है तब से मैं इस ट्रेन में यात्रा करती हूं। मैं पहले खजुराहो से सांसद थी तब झांसी से बैठती थी फिर भोपाल से सांसद हो गई शताब्दी में खूब बैठी। ऐसा पहली बार हुआ है कि मुझे आज शताब्दी ट्रेन मैं झांसी से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन की यात्रा के दौरान शिकायत करनी पड़ी।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आगे लिखा कि मैं आज झांसी से बैठी तो मेरा डिब्बा पूरा खाली था। मैं थी और मेरे सुरक्षाकर्मी। मेरी देखरेख के लिए आना-जाना कर रहे थे कि अचानक बीना स्टेशन के बाद 4-5 टी.टी. लोगों का झुंड आया और उसी डिब्बे में पीछे आकर बैठा और उनका बर्ताव, यूनिफॉर्म, कार्य स्थली और जिम्मेवारी के अनुरूप नहीं था। मेरी सिक्योरिटी वालों की शिकायत पर ट्रेन सुपरिंटेंडेंट ने स्थितियों को नियंत्रित किया। मेरे सुरक्षाकर्मियों ने इस संबंध में रेलवे से शिकायत की है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमारी भोपाल-झांसी-नई दिल्ली की शताब्दी ट्रेन

की छवि बहुत अच्छी है आज का कृत्य देखकर मुझे उस छवि की चिंता है। उमा भारती के ट्वीट के बाद रेल मंत्रालय ने तुरंत भोपाल डीआरएम को इस मामले को देखने को कहा।

भोपाल डीआरएम ने कहा कि हुई असुविधा के लिए खेद है। मामला संबंधित को भेज दिया गया है। झांसी मंडल को मामला देखने को कहा गया। इसके बाद संबंधित कर्मचारी को सस्पेंड कर दिया गया। कार्यवाई के बाद उमा भारती ने आज एक और ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि कल की शताब्दी में हुई घटना पर जिसमें रेलवे ने तुरंत कार्रवाई की उसके लिए झांसी रेल मंडल एवं भारतीय रेलवे का अभिनंदन। यह आगे के लिए भी एक आदर्श उदाहरण बनेगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यवाही से भारतीय रेलवे की उज्जवल छवि बरकरार रहेगी।

## राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2023 एवं ऑर्गेनिक फ़ूड फ़ेस्टिवल सम्पन्न

# जयपुरवासियों ने खरीदे 2 करोड़ 10 लाख के मसाले एवं उत्पाद

जवाहर कला केन्द्र परिसर में आयोजित दस दिवसीय राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2023 व तीन दिवसीय ऑर्गेनिक फ़ूड फेस्टिवल में जयपुरवासियों ने 2.10 करोड़ रुपये से अधिक के मसालों की खरीद की। 28 अप्रेल से प्रारम्भ हुए मेले का रविवार, 07 मई को समापन हो गया। समापन समारोह में सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार श्री मेघराज सिंह रतनू ने श्रेष्ठ स्टॉलों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह मेला सहकारी समितियों के व्यवसाय में वृद्धि करने के अच्छे प्रयास का एक बेहतर प्लेटफॉर्म प्रदान करता है। रजिस्ट्रार श्री रतनू ने बताया कि सहकार मसाला मेले का वास्तविक लाभ किसानों और आम उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए सहकारी संस्थाओं के विशेष उत्पाद सहकारिता के भण्डारों पर उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आमजन को कॉनफैड के माध्यम से पहली बार जैविक कुकीज़ उपलब्ध कराने की शुरूआत की गई है।

### बिक्री में ये संस्थाएं रही अव्वल

उन्होंने बताया कि सहकार मसाला मेले में सर्वाधिक बिक्री के लिए अन्य प्रदेशों में केरल स्टेट कोऑपरेटिव मार्केटिंग फैडरेशन, शीर्ष संस्थाओं में प्रथम कॉनफैड व द्वितीय स्थान पर तिलम संघ रहा। क्रय-विक्रय सहकारी समितियों में प्रथम मथानिया, दूसरा नागौर एवं तीसरा स्थान किशनगढ़ का रहा। इसी तरह से जिला उपभोक्ता भण्डारों की श्रेणी में कोटा, उदयपुर व जोधपुर क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

### वन स्टॉप के रूप में विकसित होंगी संस्थाएं

रजिस्ट्रार ने कहा कि प्रदेश में सहकारिता सीधे रूप में 3 करोड़ से अधिक लोगों से जुडी हुई है और यह उनकी मुस्कराहट का एक कारण है। उन्होंने कहा कि हम सहकारी संस्थाओं को आमजन की आवश्यकताओं के अनुसार तैयार करेंगे और उन्हें वन स्टॉप के रूप में विकसित कर एक ही छत के नीचे गुणवत्तापूर्ण उत्पाद एवं सेवायें उचित मूल्य पर उपलब्ध कराएंगे। श्री रतनू ने बताया कि सहकार मेलों के माध्यम से आम आदमी तक सहकारी उत्पादों की पहुंच होने लगी है और इससे सहकारिता की विश्वसनीयता बढ़ी है, उपभोक्ताओं को फायदा होता है और सहकारी संस्थाओं के कारोबार में बढ़ोतरी होती है। उन्होंने राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला की सफलता के लिए जयपुरवासियों, मीडिया एवं इससे जुड़े अधिकारियों व कार्मिकों को बधाई दी। रजिस्ट्रार ने बताया कि सहकार मसाला मेले को जयपुरवासियों के प्रेम और रेस्पांस से सहकारी संस्थाओं मे नया उत्साह आया है। उन्होंने बताया कि सहकार मेले से सहकारी संस्थाओं में व्यावसायिक समझ पैदा हुई है।

### विभिन्न श्रेणियों में मिले पुरस्कार

उन्होंने बताया कि 28 अप्रेल से आयोजित सहकार मेले में कारोबार एवं डिसप्ले की दृष्टि से समितियों को पुरस्कृत किया गया है। सर्वश्रेष्ठ डिसप्ले के आधार पर राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं में इफको, कृभको तथा शीर्ष सहकारी संस्थाओं में राजफैड, कॉनफैड, तिलम संघ, जयपुर डेयरी एवं अपैक्स बैंक को सम्मानित किया गया। राज्य विशेष के विशिष्ट उत्पादों एवं मसालों की बिक्री एवं प्रदर्शन हेतु मार्केफैड केरल, पंजाब, टैनफैड तमिलनाडु की सहकारी संस्थाओं को सम्मानित किया गया।

## अपने विरोधियों पर ऐसे बरसी पूर्व सीएम वसुंधरा राजे

# एक महिला पर कितने निशाने साधोगे

एक ओर जहां सचिन पायलट जबरदस्त तरीके से वसुंधरा राजे पर हमलावर हैं तो वही अशोक गहलोत भी राजे पर निशाना साधने का मौका नहीं छोड़ते। आरएलपी के संयोजक हनुमान बेनीवाल भी लगातार वसुंधरा राजे पर निशाना साधते रहते हैं।

भाजपा नेता वसुंधरा राजे ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर पीएम मोदी पर उनकी टिप्पणी को लेकर निशाना साधा और कहा कि हार के डर से गहलोत राहुल गांधी की नजर में आने के लिए इस तरह के बयान दे रहे हैं। दरअसल, गहलोत ने रविवार को धौलपुर में एक कार्यक्रम में दावा किया था कि वह 2020 में कांग्रेस के कुछ विधायकों की बगावत से बच गए क्योंकि भाजपा नेता वसुंधरा राजे व कैलाश मेघवाल ने धन बल के माध्यम से एक चुनी हुई सरकार को गिराने के षडयंत्र का समर्थन करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद राजस्थान की राजनीति में हलचल बढ़ गई। वसुंधरा राजे ने तो साफ तौर पर कहा है कि गहलोत को 2003 से लेकर अब तक कभी भी बहुमत नहीं मिला है इसलिए वह उन्हें अपना सबसे बड़ा शत्रु और राह का कांटा मानते हैं।

इसके अलावा वसुंधरा राजे ने यह भी कह दिया कि मैं फिलहाल सबके टारगेट पर इसलिए हूं क्योंकि चुनाव आ गए हैं। साथ ही साथ उन्होंने यह कहा कि एक महिला पर कितने निशाने साधोगे। एक ओर जहां सचिन पायलट जबरदस्त तरीके से वसुंधरा राजे पर हमलावर हैं तो वही अशोक गहलोत भी राजे पर निशाना साधने का मौका

नहीं छोड़ते। आरएलपी के संयोजक हनुमान बेनीवाल भी लगातार वसुंधरा राजे पर निशाना साधते रहते हैं। इसी को लेकर वसुंधरा राजे ने साफ तौर पर कहा कि हमारी संस्कृति में नारी की पूजा की जाती है। लेकिन वर्तमान में जहां देखो उधर ही कीचड़ उछालने की प्रतिस्पर्धा चल रही है। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि ना हम कभी डरे हैं, ना हम करेंगे। ना हम पीछे हटे हैं, ना कभी हटेंगे।

राजे ने नागौर में गहलोत पर हमला करते हुए कहा कि उनकी तारीफ में मेरे लिए सद्भावना नहीं, दुर्भावना है, जैसे मुंह में राम बगल में छुरी। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने सोच समझ कर मुझे नुकसान पहुंचाने के लिए ऐसा बोला है। वरना वे तो 20 साल से मेरे खिलाफ अमर्यादित और आपत्तिजनक बोलते आ रहें हैं, जिसे भूली नहीं हूँ मैं। भाजपा नेता ने कहा कि राजनीति में दो किस्म के लोग हैं। एक कर्मवीर, दूसरा बयानवीर। बयानवीर बयान देने और कर्मवीर काम करने में माहिर होते हैं। बयान वीर कांग्रेस में खूब है, भाजपा में नहीं। गहलोत के साथ-साथ सचिन पायलट पर नशिाना साधते हुए राजे ने कहा कि एक बड़े बयान वीर धौलपुर से बोले, तो छोटे बयान वीर आज बृहस्पतिवार को अजमेर से। कोई नागौर से बोलता है। चुनाव जो आ गये हैं। ऐसे में सब का टारगेट मैं। मक़सद मुझे कैसे हानि पहुंचे बस।

# भैंस का भी होगा नि:शुल्क बीमा, आकस्मिक मौत पर मिलेगा पशुपालकों को मुआवजा

भारत देश कृषि प्रधान देश कहा जाता रहा है। जहां कृषि की बात आए तो वहां पशुपालन भी इसमें निहित है। धरतीपुत्रों की हाथ खर्ची यानि (मिनी बैंक) पशुपालन ही है। इससे उन्हें दूध, दही, खाद सहित अन्य लाभ प्राप्त होते हैं, वहीं आजीविका का मुख्य सहारा होते हैं। इनके खंड-बंड होने से उन्हें काफी क्षति होती है। इसी की क्षतिपूर्ति के लिए अब सरकारें भी ध्यान देने लगी है। इसी कड़ी में अब गाय के बाद भैंस का बीमा भी निःशुल्क होगा। जिसकी आकस्मिक मौत पर करीब 40 हजार रुपए मुआवजे के रूप में मिलेंगे। भारत देश कृषि प्रधान देश कहा जाता रहा है। जहां कृषि की बात आए तो वहां पशुपालन भी इसमें निहित है। धरतीपुत्रों की हाथ खर्ची यानि (मिनी बैंक) पशुपालन ही है। इससे उन्हें दूध, दही, खाद सहित अन्य लाभ प्राप्त होते हैं, वहीं आजीविका का मुख्य सहारा होते हैं। इनके खंड-बंड होने से उन्हें काफी क्षति होती है। इसी की क्षतिपूर्ति के लिए अब सरकारें भी ध्यान देने लगी है। इसी कड़ी में अब गाय के बाद भैंस का बीमा भी निःशुल्क होगा। जिसकी आकस्मिक मौत पर करीब 40 हजार रुपए मुआवजे के रूप में मिलेंगे।

फिलहाल कामधेनु बीमा योजना में एक पशुपालक की अधिकतम दो गायों का बीमा निःशुल्क किया जा रहा है। पहले इस योजना में भैस शामिल नहीं थी। अब संभवत इसी माह से भैंस का बीमा निःशुल्क होगा। इससे पहले जिन पशुपालकों की वार्षिक आय आठ लाख रुपए है, उनकी दो गायों का बीमा निःशुल्क किया जा रहा है। वही आठ लाख रुपए से ऊपर आय वाले को दो सौ रुपए का प्रीमियम भरना पड़ेगा।

किसानों का खेती के बाद सबसे बड़ा सहारा पशुपालन है। भैंस की अचानक मौत होने पर पशुपालक को काफी आर्थिक नुकसान होता है। उसकी आय का जरिया भी बंद हो जाता है। अब बीमा होने के बाद पशुपालक को राहत मिलेगी। एक पशुपालक दो गाय या दो भैंस का बीमा करवा सकता है।

# 119 वर्ष पुराने इंदौर के गांधी हाल को निजी हाथों में सौंपेगा निगम

119 वर्ष पुराने गांधी हाल को नगर निगम निजी हाथों में सौंपने जा रहा रहा है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इंदौर की इस विरासत का रखरखाव और प्रबंधन देखने वाली कंपनी नगर निगम को 50 लाख रुपये सालाना चुकाएगी। इसके बदले में कंपनी को गांधी हाल और इसके परिसर को किराए पर देने का अधिकार होगा। कंपनी के पास ही गांधी हाल और परिसर की सफाई व्यवस्था, पुस्तकालय के रखरखाव की जिम्मेदारी भी रहेगी। कंपनी परिसर में एक रेस्त्रां भी संचालित कर सकेगी। हालांकि अंतिम मुहर लगने के पहले ही निगम की इस योजना का राजनीतिक विरोध शुरू हो गया है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों इस फैसले के विरोध में आंदोलन की तैयारी में हैं।

गांधी हाल को लीज पर सौंपने के लिए स्मार्ट सिटी कंपनी ने टेंडर बुलाए थे। उज्जैन की एक निजी कंपनी ने इसमें रुचि दिखाते हुए निगम को 50 लाख रुपये सालाना किराया देने का प्रस्ताव दिया है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि गांधी हाल को लोग पहले आयोजन के लिए निगम से किराए पर लेते रहे हैं। व्यवस्था निजी हाथों में सौंपने के बाद इसमें कोई बदलाव नहीं आएगा। निजी कंपनी वर्तमान किराये में बदलाव नहीं करेगी। गांधी हाल और परिसर का रखरखाव और प्रबंधन निजी कंपनी की जिम्मेदारी हो जाएगी। कंपनी द्वारा परिसर में रेस्त्रां संचालित करने से आमजन को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

गांधी हाल इंदौर की ऐतिहासिक इमारत है। इसे टाउन हाल या घंटाघर के नाम से भी जाना जाता है। इसका निर्माण वर्ष 1904 में करीब ढाई लाख रुपये की लागत से हुआ था। उस वक्त इस इमारत का नाम किंग एडवर्ड हाल था। इस इमारत का उद्घाटन नवंबर वर्ष 1905 में प्रिंस आफ वेल्स (जार्ज पंचम) के भारत आगमन पर हुआ था। वर्ष 1947 में स्वतंत्रता के बाद इस इमारत का नाम गांधी हाल कर दिया गया। भवन के ऊपर राजपुताना शैली के घटक गुंबद और मीनारें हैं। इमारत सफेद सिवनी और पाटन के पत्थरों से इंडो-गोथिक शैली में बनी है। आंतरिक सजावट प्लास्टर आफ पेरिस से की गई है। इसके फर्श को काले और सफेद संगमरमर से सुसज्जित किया गया है। इसमें बीच की मीनार आयताकार बनी है।

# अभिनेत्री प्रीति शुक्ला ने दुबई में किया देश का नाम रोशन

## मिला इस साल का सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री अवॉर्ड

कभी लखनऊ से सिर्फ हजार रुपये लेकर घर से निकली प्रीति शुक्ला अब टेलीविजन और भोजपुरी सिनेमा में खूब नाम कमा रही हैं। दुबई में हुए ग्लोबल इंसपिरेशनल अवाड्र्स में प्रीति को भोजपुरी, टेलीविजन और संगीत उद्योग में बेहतरीन काम के लिए इस साल का सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री पुरस्कार मिला है। वह कहती हैं, 'दुबई जैसे अनजान शहर में अपने प्रशंसकों से मिलना मेरे लिए अब तक का सबसे बढ़िया अनुभव रहा है। इस दौरान मुझे इस बात का भी आभास हुआ कि सोशल मीडिया किसी कलाकार की पहुंच कैसे दुनिया भर में पलक झपकते ही कर देता है।'

रसायन शास्त्र (केमिस्ट्री) में एमएससी करने के बाद अभिनय में अपना करियर बनाने प्रीति मुंबई आईं। वह बताती हैं, 'लखनऊ में पढ़ाई के दौरान ही मेरा रुझान अभिनय की तरफ हो गया था। शुरुआत मॉडलिंग से हुई और जब मेरा पहला होर्डिंग लखनऊ में लगा और इसके लिए मेरे पास सैकड़ों बधाई संदेश आए तो मेरे परिचितों ने मेरा हौसला बढ़ाया। इस हौसला अफजाई के बाद ही मैंने मुंबई आने का फैसला किया। मेरी बड़ी बहन ने मुझे मुंबई आने के लिए एक हजार रुपये दिए और मैं ट्रेन का टिकट कटाकर मुंबई आ पहुंची। इस शहर की मैं आभारी हूं कि मुझे यहां आते ही अच्छा काम मिलने लगा।'

पहले ब्रेक के बारे में पूछे जाने पर प्रीति बताती हैं, 'दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले सिद्धार्थ नागर निर्देशित सीरियल 'शिक्षा' में मुझे पहला ब्रेक मिला। इस धारावाहिक में अपने जमाने के तमाम दिग्गज कलाकारों ने काम किया। इसकी शूटिंग के दौरान ही मुझे ये भी समझ आया कि अभिनय खुद को लगातार मांजते रहने का नाम है। मैंने इस दौरान जो भी सीखा, वह मुझे अब भी काम आ रहा है। इसके बाद तो अलग अलग धारावाहिकों में मैंने काफी काम किया। धारावाहिक 'मैडम सर' के लिए तो अब तक बधाई संदेश आते रहते हैं। अब मेरे कदम बड़े परदे की तरफ भी बढ़ चले हैं। भोजपुरी फिल्मों में लगातार काम करने के बाद मेरी पहली हिंदी फिल्म 'एक अंक' भी बनकर तैयार हो चुकी है।'

दुबई में अपने प्रवास के बारे में चर्चा चलने पर प्रीति खासी उत्साहित दिखती हैं। वह बताती हैं, 'दुबई मैं पहले भी जा चुकी हूं लेकिन अक्सर होता यही है कि वहां जाने पर जिस कार्यक्रम के लिए जाते हैं, उसके इतर कहीं कुछ आने जाने का समय नहीं मिलता। इस बार मैं पहले से तय करके गई थी कि मुझे बुर्ज खलीफा जाना है और वहां साड़ी में अपनी फोटो खिंचानी है। मैं वहां साड़ी पहनकर जब घूम रही थी तो लोगों ने मेरी भारतीय परिधानों को लेकर काफी तारीफ भी की और वहां अपने प्रशंसकों से मिलकर भी मुझे काफी अच्छा लगा।'

# पहली बार स्मार्ट फैमेली एप मिलेगी हर जानकारी...

## इन्दौर की संस्कृति और संस्कार....

इंदौर की संस्कृति और संस्कार ही कुछ ऐसे हैं कि यह शहर देश-दुनिया को अनेक मामलों में रोशनी दिखाता आया है। अहिल्याबाई होलकर के शासन में इस नगरी में जल संरक्षण और संस्कारों के पोषण की जो मशाल प्रज्जवलित हुई थी, वह एक बार फिर देश में सामाजिक सरोकार का उजास फैलाने के लिए तैयार है। रविवार को यहां भारतीय जैन संघटना (बीजेएस) की मध्य प्रदेश इकाई ने प्रदेश के छह जिलों को जल संकट से मुक्त करने का संकल्प लिया। साथ ही देश के 14 लाख स्कूलों में संस्कारों के जागरण का बीड़ा भी उठाया। इंदौर में जली सरोकार की यह मशाल देश में मिसाल बनेगी।

भारतीय जैन संघटना (बीजेएस) की मध्य प्रदेश इकाई के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का पदग्रहण समारोह रविवार को अनेक सौगातें लेकर आया। रवींद्र नाट्यगृह के मंच पर हुए इस कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष शांतिलाल मूथा एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र लुंकड़ ने संभवतः देश में पहली बार एक ऐसे 'स्मार्ट फैमेली एप' का शुभारंभ किया, जिसमें जैन परिवार के लिए उन सभी जानकारियों का समावेश किया गया है, जिनके माध्यम से परिवार की संपत्ति से लेकर अचानक बीमार हो जाने, पासपोर्ट एवं ड्राइविंग लाइसेंस की वैधता अवधि, आयकर से संबंधित जानकारियों के साथ ही प्रत्येक परिवार के लिए वित्तीय योजनाओं के बारे में छोटी से छोटी बातों पर मार्गदर्शन दिया गया है। इसके साथ ही घोषणा की गई कि अब हम मध्य प्रदेश के छह जिलों इंदौर, बड़वानी, खंडवा, सागर, उज्जैन और विदिशा को प्रथम चरण में जल संकट से मुक्त करने की दिशा में राज्य सरकार के साथ एमओयू करेंगे तथा दूसरे चरण में 38 अन्य जिलों में भी यह अभियान चलाया जाएगा।

इसके अलावा बच्चों को संस्कारित करने हेतु देश के 14 लाख स्कूलों में संस्कार आधारित पर्यावरण बनाने तथा नई पौध को तैयार करने हेतु पाठ्यक्रम बनाने का संकल्प भी व्यक्त किया। संघटना की प्रदेश इकाई के साथ 28 अन्य चैप्टरों के पदाधिकारियों ने भी इस कार्यक्रम में देश के निर्माण में सहयोग देने की शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा नवकार मंत्र के मंगलाचरण के बीच दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। मंच पर किसी अतिथि के लिए न तो कोई कुर्सी थी और न ही किसी तरह के स्वागत की रस्म अदा की गई।

राज्य इकाई के नए अध्यक्ष राजेश मेहता ने स्वागत भाषण जरूर दिया और कहा कि हम 'स्मार्ट फैमेली एप' के माध्यम से पहले जैन परिवारों को जोड़ेंगे, उसके बाद प्रत्येक भारतीय परिवार तक यह एप पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र लुंकड़ ने कहा कि हमने 2005 से 'स्मार्ट गर्ल प्रोजेक्ट' चलाकर 300 प्रशिक्षकों

# इंदौर में वाहनों की चेकिंग के लिए विशेष अभियान जारी...

इंदौर में कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी के निर्देशन में वाहनों की चेकिंग का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अन्तर्गत आज शहर के विभिन्न स्थानों पर 70 से अधिक वाहनों की चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान बगैर परमिट चलते पाये जाने पर एक यात्री बस को जप्त किया गया। साथ ही अन्य वाहनों के विरूद्ध मोटरयान अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए 21 हजार रूपये का राजस्व वसूल किया गया। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा ने बताया कि क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर एवं संभागीय परिवहन सुरक्षा स्क्वाड इंदौर द्वारा लोक परिवहन वाहनों सहित अन्य वाहनों की विशेष चेकिंग का अभियान चलाया गया। इस दौरान शहर के विभिन्न स्थानों पर 70 से अधिक वाहनों को चेक किया गया। वाहनों के परमिट, फिटनेस, रजिस्ट्रेशन, बीमा, पीयूसी, मोटरयान कर प्रमाण आदि दस्तावेज चेक किये गए। क्षमता से अधिक सवारी, तेज गति से वाहन चलाने, परमिट शर्तो का उल्लंघन, वाहन चलाते समय चालक द्वारा मोबाइल पर बात करने, प्रेशर हॉर्न, आदि की जाँच की गई। बस यात्रियों से वाहन की गति, ड्राइवर कंडेक्टर के व्यवहार, सही तरीके से वाहन चलाने आदि के सम्बंध में फीडबैक भी लिया गया। इस दौरान इंदौर से भोपाल जाने वाली एक बस बिना परमिट पाई गई, जिसे जप्त किया गया। यात्रियों को अन्य वाहनों के द्वारा गंतव्य स्थान पर रवाना किया गया। अन्य वाहनों पर मोटरयान अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही की गई, जिनसे 21 हजार रूपये राजस्व वसूला गया।

## कार के नाम पर धोखाधड़ी

इंदौर में हीरा नगर पुलिस ने कार खरीदने का एग्रीमेंट करने के बाद कार ले जाकर रुपए नहीं देने के मामले में एक व्यक्ति पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। पुलिस अब मामले में आरोपी की तलाश कर रही है। TI दिलीप पुरी के मुताबिक तरूण ढकेता निवासी सीडब्ल्यू सुखलिया ने शिकायत की थी कि अक्षय डेविड निवासी गोल्डन पाम सोसाइटी निरंजनपुर को उन्होंने अपनी कार नंबर MH-04 GD 5765 का सौदा किया था। जिसमें 8 लाख 51 हजार रुपए में सौदा तय हुआ था। इस मामले में 50 हजार का कैश पेमेंट लिया गया था।

# पीएम और हिना रब्बानी खार के बीच की खुफिया बातचीत हुई लीक...

पाकिस्तान इन दिनों अब तक के सबसे बुरे आर्थिक दौर से गुजर रहा है। हालांकि उसने कई देशों और आईएमएफ से कर्ज की मांग है लेकिन उसे वहां से निराशा हाथ लगी है। वहीं अब पाकिस्तान के पीएम और मंत्री का बातचीत का रिकॉर्ड लीक हो गया है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और विदेश राज्यमंत्री हिना रब्बानी खार के अमेरिका के साथ रिश्तों की चर्चा का एक महत्वपूर्ण का रिकॉर्ड लीक हो गया है, चर्चा में चीन के साथ रिश्तों पर भी बात की गई है।

हिना रब्बानी खार का ये सीक्रेट मेमो 'पाकिस्तान के पास मुश्किल विकल्प' टाइटल के साथ है, जिसमें हिना रब्बानी ने पाकिस्तान के नेतृत्व को पश्चिम को खुश करने की कोशिशों को लेकर चेतावनी दी है। कि पाकिस्तान को अमेरिका जैसे देशों को खुश करने से बचना चाहिए। साथ ही हिना रब्बानी खार ने अपने सीक्रेट मेमो में पाकिस्तानी नेतृत्व को सावधान करते हुए कहा है, कि अगर पाकिस्तान, अमेरिका के साथ अपने रिश्ते को सहेजने की कोशिश करता है, तो आखिरकार उसे चीन के साथ अपने संबंधों को त्यागना होगा, जिसके साथ उसके 'वास्तविक रणनीतिक भागीदारी' हैं'।

पाकिस्तान के बड़े नेताओं के ऑडियो लीक पहले भी हुए हैं लेकिन हिना रब्बानी खार का खुफिया मेमो कैसे लीक हुआ और अमेरिका के पास कैसे पहुंचा, इसकी जानकारी अभी तक नहीं मिल पाई है। लेकिन अब

पाकिस्तान में सवाल ये उठ रहे हैं, कि आखिर अमेरिका की जड़ें पाकिस्तानी शासन के अंदर कितनी गहरी हैं, कि वह पाकिस्तान के अत्यंत गोपनीय और संवेदनशील जानकारियां भी आसानी से पा लेता है।

लीक हुए दस्तावेजों में नामित पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ-साथ अन्य देशों के अधिकारियों ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। यह कहानी ऐसे समय में सामने आई है जब वाशिंगटन पहले ही पुष्टि कर चुका है कि उसे मास्को से तेल आयात करने के पाकिस्तान के फैसले पर कोई आपत्ति नहीं है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने एक साप्ताहिक ब्रीफिंग के दौरान कहा कि प्रत्येक देश अपनी ऊर्जा आपूर्ति के संबंध में अपने स्वयं के संप्रभु निर्णय लेगा।

# भारतीय मूल के पूर्व अधिकारी को रिश्वत मामले में जेल

एडीपी परमिट धारक को टैक्सीवे और रनवे को छोड़कर 'एयरसाइड' के किसी भी हिस्से पर चुनिंदा वाहनों को चलाने की अनुमति देता है। 'एयरसाइड' में पासपोर्ट और सीमा शुल्क नियंत्रण जोन को छोड़कर हवाई अड्डा टर्मिनल के बाकी सभी हिस्से आते हैं, जिनमें हैंगर और कार्गो लोडिंग क्षेत्र भी शामिल है।

सिंगापुर के चांगी हवाई अड्डा समूह (सीएजी) के एक पूर्व सहायक अधिकारी को अयोग्य कर्मचारियों को 'एयरसाइड ड्राइविंग परमिट' (एडीपी) जारी करने के एवज में रिश्वत लेने के अपराध में शुक्रवार को तीन साल और दो महीने के कारावास की सजा सुनाई गई। 'द स्ट्रेट टाइम्स' में प्रकाशित खबर से यह जानकारी सामने आई है। एडीपी परमिट धारक को टैक्सीवे और रनवे को छोड़कर 'एयरसाइड' के किसी भी हिस्से पर चुनिंदा वाहनों को चलाने की अनुमति देता है। 'एयरसाइड' में पासपोर्ट और सीमा शुल्क नियंत्रण जोन को छोड़कर हवाई अड्डा टर्मिनल के बाकी सभी हिस्से आते हैं, जिनमें हैंगर और कार्गो लोडिंग क्षेत्र भी शामिल है।

खबर के मुताबिक, प्रेमकुमार जयकुमार (42) छह अक्टूबर 2015 से 25 दिसंबर 2017 तक सीएजी में कार्यरत था। इस दौरान, उसने सीएजी के निदेशक डियॉन्ग याओ के करीबी कर्मचारियों को एडीपी जारी किए, यह जानते हुए भी कि उन्होंने जरूरी लिखित और प्रायोगिक परीक्षा पास नहीं की है। खबर के अनुसार, एडीपी जारी करने के लिए जयकुमार ने याओ सहित अन्य लोगों से 4,400 सिंगापुरी डॉलर की रिश्वत ली। इसमें बताया गया है कि अपराध के समय जयकुमार सिंगापुर रसद समर्थन विभाग में निदेशक के पद पर कार्यरत था।

# जंतर-मंतर से इंडिया गेट तक पहलवानों का कैंडल मार्च...

## बजरंग पूनिया बोले- हम आखिरी सांस तक लड़ाई जारी रखेंगे

बजरंग पुनिया ने कहा कि यह कुछ पति-पत्नियों का विरोध नहीं है, बल्कि यह इस देश के हजारों पहलवानों का विरोध है। बृजभूषण सिंह खुद देखेंगे कि देश भर के कितने पहलवान हमारे साथ जुड़ रहे हैं।

कुछ महिला पहलवानों द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोपी भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पहलवान मंगलवार शाम दिल्ली में कैंडल मार्च निकाल रहे हैं। विरोध से पहले ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पुनिया ने कहा कि सभी देखेंगे कि कितने पहलवान उनका समर्थन कर रहे हैं। आज कैंडल मार्च में कैंडल मार्च को लेकर दिल्ली पुलिस ने जंतर मंतर से इंडिया गेट तक व्यापक इंतजाम किए हैं। बजरंग पुनिया ने कहा कि यह कुछ पति-पत्नियों का विरोध नहीं है, बल्कि यह इस देश के हजारों पहलवानों का विरोध है। बृजभूषण सिंह खुद देखेंगे कि देश भर के कितने पहलवान हमारे साथ जुड़ रहे हैं।

पुनिया की टिप्पणी भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख के बयान को लेकर थी जिसमें उन्होंने दिल्ली के जंतर मंतर पर विरोध कुछ पति-पत्नियों के दिमाग की उपज बताया था। बृजभूषण शरण सिंह द्वारा प्रस्तावित नार्को टेस्ट की शर्त पर प्रतिक्रिया देते हुए बजरंग पुनिया ने कहा कि भारतीय कानून महिला शिकायतकर्ताओं को नार्को टेस्ट देने की अनुमति नहीं देता है, लेकिन अगर और जब सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें टेस्ट कराने के लिए कहा, तो वे करेंगे। उत्तर प्रदेश से बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कुछ महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों से इनकार किया है. उन्होंने एक ट्वीट में कहा, 'अगर फोगट और पुनिया का भी यही टेस्ट किया जाता है तो मैं नार्को टेस्ट, पॉलीग्राफ टेस्ट या लाई डिटेक्टर टेस्ट के लिए तैयार हूं। बता दें कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि पहलवानों को सुरक्षा मुहैया कराई जानी चाहिए। बता दें कि जिन महिला पहलवानों को सुरक्षा मुहैया कराए जाने की बात कही गई है उनमें से एक नाबालिग पहलवान भी है। माना जा रहा है कि दिल्ली पुलिस अब जल्द ही पहलवानों के बयान भी दर्ज करेगी। हालांकि पहलावानों को बयान दर्ज कराने के लिए कब बुलाया जाएगा इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

उल्लेखनीय है कि महिला पहलवानों द्वारा भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों के संबंध में दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को दो प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया था कि महिला पहलवानों की शिकायत पर कनॉट प्लेस थाने में दो प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। उन्होंने कहा था कि पहली प्राथमिकी एक नाबालिग द्वारा लगाए गए आरोपों से संबंधित है, जिसके तहत यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम समेत भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। सिंह पर यौन उत्पीड़न और डराने-धमकाने का आरोप लगाने वाले पहलवानों ने 23 मई से एक बार फिर अपना आंदोलन शुरू किया। इससे पहले, उन्होंने जनवरी में धरना दिया था।

### बृजभूषण ने बताया राजनीति

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने उनके खिलाफ नयी दिल्ली के जंतर-मंतर पर शीर्ष पहलवानों के धरने को राजनीति से प्रेरित बतया। देश के शीर्ष पहलवानों ने डब्ल्यूएफाई प्रमुख बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग करते हुए 23 मई से एक बार फिर जंतर मंतर पर धरना शुरू किया। बृजभूषण पर उन्होंने महिला पहलवानों को धमकाने और यौन उत्पीड़न के आरोप लगाये हैं।

## 500 करोड़ का बैंक घोटाले का मामला

# लोन माफिया लक्ष्य तंवर की 15 करोड़ की संपत्ति कुर्क

500 करोड़ रुपए से अधिक का बैंक घोटाला करने वाले माफिया लक्ष्य तंवर की पुलिस ने शनिवार को 15 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क कर ली। कविनगर थानाक्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र.1 स्थित संपत्ति को कुर्क करने से पूर्व पुलिस ने वहां ढोल-नगाड़े बजवाकर मुनादी कराई और फिर संपत्ति को सील कर दिया। पुलिस का कहना है कि लोन माफिया लक्ष्य तंवर की 20 संपत्तियों को पुलिस अब तक कुर्क कर चुकी है। जिनकी बाजारू कीमत करीब 66 करोड़ रुपए है। माफिया की अन्य संपत्तियों को भी चिन्हित कर जल्द कुर्क किया जाएगा।

एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि 500 करोड़ रुपए से अधिक का बैंक लोन घोटाला करने वाले माफिया लक्ष्य तंवर और उसके 11 साथियों के खिलाफ पुलिस ने नगर कोतवाली में गैंगस्टर का केस रजिस्टर्ड किया था। इनकी चल-अचल व बेनामी संपत्ति चिन्हित की गई थीं। न्यायालय पुलिस आयुक्त अजय कुमार मिश्र की कोर्ट ने 22 मई को आरोपियों की 19 करोड़ कीमत की चिन्हित संपत्तियों को कुर्क करने का फैसला सुनाया था। न्यायालय पुलिस आयुक्त के आदेशानुसार जांच में पाया गया कि लक्ष्य तंवर और उसके गैंग के सदस्यों द्वारा समाज विरोधी क्रिया कलाप कारित करके आर्थिक, भौतिक एवं अन्य लाभ अर्जित करने के लिए तमाम फर्जी कंपनियां खोली गईं। जिनमें कूट रचित दस्तावेज तैयार करके विभिन्न बैंकों के अधिकारियों से मिलकर फर्जी तरीके से लोन लेकर नामी व बेनामी संपत्तियां बनाई गईं। आय के सीमित स्रोत होने के बावजूद इनके पास करोड़ों रुपए की संपत्ति का होना पाया गया।

न्यायालय पुलिस आयुक्त ने अपने आदेश में कहा कि आरोपियों ने जो संपत्ति अवैध रूप से आपराधिक कृत्य कर अर्जित की, उसे उप्र.गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप अधिनियम-1986 की धारा 14(1) के तहत समाजहित एवं न्यायहित में कुर्क किया जाए। इस आदेश पर 25 मई को कौशांबी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लक्ष्य तंवर की वैशाली सेक्टर.1 स्थित 4 करोड़ कीमत की दो बेनामी संपत्तियों को कुर्क किया। जिसके बाद शनिवार को कविनगर पुलिस ने लक्ष्य तंवर की 15 करोड़ कीमत की संपत्ति को कुर्क किया है। एसीपी का कहना है कि पुलिस अब तक लक्ष्य तंवर की 20 संपत्तियों को कुर्क कर चुकी है। जिनकी बाजारू कीमत 66 करोड़ रुपए है। आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा।

# खरगे पर बरसे योगी, कहा- PM का अपमान राष्ट्र का अपमान है...

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इन दिनों कर्नाटक के दौरे पर है। 10 मई को कर्नाटक में मतदान होना है उससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी यहां दौरा करने पहुंचे है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर निशाना साधा है।

इन दिनों कर्नाटक में विधानसभा चुनावों की पूरी तैयारियां हो रही है। चुनाव के लिए पार्टियां लगातार पार्टी के दिग्गज नेताओं के दौरे और जनसभाएं करवा रही है। कर्नाटक में 10 मई को चुनाव होने है, जिसमें अब काफी कम समय शेष बचा है। ऐसे में सभी पार्टियों ने अपनी पूरी ताकत चुनाव प्रचार में झोंकी हुई है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी कर्नाटक के दौरे पर है। यहां उन्होंने कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दिए गए विवादित बयान पर जमकर पलटवार भी किया है। उन्होंने खरगे द्वारा की गई विवादित टिप्पणी की जोरदार आलोचना की है। उन्होंने कहा कि क्या इस उम्र में खरगे को ये शोभा देता है? ये दिखाता है कि कांग्रेस हार रही है और उनके पुत्र की जमानत जब्त हो रही है। प्रधानमंत्री का अपमान राष्ट्र का अपमान होता है। ये भारत का अपमान करते हैं। भारत की 140 करोड़ जनता का अपमान करते हैं। भारत का अपमान करने वाले किसी व्यक्ति को हमें स्वीकार नहीं करना चाहिए। गौरतलब है कि ये बयान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कर्नाटक के कलबुर्गी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए दिया है।

## ये था मामला

बता दें कि 27 मई को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कर्नाटक के कलबुर्गी पहुंचे थे जहां उन्होंने चुनाव प्रचार किया था। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर विवादित बयान दिया था। उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि गलती मत करिए, क्योंकि हमारे प्रधानमत्री जहरीले सांप की तरह है। आपको वो जहरिले नहीं लगते हैं तो उन्हें छूकर देखिए। उन्हें एक बार छूएंगे तो मर जाएँगे। इस बयान का बीजेपी जमकर विरोध कर रही है। वहीं 30 मई को मन की बात के 100वें एपिसोड में बोलते हुए भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि कांग्रेस उन्हें सांप समझती है।

# प्रदेश में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें हल करने में दिखाई लापरवाही तो रुकेगा वेतन

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों का वेतन रोका जाएगा। हाल ही में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा की थी, इनमें शिकायतों के निराकरण में निराशाजनक परिणाम देखने के बाद वे विभाग प्रमुखों पर नाराज हुए थे और इन प्रकरणों को सुलझाने में गंभीरता नहीं बरतने वाले अधिकारियों की वेतनवृद्धि रोकने को कहा था, जिसके बाद लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) ने ऐसे अधिकारियों की सूची मुख्यालय तलब की है और इन अधिकारियों का मई का वेतन रोकने के आदेश दिए हैं।

इसी तरह अन्य विभाग भी ऐसे लापरवाह अधिकारियों को सूची बना रहे हैं। आदेश के बावजूद यदि मई का मासिक वेतन आहरण किया जाता है तो संबंधित कार्यपालन यंत्री/ आहरण संवितरण के विरूद्ध वरिष्ठ कार्यालय के निर्देशों की अवहेलना मानते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सीएम हेल्पलाइन प्रकोष्ठ द्वारा मई की जारी होने वाली मासिक ग्रेडिंग की समीक्षा के बाद ही जिलेवार मासिक ग्रेडिंग की सूची में ए ग्रेड की श्रेणी में शामिल होने के बाद ही वेतन आहरण किया जाएगा।

## समस्याओं के निराकरण में रुचि नहीं ले रहे अधिकारी

सीएम हेल्पलाइन प्रकोष्ठ द्वारा मार्च 2023 की मासिक ग्रेडिंग में 20 मई को जारी कर गई थी। जिसकी ग्रेडिंग -बी श्रेणी रही है और प्रदेश के विभाग को 9वां स्थान प्राप्त हुआ है। पीएचई के प्रमुख अभियंता ने पत्र जारी कर कहा कि इस वजह से विभाग की छवि प्रभावित हुई है। विभाग का मानना है कि अधिकारियों -कर्मचारियों द्वारा आमजन की समस्याओं के निराकरण में रुचि नहीं ली जा रही है और वरिष्ठ कार्यालय के निर्देश का उल्लंघन किया जा रहा है। जिससे विभागों की विगत कई माहों से ग्रेडिंग प्रभावित हो रही है।

## 23 जिलों के अधिकारियों के वेतन भुगतान पर रोका

पीएचई के प्रमुख अभियंता संजय कुमार अंधवान ने 23 जिलों भिंड, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, टीकमगढ़, मुरैना, इंदौर, रतलाम, खरगोन, झाबुआ, धार, बैतूल, भोपाल, रायसेन, विदिशा, नर्मदापुरम, सतना, जबलपुर, सिवनी, मंडला, कटनी, रीवा और छिंदवाड़ा जिले के आहरण संवितरण अधिकारियों को पत्र जारी कर मई का माह का वेतन रोकने को आदेश दिए हैं।

# दुल्हन के बालिग होने के दस्तावेज नहीं पेश कर पाए परिजन

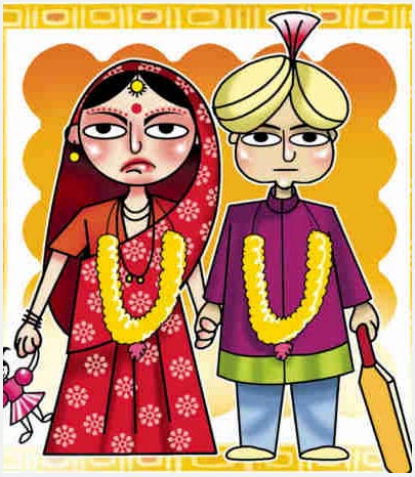

उज्जैन के पास ग्राम सेमलिया तहसील महिदपुर में बाल विवाह की सुचना पर महिला बाल विकास की टीम पहुंची। जानकारी लेने पर सूचना सही निकली। यहां पर एक नाबालिग की शादी की तैयारी चल रही थी, जिसे टीम ने रुकवा दिया है। उज्जैन जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग साबिर अहमद सिद्दीकी ने बताया कि शुक्रवार को महिला एवं बाल विकास विभाग उज्जैन को शिकायत प्राप्त हुई कि ग्राम सेमलिया तहसील महिदपुर जिला उज्जैन में बाल विवाह होने वाला है। इस पर संज्ञान लेते हुए बाल विवाह निरोधक दल को कार्यवाही के निर्देश दिए गए। बाल विवाह निरोधक दल में शामिल बाल विकास परियोजना कार्यालय महिदपुर क्रमांक -01 से मंगला कुंवर पर्यवेक्षक, पुरुषोत्तम जाधव एवं देव कुंवर प्रधान आरक्षक, रवि जाटव आरक्षक थाना महिदपुर की संयुक्त टीम विवाह स्थल ग्राम सेमलिया तहसील महिदपुर जिला उज्जैन पर पहुंची एवं संयुक्त दल द्वारा घटनास्थल का दौरा कर उपस्थित जनों व परिजनों से पूछताछ की गई। परिजनों द्वारा बताया गया की बेटी की शादी 3 मई को होना है।

## दस्तावेज पेश किए, नाबालिग पाई गई दुल्हन

टीम द्वारा उक्त बालिका के परिजनों से बालिका के उम्र संबंधी प्रमाणीकरण दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया। इसके पश्चात बालिका के परिजनों द्वारा बालिका के उम्र के संबंध में मां गायत्री शिशु मंदिर माध्यमिक विद्यालय जिला रतलाम की अंकसूची प्रस्तुत की गयी। इसमें दर्ज जन्म तिथि 02.03.2006 के आधार पर लड़की नाबालिग पाई गई | टीम द्वारा बालिका के परिजनों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रावधानों की जानकारी दी गई एवं अधिनियम के तहत परिजनों एवं सम्मिलित लोगों के विरुद्ध अधिनियम की धारा 10 एवं 11 के तहत 2 वर्ष का कारावास एवं 1 लाख रूपए के जुर्माने से दण्डित किए जाने का प्रावधान बताया गया, जिसके पश्चात परिजनों द्वारा स्वयं स्वीकार किया गया कि बालिका की उम्र 18 वर्ष से कम है।

## शरीर के साथ दिमाग भी रहेगा स्वस्थ

# नवजात बच्चों को जरूर कराएं ये एक्सरसाइज

एक्सरसाइज न सिर्फ बड़ों बल्कि नवजात बच्चों के लिए भी काफी फायदेमंद होती है। नवजात बच्चों को भी कई तरह की एक्सरसाइज करवाई जाती हैं। जो बच्चे के विकास के साथ ही फ्लेक्सिबिलिटी में सुधार लाने का काम कर सकती हैं। शरीर को सेहतमंद बनाए रखने के लिए एक्सरसाइज बहुत जरूरी होती है। इसीलिए हर उम्र के लोगों को किसी ना किसी तरह से फिजिकली एक्टिविटी करते रहने की सलाह दी जाती है। वहीं कुछ एक एक्सरसाइज नवजात शिशु को भी करवाई जाती हैं। बच्चे के विकास में कुछ प्रभावी तकनीकें सहायता और फ्लेक्सिबिलिटी में सुधार लाने का काम कर सकती हैं। नवजात बच्चे को एक्सरसाइज करवाने से बच्चे की हड्डियां, जोड़ और मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इसके साथ ही बच्चे के मोटर स्किल्स को भी मदद मिलती है।

### एक साल से कम उम्र के बच्चे

नेशनल हेल्थ सर्विस के मुताबिक बच्चे को पूरा दिन एक्टिव रखने का प्रयास करना चाहिए। आप बच्चे को हर रोज कई तरीकों से एक्टिव रख सकते हैं। उदाहरण के तौर पर घुटनों के बल चलना। यदि बच्चे ने अपने उम्र के हिसाब से अभी तक चलना शुरू नहीं किया है तो आप अपने बच्चे को पुशिंग, उसके सिर का हिलाने, पुलिंग, बॉडी और हाथ-पैरों को स्ट्रेच आदि कुछ एक्टिविटीज करवानी चाहिए।

### बच्चे के लिए टमी टाइम दें

NHS के अनुसार, जब बच्चा जागा हुआ हो तो उसे दिनभर में करीब आधे घंटे के लिए टमी टाइम जरूर करवाएं। जब बेबी खुद से मूव करने लगे तो जितना हो सके उतना ज्यादा से ज्यादा खेलने दें और एक्टिव रहने दें।

### बच्चे को ना रखें इनएक्टिव

Pregnancybirthbaby.org के मुताबिक नवजात बच्चे से लेकर 1 साल तक के बच्चे को सुपरवाईज्ड फ्लोर प्ले जरूर करवाना चाहिए। बच्चे को एक घंटे से अधिक देर तक इनएक्टिव नहीं रखना चाहिए। बता दें कि 1 से 5 साल तक के बच्चों को पूरे दिन में कम से कम 3 घंटे के लिए फिजिकल रूप से एक्टिव रहना चाहिए। वहीं 5 से 17 साल के बच्चों कि पूरे दिन में कम से कम 1 घंटे मॉडरेट से कठिन फिजिकल एक्टिविटीज करनी चाहिए। वहीं सप्ताह में कम से कम 3 दिन ऐसी एक्टिविटीज में हिस्सा जरूर लेना चाहिए, जिससे कि उनकी मांसपेशियां और हड्डियां मजबूत हों।

### बच्चे को कराएं बाईसाईक्लिंग

कई पैरेंट्स अपने बच्चों को कोलिक पेन, कब्ज या गैस आदि से राहत दिलाने के लिए बच्चे के पैरों को साइकिल की तरह चलाते हैं। ये एक्सरसाइज घुटनों, कूल्हों, बच्चे के जोड़ों और पेट की मांसपेशियों के लिए काफी अच्छी रहती है। इससे बच्चों की टांगों में लचीलापन आता है। इसके लिए सबसे पहले आप बच्चे को पीठ के लिए लिटा दें। फिर बच्चे की टांगों को एक-एक कर के अपने हाथों से ऊपर-नीचे करें। यह एक्सरसाइज बच्चों को भी बहुत पसंद होती है।

### क्लाइंब माउंटेन

यदि आपके बेबी ने घुटने के बल चलना शुरू कर दिया है तो क्लाइंब माउंटेन एक्सरसाइज उसके लिए बेहतरीन रहेगी। बेबी को यह एक्सरसाइज कराने के लिए बेड पर कुछ तकिए रख दें। फिर बेबी को उन तकिए के ऊपर से चढ़ कर आने के लिए कहें। यह एक्सरसाइज बच्चों के हाथों-पैरों के जोड़ों को मजबूत बनाने में मदद करती है।

# ये आदतें आपको ब्लड प्रेशर रोगी बनने से बचाएंगी....

ब्लड प्रेशर, मौजूद समय की सबसे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। इसका बढ़ना और कम होना, दोनों ही स्थितियां शारीरिक समस्याओं का कारण बन सकती हैं। ब्लड प्रेशर बढ़ने से हृदय रोग की समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है, जबकि इसका कम होना कमजोरी थकान और कुछ गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के खतरे को बढ़ा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि हमारी जीवनशैली और खानपान की गड़बड़ आदतें ब्लड प्रेशर की समस्या का कारण बन सकती हैं, यही वजह है कि सभी लोगों को अपनी दिनचर्या को स्वस्थ रखने वाले उपाय करते रहने की सलाह दी जाती है, जो रक्तचाप के जोखिम को कम करने में आपके लिए सहायक हों। हम क्या खाते हैं, किस तरह की जीवनशैली का पालन करते हैं, यह आदतें भी ब्लड प्रेशर में बढ़ोतरी या कमी का कारण बन सकती हैं। ब्लड प्रेशर के असामान्य स्तर पर अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो यह दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को बढ़ा सकती है।

## नियमित व्यायाम की आदत

शारीरिक निष्क्रियता को ब्लड प्रेशर की समस्या का मुख्य कारक माना जाता है। ऐसे में नियमित व्यायाम, यहां तक कि वॉक करने की आदत भी रक्तचाप को कंट्रोल करने में आपके लिए मददगार हो सकती है। व्यायाम हृदय को मजबूत करता है, जिससे वह अधिक कुशलता से रक्त पंप कर पाता है। इसके अलावा व्यायाम की आदत आपके वजन को कंट्रोल करने में भी सहायक है जो रक्तचाप को नियंत्रित रखने में मदद करती है।

## तनाव कम करने वाले उपाय

अध्ययनों से पता चलता है कि अधिक तनाव लेने वाले लोगों में समय से पहले ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा हो सकता है। तनाव के कारण शरीर में कोर्टिसोल और एड्रेनालाईन जैसे हार्मोन रिलीज होते हैं। ये हार्मोन आपके हृदय गति को बढ़ाकर रक्त वाहिकाओं को संकुचित करके रक्तचाप को बढ़ा सकते हैं। इस तरह से तनाव को कम करने वाले उपाय रक्तचाप को नियंत्रित करने में आपके लिए सहायक हैं। इसके लिए योग-मेडिटेशन की आदत बनाइए।

## बढ़ाइए पोटैशियम की मात्रा

पोटैशियम युक्त आहार का सेवन आपके हृदय और धमनियों को स्वस्थ बनाए रखने में सहायक है। आलू, केला, पालक और बीन्स जैसे खाद्य पदार्थों में पोटैशियम होता है। प्रतिदिन 2,000 से 4,000 मिलीग्राम पोटेशियम लेने से रक्तचाप कम करने में मदद मिल सकती है। टमाटर, एवोकाडो, तरबूज और सूखे मेवे भी आपकी दैनिक पोटैशियम की आवश्यकताओं की आसानी से पूर्ति कर सकते हैं, इन्हें आहार में जरुर शामिल करें।

## अच्छी नींद लेना जरूरी

रक्तचाप और हृदय रोगों की समस्या से बचे रहने के लिए अच्छी नींद लेना बहुत जरुरी माना जाता है। जो लोग छह घंटे या उससे कम सोते हैं उनमें रक्तचाप में तेज वृद्धि होने का जोखिम अधिक होता है। यदि आपको पहले से ही उच्च रक्तचाप की समस्या है, तो रात में अच्छी नींद लेकर आप इसे कंट्रोल में रख सकते हैं। नींद आपके शरीर को तनाव और मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करने में भी मदद करती है।

# बिना दवाई भी ठीक कर सकते हैं दांतों का दर्द

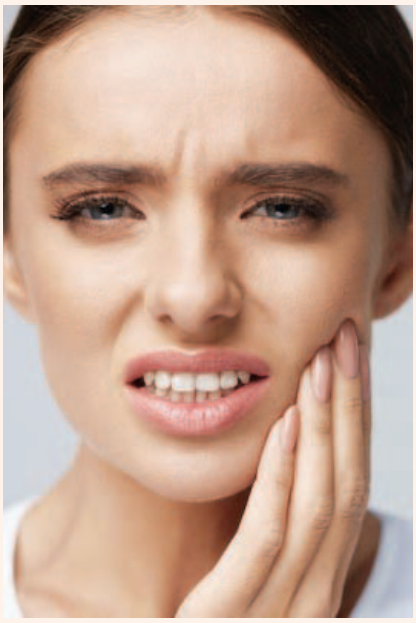

भोजन को सही तरीके से चबाने के लिए दांतों का स्वस्थ होना आवश्यक माना जाता है, हालांकि दांतों में होने वाले दर्द की समस्या न सिर्फ खाने, बल्कि कई तरह की अन्य परेशानियों को बढ़ा सकती है। मसूड़ों में सूजन, दांतों में कमजोरी और सड़न जैसी कई समस्याओं के कारण दांतों में दर्द हो सकता है, ऐसे में यह पता लगाना महत्वपूर्ण है कि आपकी परेशानी की जड़ क्या है? स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक दांतों में लगातार बना रहने वाला दर्द कई तरह की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत भी हो सकता है, ऐसे में इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। आमतौर पर कुछ ओवर-द-काउंटर दर्द निवारक दवाओं से दर्द में राहत मिल जाती है, हालांकि अधिक गंभीर दांत दर्द की स्थिति में दंत चिकित्सक से सलाह जरूर ले लेनी चाहिए। कभी-कभार होने वाली इस तरह की समस्याओं को ठीक करने में कुछ घरेलू नुस्खों को भी काफी कारगर पाया गया है, जिनको प्रयोग में लाकर दर्द से कुछ समय में ही आराम मिल सकता है। आइए दांत दर्द को ठीक करने में कारगर ऐसे ही कुछ बेहद आसान लेकिन अत्यंत प्रभावी नुस्खों के बारे में जानते हैं। दांतों के दर्द को दूर करने के लिए नमक पानी के गरारे को बहुत ही असरदार घरेलू उपाय माना जाता रहा है। गुनगुने पानी में नमक मिलाकर उससे कुल्ला करने से दांतों के दर्द से छुटकारा पाया जा सकता है। नमक का पानी प्राकृतिक रूप से कीटाणुनाशक होता है जो दांतों के बीच फंसे खाद्य अवशेषों को निकालने और उसके कारण होने वाले दर्द को कम करने में काफी मददगार हो सकता है। नमक के पानी से कुल्ला करने से मसूड़ों के सूजन के कारण होने वाले दर्द में भी राहत मिलती है। लौंग का इस्तेमाल वर्षों से दांत दर्द के इलाज के लिए किया जाता रहा है। लौंग का तेल प्रभावी रूप से दर्द को सुन्न करने और सूजन को कम करने में सहायक माना जाता है।

# त्वचा में निखार लाने के लिए लगाएं दूध-शहद

दूध में शहद मिलाकर पीना हमारी सेहत के लिए बेहद ही फायदेमंद होता है। यह बात तो लगभग हम सभी जानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि शहद और दूध आपकी त्वचा की समस्याओं के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है।

दूध एक बेहतरीन क्लींजर है जिससे हम त्वचा को साफ कर सकते है। दूध विटामिन ए, डी, बी-6, बी-12, कैल्शियम, प्रोटीन जैसे विटामिन और पोषक तत्वों से युक्त है। ये मिनरल्स त्वचा के टिश्यु में सुधार लाते है जिससे कोलेजन की मात्रा बढ़ जाती है और त्वचा को नमी मिलती है। साथ ही शहद, चेहरे के लिए सबसे अच्छा प्रोडक्ट है। इसे लगाने से चेहरे पर प्राकृतिक निखार आता है और त्वचा का रूखापन दूर होता है। अगर आपकी त्वचा बहुत ही सेंसटिव है तो शहद बहुत ही मददगार हो सकता है। सोचो अगर दूध और शहद को मिला दिया जाये तो शहद और दूध में मौजूद तत्व त्वचा की रंगत को निखारने के साथ उसे चमकदार और स्वस्थ बनाने में भी मदद करती है। चेहरे पर दूध और शहद से बने मास्क के इतने सारे फायदे हो सकते हैं, जिनके बारे में आप अंदाजा भी नहीं लगा सकतीं। शहद, चेहरे के लिए सबसे अच्छा प्रोडक्ट होता है। इसे लगाने से चेहरे पर प्राकृतिक निखार आता है और त्वचा का रूखापन भी चला जाता है।

## त्वचा चमकदार बनाएं

शहद और दूध में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर के साथ त्वचा के लिए भी बेहद फायदेमंद होते हैं। शहद और दूध से बना मास्क त्वचा पर लगाने से तुरंत चमक आ जाती है। ऑफिस में पूरा दिन काम करने के बाद इसके इस्तेमाल से आप फ्रेश दिखने लगते है। साथ ही नियमित रूप से शहद और दूध के मास्क से चेहरे की टैनिंग भी दूर होने लगती है। विटामिन, मिनरल और प्रोटीन से भरपूर होने के कारण त्वचा की रंगत निखारने में भी मदद करता है।

## दाग धब्बे मिटाएं

यह शहद और दूध के महत्वपूर्ण लाभ में से एक है। यह चेचक के निशान सहित कई प्रकार के निशान को हटाने के रूप में जाना जाता है। अगर आपके चेहरे पर मुंहासे या चेचक के दाग पड़े हुए हैं तोए इस मास्क के नियमित रूप पर लगाने से गायब होने लगेंगे।

## बेहतर क्लीन्जर

कच्चा दूध का एक उत्कृष्ट क्लीन्जर है। यह बात तो हम सभी जानते हैं, लेकिन कच्चे दूध में शहद को मिक्स करने से यह जादुई सा असर करता है। इसके लिए कच्चे दूध में थोड़ा सा शहद मिलाकर कॉटन की मदद से चेहरे पर लगाकर पांच मिनट लगाने के बाद धो लें। नियमित रूप से ऐसा करने से आपकी त्वचा कोमल और साफ होने लगेगी।

# टेस्टेस्टेरोन हॉर्मोन की कमी दूर कर सकते हैं ये फूड्स

पुरुषों में भी हार्मोनल असंतुलन को समस्या बढ़ रही हैं। ऐसा ही एक हार्मोन है टेस्टेस्टरोन, जिसे सेक्स हार्मोन भी कहा जाता है। इस हार्मोन से ही पुरुषों के चेहरे पर बाल और प्रजनन क्षमता प्रभावित होती है। बढ़ती उम्र के साथ पुरुषों में टेस्टेस्टरोन का स्तर कम होने लगता है। आजकल की भागदौड़ भरी जीवनशैली और खानपान का सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर होता है। यही वजह है कि आज के समय में बहुत सी बीमारियां आम हो गई हैं। ना केवल महिलाओं, बल्कि पुरुषों में भी हार्मोनल असंतुलन को समस्या बढ़ रही हैं। ऐसा ही एक हार्मोन है टेस्टेस्टरोन, जिसे सेक्स हार्मोन भी कहा जाता है। इस हार्मोन से ही पुरुषों के चेहरे पर बाल और प्रजनन क्षमता प्रभावित होती है। बढ़ती उम्र के साथ पुरुषों में टेस्टेस्टरोन का स्तर कम होने लगता है। लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में पुरुषों के शरीर में इसका पर्याप्त रूप से निर्माण नहीं हो पाया है। आज के इस लेख में हम आपको ऐसे 5 फूड्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिससे टेस्टेस्टरोन हार्मोन के स्तर को बढ़ाने में मदद मिलती है।

## अनार

अनार का सेवन हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन, प्रोटीन और आयरन समेत कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। अनार का सेवन करने से पुरुषों में टेस्टेस्टेरोन लेवल बूस्ट करने में भी मदद मिलती है। रोजाना एक कप अनार के जूस का सेवन करना पुरुषों के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है।

## शहद

शहद हमारे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है यह तो आप जानते ही होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शहद के सेवन से पुरुषों में फर्टिलिटी बढ़ाने में मदद मिलती है। शहद में बोरॉन नामक तत्व पाया जाता है जो टेस्टेस्टरोन लेवल को बढ़ाने में मदद करता है। इसके साथ ही यह हड्डियों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है।

## अदरक

अदरक का सेवन भी पुरुषों में टेस्टेस्टरोन लेवल को बढ़ाने के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसमें कई औषधीय गुण मौजूद होते हैं जो पुरुषों में फर्टिलिटी बढ़ाने में मदद करते हैं। आप चाहें तो अदरक की चाय पी सकते हैं या इसे सब्जियों में डाल कर खा सकते हैं।

## केला

केले का सेवन भी पुरुषों में टेस्टोस्टरॉन लेवल को बढ़ाने में मदद करता है। इसमें ब्रोमेलेन नामक तत्व पाया जाता है जो पुरुषों के फर्टिलिटी बढ़ाने में मदद कार्य है। इसके साथ ही केले का सेवन करने से शरीर में ऊर्जा बनी रहती है।

## प्याज

प्याज का इस्तेमाल आमतौर पर सब्जी या सलाद में किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कच्चा प्यार पुरुषों के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। इसमें ऐसे तत्व मौजूद होते हैं जो पुरुषों में टेस्टेस्टेरोन के स्तर को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

# लिवर में सूजन की समस्या है बहुत नुकसानदायक

सेहतमंद रहने के लिए लिवर का स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है। लिवर शरीर का वह महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो खून में टॉक्सिन्स को साफ करता है। भोजन पचाने में मदद करता है, जिसे पाचन तंत्र तुरुस्त रहता है और कई तरह की समस्या दूर होती हैं। लेकिन किसी कारण से अगर लिवर को नुकसान पहुंचे तो व्यक्ति को जान का जोखिम भी हो सकता है। ऐसे में जब इंफेक्शन के कारण लिवर में सूजन आ जाती है, तो इस समस्या को हेपेटाइटिस कहते हैं। हर साल 28 जुलाई को विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया जाता है। हेपेटाइटिस डे मनाने की वजह लोगों को लिवर के प्रति जागरूक करना और वायरल इंफेक्शन से बचाना है ताकि शरीर सुचारू रूप से कार्य कर सके। आंकड़ों के मुताबिक, भारत में हेपेटाइटिस की बीमारी बहुत आम है। देश में सालाना हेपेटाइटिस के करीब 10 लाख मामले सामने आते हैं। हेपेटाइटिस को लेकर बड़ी समस्या ये है कि इस रोग के शुरुआती स्तर पर तीव्र लक्षण ज्यादातर मरीजों को नजर नहीं आते, जिससे इलाज में देरी हो जाती है और बीमारी जानलेवा हो जाती है। कई तरह के हेपेटाइटिस हैं, जो अपने वायरस के आधार पर कम और अधिक घातक होते हैं। चलिए जानते हैं हेपेटाइटिस के प्रकार और अधिक जानलेवा हेपेटाइटिस के बारे में।

सबसे घातक हेपेटाइटिसः वायरस के आधार पर- हेपेटाइटिस लिवर की बीमारी है, जिसमें पांच तरह के वायरस होते हैं। हेपेटाइटिस के ये पांच वायरस लिवर के दुश्मन होते हैं। पांचों वायरस के आधार पर हेपेटाइटिस पांच प्रकार का होता है। इसमें हेपेटाइटिस ए, हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी, हेपेटाइटिस डी, हेपेटाइटिस ई शामिल है। वैसे तो हेपेटाइटिस के सभी प्रकार नुकसानदायक हैं। लेकिन सबसे घातक हेपेटाइटिस बी और हेपेटाइटिस सी हैं, जो लिवर सिरोसिस और कैंसर को जन्म देते हैं।

# सत्य, न्याय एवं सदाचार के प्रतीक हैं भगवान श्रीराम

**दरअसल श्रीराम के आदर्श, उनका अनुकरणीय और आज्ञापालक चरित्र तथा रामायण काल के अन्य सभी पात्रों की अपार निष्ठा, भक्ति, प्रेम, त्याग एवं समर्पण अपने आप में अनुपम है और नई पीढ़ी को धर्म एवं आदर्शों की प्रेरणा देने के साथ-साथ उसमें जागरूकता का संचार करने के लिए भी पर्याप्त है।**

अयोध्या में पांच अगस्त को श्रीराम मंदिर का भूमि पूजन हो गया है और बहुत लंबे इंतजार के बाद आखिरकार अब भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में राममंदिर निर्माण का करोड़ों देशवासियों का सपना साकार होने जा रहा है। अयोध्या में राममंदिर को लेकर कुछ पक्षों द्वारा जानबूझकर बेवजह का विवाद खड़ा किया जाता रहा जबकि तमाम हिन्दू पौराणिक ग्रंथों में अयोध्या नगरी के अस्तित्व और वहीं पर भगवान श्रीराम के जन्म लेने का स्पष्ट उल्लेख मिलता है। सुप्रीम कोर्ट में लंबे समय तक चले मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट के आदेश पर ही अब अयोध्या में भव्य राममंदिर का निर्माण होगा। राममंदिर निर्माण को लेकर देशवासियों में उत्साह का प्रमुख कारण यही है कि श्रीराम इस देश की बहुसंख्यक आबादी के आराध्यदेव हैं। श्रीराम न सिर्फ हिन्दुओं अथवा भारतवासियों के लिए परम पूजनीय हैं बल्कि दुनिया के अनेक देशों के लोग भी उन्हें भगवान और मर्यादा पुरूषोत्तम के रूप में मान्यता प्रदान करते हुए पूजते रहे हैं। वे भारत की पहचान और राष्ट्रीय के प्रतीक हैं। लॉकडाउन के दौरान दूरदर्शन पर प्रसारित की गई 'रामायण' देखने के बाद तो नई पीढ़ी के बच्चे भी मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम के पावन चरित्र के मुरीद हो गए।

दरअसल श्रीराम के आदर्श, उनका अनुकरणीय और आज्ञापालक चरित्र तथा रामायण काल के अन्य सभी पात्रों की अपार निष्ठा, भक्ति, प्रेम, त्याग एवं समर्पण अपने आप में अनुपम है और नई पीढ़ी को धर्म एवं आदर्शों की प्रेरणा देने के साथ-साथ उसमें जागरूकता का संचार करने के लिए भी पर्याप्त है। वाल्मिकी रामायण के अनुसार, ''भगवान श्रीराम चन्द्रमा के समान अति सुंदर, समुद्र के समान गंभीर और पृथ्वी के समान अत्यंत धैर्यवान थे तथा इतने शील सम्पन्न थे कि दुखों के आवेश में जीने के बावजूद कभी किसी को कटु वचन नहीं बोलते थे। वे अपने माता-पिता, गुरूजनों, भाईयों, सेवकों, प्रजाजनों अर्थात् हर किसी के प्रति अपने स्नेहपूर्ण दायित्वों का निर्वाह किया करते थे। माता-पिता के प्रति कर्त्तव्य पालन एवं आज्ञा पालन की भावना तो उनमें कूट-कूटकर भरी थी। उनकी कठोर से कठोर आज्ञा के पालन के लिए भी वह हर समय तत्पर रहते थे।

श्रीराम का चरित्र बेहद उदार प्रवृत्ति का था। उन्होंने उस अहिल्या का भी उद्धार किया, जिसे उसके पति ने देवराज इन्द्र द्वारा छलपूर्वक उसका शीलभंग किए जाने के कारण पतित घोषित कर पत्थर की मूर्त बना दिया था। जिस अहिल्या को निर्दोष मानकर किसी ने नहीं अपनाया, उसे भगवान श्रीराम ने अपनी छत्रछाया प्रदान की। लोगों को गंगा नदी पार कराने वाले एक मामूली से नाविक केवट की अपने प्रति अपार श्रद्धा व भक्ति से प्रभावित होकर भगवान श्रीराम ने उसे अपने छोटे भाई का दर्जा देकर मोक्ष भी प्रदान किया। अपनी परम भक्त शबरी नामक भीलनी के झूठे बेर खाकर शबरी का कल्याण किया।

महारानी केकैयी ने जब महाराजा दशरथ से राम को 14 वर्ष का वनवास और उनके लाड़ले पुत्र भरत को श्रीराम की जगह राजगद्दी सौंपे जाने का वचन मांगा तो दशरथ विकट धर्मसंकट में फंस गए थे। वे बिना किसी कारण राम को 14 वर्ष के लिए वनों में भटकने के लिए भला कैसे कह सकते थे और श्रीराम में तो वैसे भी उनके प्राण बसते थे। दूसरी ओर वचन का पालन करना रघुकुल की मर्यादा थी। ऐसे में जब श्रीराम को माता केकैयी द्वारा यह वचन मांगने और अपने पिता महाराज दशरथ के इस धर्मसंकट में फंसे होने का पता चला तो उन्होंने खुशी-खुशी उनकी यह कठोर आज्ञा भी सहज भाव से शिरोधार्य की और उसी समय 14 वर्ष का वनवास भोगने तथा छोटे भाई भरत को राजगद्दी सौंपने की तैयारी कर ली। श्रीराम द्वारा लाख मना किए जाने पर भी उनकी पत्नी सीता जी और अनुज लक्ष्मण भी उनके साथ वनों में निकल पड़े। वास्तव में विधि के विधान के अनुसार राम को दुष्ट राक्षसों का विनाश करने के लिए ही वनवास मिला था। उन्होंने अपने मानव अवतार में न तो भगवान श्रीकृष्ण की भांति रासलीलाएं खेली और न ही कदम-कदम पर चमत्कारों का प्रदर्शन किया बल्कि उन्होंने सृष्टि के समक्ष अपने क्रियाकलापों के जरिये ऐसा अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसकी वजह से उन्हें 'मर्यादा पुरूषोत्तम' कहा गया।

राम-रावण के बीच हुए भीषण युद्ध की बात की जाए तो वह केवल दो राजाओं के बीच का सामान्य युद्ध नहीं था बल्कि दो विचारधाराओं का संघर्ष था, जिसमें एक मानव संस्कृति थी तो दूसरी राक्षसी संस्कृति। एक ओर क्षमादान की भावना को महत्व देने वाले और जनता के दुख-दर्द को समझने एवं बांटने वाले वीतरागी भाव थे तो दूसरी ओर दूसरों का सब कुछ हड़प लेने की राक्षसी प्रवृत्ति। रावण अन्याय, अत्याचार व अनाचार का प्रतीक था तो श्रीराम सत्य, न्याय एवं सदाचार के। यही नहीं, सीता जी के अपहरण के बाद भी श्रीराम ने अपनी मर्यादाओं को कभी तिलांजलि नहीं दी। इसलिए भी उन्हें मर्यादा पुरूषोत्तम कहा जाता है। मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम में सभी के प्रति प्रेम की अगाध भावना कूट-कूटकर भरी थी। उनकी प्रजा वात्सल्यता, न्यायप्रियता और सत्यता के कारण ही उनके शासन को आज भी 'आदर्श' शासन की संज्ञा दी जाती है और आज भी अच्छे शासन को 'रामराज्य' कहकर ही परिभाषित किया जाता है। 'रामराज्य' यानी सुख, शांति एवं न्याय का राज्य। तो ऐसे थे मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम, जिनकी जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण की प्रक्रिया शुरू होने को लेकर आज करोड़ों देशवासी उत्साहित हैं।

# त्रिकालदर्शी व आदि पत्रकार सहित अनेक नामों से पुकारा जाता है देवर्षि नारद को

**देवर्षि नारद का वर्ण गौर सिर पर सुंदर शिखा सुशोभित है। उनके शरीर में एक विशेष प्रकार की उज्ज्वल ज्योति निकलती रहती थी। वे देवराज इंद्र द्वारा प्राप्त श्वेत दिव्य वस्त्रों को धारण किये रहते हैं। वे अनुषांगिक धर्मों के ज्ञाता थे।**

सृष्टिकर्ता प्रजापति ब्रहमा के मानस पुत्र नारद। महान तपस्वी, तेजस्वी, सम्पूर्ण वेदान्त, शास्त्र के ज्ञाता तथा समस्त विद्याओं में पारंगत नारद। ब्रहमतेज से संपन्न नारद। नारद जी के महान कृतित्व व व्यक्तित्व पर जितनी भी उपमाएं लिखी जाएं कम हैं। देवर्षि नारद ने अपने धर्मबल से परमात्मा का ज्ञान प्राप्त किया। वे प्राणिमात्र के कल्याण के लिए सदा उपस्थित रहे। वे देवता, दानव और मानव समाज के हित के लिये सर्वत्र विचरण, चिंतन व विचार मग्न रहते थे। देवर्षि नारद की वीणा से निरंतर नारायण की ध्वनि निकलती रहती थी। भगवदभक्ति की स्थापना तथा प्रचार के लिए ही नारद का अवतार हुआ। नारद चिरंजीवी हैं। नारद जी का संसार में अमिट प्रभाव है। देव, दानव, मानव सबके सत्कार्यों में देवर्षि नारद सहायक सिद्ध होते हैं। नारद जी का जीवन जनकल्याण व मंगलमय जीवन के लिये ही है। नारद जी पर नारायण की विशेष कृपा है। वे शत्रु तथा मित्र दोनों में ही लोकप्रिय थे।

देवर्षि नारद त्रिकालदर्शी व पृथ्वी सहित सभी ग्रह नक्षत्रों में घट रही घटनाओं के ज्ञाता तो थे ही उनके मन में कठिन से कठिन समस्याओं के समाधान भी चलायमान रहते थे। देवर्षि नारद व्यास, वाल्मीकि, शुकदेव जी के गुरु रहे। नारद ने ही प्रह्लाद, ध्रुव, राजा अम्बरीष आदि को भक्तिमार्ग पर प्रवृत्त किया। नारद ब्रहमा, शंकर, सनतकुमार, महर्षि कपिल, मनु आदि बारह आचार्यो में अन्यतम हैं। प्रचलित कथा के अनुसार देवर्षि नारद अज्ञातकुल शील होने पर भी देवर्षि पद तक पहुंच गये थे। बाल्यकाल में भी उनके मन में चंचलता नहीं थी, वे मुनिजनों की आज्ञा का पालन किया करते थे। उनकी अनुमति प्राप्त करके वे बरतनों में लगी हुई जूठन दिन में एक बार खा लिया करते थे। इससे उनके जन्म के सारे पाप धुल गये। नारद की सेवा से प्रभावित होकर मुनिगण उन पर अपनी कृपा रखने लगे।

संतों की सेवा करते-करते उनका हृदय शुद्ध रहने लगा। भजन-पूजन में उनकी रुचि बढ़ती गयी। उनके हृदय में भक्ति का प्रादुर्भाव हो गया। वे अपनी माता के साथ ब्राहमण नगरी में रहते थे। माता के कारण वे भी कहीं अन्यत्र नहीं जा सके। कुछ दिनों बाद एक दिन उनकी माता को सर्प ने काट लिया जिससे उनकी मृत्यु हो गयी नारद जी ने उसे विधि का विधान माना और गृह का त्याग करके उत्तर दिशा की ओर चल दिये। इसके बाद उन्होनें अपनी सतत साधना और तपस्या के बल पर देवर्षि का पद प्राप्त किया। किसी-किसी पुराण में देवर्षि नारद को उनके पूर्वजन्म में सारस्वत नामक एक ब्राहमण बताया गया है। जिन्होनें "ॐ नमो नारायणाय" मंत्र के जाप से भगवान नारायण का साक्षात्कार किया।

कालान्तर में पुनः ब्रहमा जी के दस मानसपुत्रों के रूप में जन्म लिया। नारद शुद्धात्मा, शांत, मृदु तथा सरल स्वभाव के हैं। मुक्ति की इच्छा रखने वाले सभी लोगों के लिए नारद जी स्वयं ही प्रयत्नशील रहते हैं। नारद जी को ईश्वर के प्रत्यक्ष दर्शन होते थे। उन्हें ईश्वर का मन कहा गया है। वे परम हितैषी हैं उनका अपना कोई स्वार्थ नहीं हैं। वे प्रभु की प्रेरणा से निरंतर कार्य करते रहते हैं। नारद जी ने दक्ष प्रजापति के हयाश्व- शबलाक्ष नामक सहस्त्र पुत्रों को अध्यात्म तत्व का पाठ पढ़ाया। देवर्षि नारद ने सभी के लिये भगवदभक्ति का द्वार खोल रखा था। वे जीवमात्र के कल्याण के लिये भगवान नाम कीर्तन की प्रेरणा देते रहते हैं।

देवर्षि नारद का वर्ण गौर सिर पर सुंदर शिखा सुशोभित है। उनके शरीर में एक विशेष प्रकार की उज्ज्वल ज्योति निकलती रहती थी। वे देवराज इंद्र द्वारा प्राप्त श्वेत दिव्य वस्त्रों को धारण किये रहते हैं। वे अनुषांगिक धर्मों के ज्ञाता थे। नारद लोप, आगम, धर्म तथा वृत्ति संक्रमण के द्वारा प्रयोग में आये हुये एक-एक शब्द की अनेक अर्थों में विवेचना करने में सक्षम थे। कृष्ण युग में गोपियों का वर्चस्व स्थापित किया। प्रथम पूज्य देव गणेश जी को नारद जी का ही मार्ग दर्शन प्राप्त हुआ था।

## ट्रेंडी और स्टाइलिश लगने के लिए चुनें ये फैब्रिक

# ...तो गर्मी में भी रहेंगे कूल व कंफर्टेबल

गर्मियों में हम सब ज्यादातर हल्के और आरामदायक कपड़े पहनते हैं। बता दें कि गर्मी के मौसम में आप अपने स्टाइल के साथ सबसे ज्यादा एक्सपेरिमेंट कर सकते हैं। जानिए कि किस तरह के फैब्रिक गर्मियों में आपको कूल और कंफर्टेबल लुक देंगे। जब भी गर्मियों में आरामदायक फैब्रिक्स की बात आती है, तो इस बात में कोई शक नहीं है कि सबसे पहला नाम कॉटन का होता है। लेकिन आपके वॉर्डरोब में शर्ट से लेकर कुर्ते, टॉप से लेकर बॉटम वेयर्स भी कॉटन में हो। ऐसा पॉसिबल नहीं है। क्योंकि कॉटन के कपड़ों को एक्सट्रा केयर की जरूरत होती है। साथ ही कॉटन फैब्रिक थोड़े महंगे भी होते हैं। हालांकि अपने स्टाइल के साथ सबसे ज्यादा एक्सपेरिमेंट गर्मी के मौसम में ही होते हैं। आइए जानते हैं कि गर्मी के मौसम में किस तरह के फैब्रिक आपको कूल और कंफर्टेबल लुक देंगे।

### कॉटन

कॉटन फैब्रिक में सबसे अच्छी बात यह होती है कि ब्रीदेबल होते हैं। जिसका मतलब इसे पहनने के बाद आपको ऊबन महसूस नहीं होगी। क्योंकि गर्मियों में यह आपकी बॉडी को ठंडा रखता है। अन्य फैब्रिक के मुकाबले कॉटन पसीने को आसानी सोख लेता है। कॉटन आउटफिट्स ढेरों स्टाइल और कलर में अवेलेबल होती है। इस फैब्रिक को आप कॉलेज से लेकर ऑफिस, किटी पार्टी से लेकर डे आउटिंग या फिर नाइट पार्टीज में भी कैरी कर सकती हैं। हालांकि इनके साथ सिर्फ यही समस्या होती है कि इन कपड़ों को बिना ऑयरन के नहीं पहना जा सकता है। लेकिन कॉटन-पॉलिस्टर मिक्स आउटफिट्स में यह समस्या नहीं होती है। साथ ही लंबे समय तक पहनने के बाद भी इनमें से बदबू नहीं आती है। कॉटन कपड़ों पर लगे दाग-धब्बों पर लगे दाग भी आसानी से छूट जाते हैं।

### रेयॉन

सिल्क फैब्रिक का सस्ता और अच्छा वर्जन रेयॉन है। यह पतले रेशे से बना होता है। जिसके कारण यह काफी लाइटवेट भी होता है और गर्मियों में यह शरीर में चिपकता भी नहीं है। कंफर्टेबल और ब्रीदेबल होने की वजह से इसको स्पोर्ट्स वेयर से लेकर समर ड्रेसेज तक में वैरायटी देखी जा सकती है। हालांकि रेयॉन के कपड़ों को गर्म पानी से नहीं धुलना चाहिए। क्योंकि गर्म पानी से यह सिकुड़ जाता है। इसलिए इसको नॉर्मल पानी से ही धोना चाहिए।

### नायलॉन

अधिकतर एक्टिव वेयर या एथलेक्टिस वेयर्स से बनाए जाते हैं। यह काफी लाइटवेट भी होते हैं। वहीं पसीने आदि से गीला होने पर यह जल्दी सूख भी जाता है। साथ ही नायलॉन स्ट्रेचबल भी होता है। बता दें कि लंबे इस्तेमाल के बाद भी इस फैब्रिक वाले आउटफिट्स जल्दी खराब नहीं होते।

### लिनन

गर्मियों के लिए आरामदायक फैब्रिक्स की लिस्ट में दूसरे नंबर पर लिनन है। कॉटन की तरह ही यह भी हल्का और ब्रीदेबल होता है। लिनन भी पसीने और नमी को आसानी से सोख लेता है। बता दें कि रिंकल्स फैब्रिक की पहचान हल्के रिंकल्स है। यही इन्हें खास बनाते हैं। लेकिन लिनन फैब्रिक की सबसे अच्छी बात यह होती है कि इनको आप बिना ऑयरन के भी पहन सकते हैं। साथ ही यह आपको क्लासी लुक देने का काम करता है। इनमें बहुत ही सूदिंग कलर्स आते हैं, जो गर्मियों के लिए काफी बेस्ट होते हैं।

# एशियन गेम्स ट्रायल में प्रदेश संघों को मिल सकती है पहलवानों की अनुमति

एशियाई खेलों के लिये ट्रायल जून के तीसरे सप्ताह में होंगे। इसकी तारीख की घोषणा इस सप्ताह की जायेगी। पिछले साल कोरोना महामारी के कारण स्थगित हुए एशियाई खेल 23 सितंबर से चीन के हांगझोउ में होंगे।

भारतीय ओलंपिक संघ की तदर्थ समिति प्रदेश कुश्ती संघों को एशियाई खेलों के लिये चयन ट्रायल में अपने चुने हुए पहलवानों को उतारने की अनुमति दे सकती है भले ही वे नयी चयन नीति के अनुरूप निर्धारित टूर्नामेंटों में से किसी एक में पदक जीतने की पात्रता पूरी नहीं करते हों। एशियाई खेलों के लिये ट्रायल जून के तीसरे सप्ताह में होंगे। इसकी तारीख की घोषणा इस सप्ताह की जायेगी। पिछले साल कोरोना महामारी के कारण स्थगित हुए एशियाई खेल 23 सितंबर से चीन के हांगझोउ में होंगे।

भारतीय कुश्ती महासंघ ने पिछले साल एक नीति बनाई थी जिसके तहत प्रतिभावान जूनियर खिलाड़ियों के अलावा राष्ट्रीय चैम्पियनशिप, राष्ट्रीय रैंकिंग टूर्नामेंटों, फेडरेशन कप, अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में पदक जीत चुके पहलवान ही ट्रायल में भाग ले सकते हैं। तदर्थ समिति के सदस्य भूपेंद्र सिंह बाजवा ने शुरूआत में ओपन ट्रायल के संकेत दिये थे लेकिन कोचों और रैफरियों ने उन्हें पदक विजेताओं तक ही सीमित रखने की सलाह दी। एक सूत्र ने कहा ,'' ओपन ट्रायल निर्धारित समय में पूरे करना काफी मुश्किल हो जाता। यह प्रस्ताव रखा गया है कि यदिप्रदेश संघ को लगता है कि कोई योग्य उम्मीदवार है भले ही जिसने पदक नहीं जीता है तो वह ऐसे उम्मीदवार को ट्रायल में उतार सकता है।''

उन्होंने कहा ,'' इस पर अंतिम फैसला जल्दी ही लिया जायेगा। ट्रायल 20 जून के आसपास होंगे। इसकी तारीख की घोषणा एक दो दिन में की जायेगी।'' प्रदेश संघ अगर तीन शैलियों में दस वर्गों में अपने उम्मीदवार उतारते हैं तो प्रतियोगियों की संख्या काफी बढ जायेगी। बाजवा, कई कोचों, रैफरियों और साइ अधिकारियों ने सोमवार को बैठक में भाग लिया। यह समिति की दूसरी बैठक थी। इससे पहले बाजवा ने मेरठ में संबंधित पक्षों के साथ बैठक की थी। सूत्र ने यह भी कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरने पर बैठे स्टार पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया को ट्रायल में भाग लेने से रोका नहीं जायेगा।

उन्होंने कहा , प्रदर्शन के कारण उनकी भागीदारी या ट्रायल में भाग लेने पर रोक जैसी कोई बात उठी ही नहीं। बाजवा हर योग्य उम्मीदवार को चयन का पूरा मौका देना चाहते हैं। प्रदर्शन में शामिल साक्षी मलिक ट्रायल में भाग नहीं ले सकेगी क्योंकि आईओए को डब्ल्यूएफआई द्वारा भेजी गई लंबी सूची में उसका नाम नहीं है। इस बीच कई महिला पहलवान लखनऊ के साइ सेंटर में राष्ट्रीय शिविर में भाग नहीं लेना चाहतीं। वहीं कइयों के माता पिता सोनीपत में महिला और पुरूष पहलवानों के संयुक्त शिविर के खिलाफ हैं।

सूत्र ने कहा , बैठक में संयुक्त राष्ट्रीय शिविर पर भी बात हुई। सदस्यों को बताया गया कि महिला पहलवानों के माता पिता इसके खिलाफ है। उन्हें डर है कि ऐसा होने पर प्रेम प्रसंगों की संख्या बढ जायेगी। यही वजह है कि 2013 से दो अलग अलग शिविर लगाये जा रहे हैं।'' महिला पहलवार दिल्ली के आईजी स्टेडियम पर अभ्यास करना चाहती हैं लेकिन वहां होस्टल नहीं है। पटियाला में साइ सेंटर में कुश्ती और भारोत्तोलन के लिये एक ही हॉल है। गांधीनगर (गुजरात) में भी शिविर लगाया जा सकता है लेकिन देखना होगा कि पहलवान इसके लिये तैयार होते हैं या नहीं।

# 60 साल की उम्र में आशीष विद्यार्थी ने रचाई दूसरी शादी, जानें किसे बनाया अपना नया जीवन साथी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता की शादी पहले गुजरे जमाने की अभिनेत्री शकुंतला बरुआ की बेटी राजोशी बरुआ से हुई थी। विद्यार्थी की दूसरी पत्नी रूपाली, जो गुवाहाटी से हैं, कोलकाता में एक अपस्केल फैशन स्टोर से जुड़ी हैं। दिग्गज अभिनेता आशीष विद्यार्थी ने गुरुवार, 25 मई को एक निजी समारोह में असम की रूपाली बरुआ के साथ शादी कर ली है। कई हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और अधिक क्षेत्रीय फिल्मों में दिखाई देने वाले अभिनेता को रूपाली में फिर से प्यार मिला है। आशीष विद्यार्थी की यह दूसरी शादी है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता की शादी पहले गुजरे जमाने की अभिनेत्री शकुंतला बरुआ की बेटी राजोशी बरुआ से हुई थी। विद्यार्थी की दूसरी पत्नी रूपाली, जो गुवाहाटी से हैं, कोलकाता में एक अपस्केल फैशन स्टोर से जुड़ी हैं।

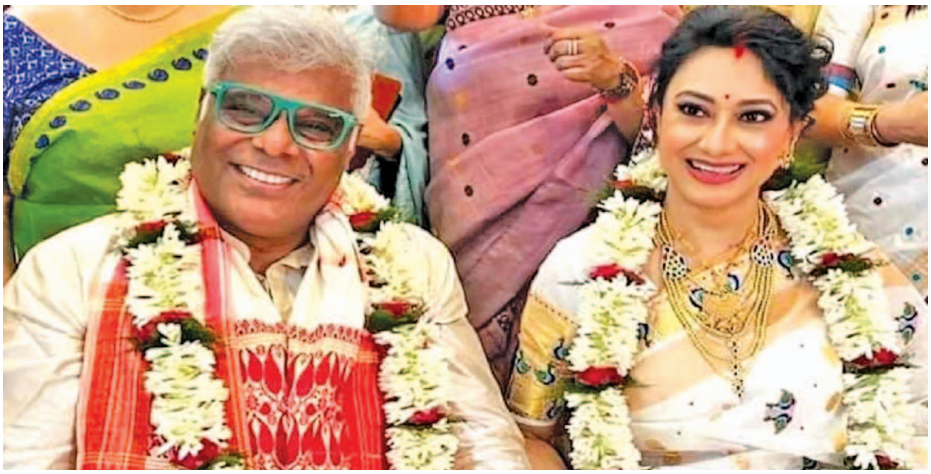

परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में आशीष और रूपाली ने चुपचाप रजिस्ट्री मैरिज की। शादी दो संस्कृतियों का एक आदर्श मिश्रण थी। रुपाली ने सुबह 6.30 बजे तैयार होना शुरू किया और आशीष के सफेद और सोने के मुंडू केरल से जुड़ने के लिए खुद को एक सुंदर सफेद मेखला में सजाया। उन्होंने मेखला को सोने के मंदिर के आभूषणों के साथ जोड़ा। 60 साल की उम्र में शादी करने के बारे में अपनी भावनाओं को साझा करने वाले अभिनेता ने कहा कि मेरे जीवन के इस पड़ाव पर, रूपाली से शादी करना एक असाधारण एहसास है। हमने सुबह कोर्ट मैरिज की, उसके बाद शाम को गेट-टुगेदर हुआ।

हालांकि, दोनों की मुलाकात कैसे हुई थी, यह सभी जानना चाहते हैं। इसपर उन्होंने कहा कि हम कुछ समय पहले मिले थे और इसे आगे बढ़ाने का फैसला किया। लेकिन हम दोनों चाहते थे कि हमारी शादी एक छोटा पारिवारिक मामला हो। आशीष विद्यार्थी बॉलीवुड में अपनी खलनायक की भूमिकाओं के लिए लोकप्रिय हैं।

# डीप नेक ड्रेस में पलक तिवारी ने बिखेरा जलवा

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों में, पलक तिवारी नारंगी और काले रंग की डीप नेक ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। इस ग्लैमरस ऑउटफिट में अभिनेत्री बड़े ही सेक्सी पोज देती नजर आ रही हैं, जो लोगों के दिलों को धड़का रहे हैं। पलक की कातिलाना अदाएं देखने लायक है। टीवी की मशहूर अभिनेत्री की श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी हिट फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से अपना बॉलीवुड डेब्यू कर चुकी हैं। अभिनेत्री डेब्यू के बाद से लोगों को मदहोश कर रही हैं। हर दूसरे दिन पलक अपने सोशल मीडिया पर अपनी दिलकश तस्वीरें शेयर करती हैं, जो लाइमलाइट में बनी रहती हैं। इसी कड़ी को जारी रखने के लिए अभिनेत्री ने मंगलवार को अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। पलक की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं और लोगों के दिल मचलाती दिख रही हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों में, पलक तिवारी नारंगी और काले रंग की डीप नेक ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। इस ग्लैमरस ऑउटफिट में अभिनेत्री बड़े ही सेक्सी पोज देती नजर आ रही हैं, जो लोगों के दिलों को धड़का रहे हैं। पलक की कातिलाना अदाएं देखने लायक है। अभिनेत्री की इन्हीं अदाओं पर हजारों सोशल मीडिया यूजर्स फिदा हो गए हैं। तस्वीरों का कमेंट सेक्शन पलक की तारीफों से भरा हुआ है। एक सोशल मीडिया यूजर्स ने लिखा, 'समझ नहीं आ रहा है कि ड्रेस को देखूं या फिर पलक को, दोनों ही बहुत प्यारी लग रही है।' एक अन्य ने लिखा, 'भारत की क्वीन।' अन्य फैंस कमेंट सेक्शन में दिल और आग वाले इमोजी पोस्ट कर रहे हैं।

# करिश्मा-माधुरी ने एक साथ लगाए ठुमके, लोगों ने कहा- शाहरुख की कमी है बस

माधुरी दीक्षित और करिश्मा कपूर की फिल्म दिल तो पागल है दिल दिवाना है फिल्म साल की सुपरहिट फिल्म साबित हुई थी। आज तक इस फिल्म के गानों को लोग पसंद करते हैं। माधुरी दीक्षित और करिश्मा कपूर ने 80-90 के दशक में बॉलीवुड पर राज किया था।

माधुरी दीक्षित और करिश्मा कपूर की फिल्म दिल तो पागल है दिल दिवाना है फिल्म साल की सुपरहिट फिल्म साबित हुई थी। आज तक इस फिल्म के गानों को लोग पसंद करते हैं। माधुरी दीक्षित और करिश्मा कपूर ने 80-90 के दशक में बॉलीवुड पर राज किया था। इस जोड़ी को बॉलीवुड में रवीना टंडन, श्रीदेवी, जूही चावला, काजोल, उर्मिला मातोंडकर और मनीषा कोइराला के साथ एक प्रतियोगी माना जाता था। माधुरी और करिश्मा को 1997 की रोमांटिक म्यूजिकल दिल तो पागल है में कास्ट किया गया था और इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस के कई रिकॉर्ड तोड़ दिए।

करिश्मा कपूर और माधुरी दीक्षित ने मिनी डांस वीडियो के साथ ट्रीट किया। वीडियो को साझा करते हुए, दोनों ने खुशी के पलों को शेयर करते हुए लिखा, "Dance of Envy Friendship #dtph #dance Partner #forever।" वीडियो में करिश्मा और माधुरी को फिल्म ये जवानी है दीवानी के बालम पिचकारी पर डांस करते हुए देखा गया था। अगली तस्वीर में दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाया और सेल्फी भी खिंचवाई। आउटडोर पार्टी के लिए माधुरी ने बेल्ट वाली लॉन्ग ऑरेंज प्रिंटेड ड्रेस पहनी है। दूसरी ओर करिश्मा ने गहरे रंग का सलवार कुर्ता और धूप का चश्मा पहना था। दोनों दोनों एक्ट्रोस ने अपने बालों में जूड़ा बना रखा है। वीडियो पर लोग जमकर कमेंज कर रहे हैं। इस लिस्ट में करीना कपूर खान भी शामिल हुई। उन्होंने लिखा, 'द ओजी सुपरस्टार्स'। तमन्नाह भाटिया ने भी भी इमोजीस भेजे। इस बीच, एक अन्य टिप्पणी में लिखा था कि शाहरुख की कमी है बस। दोनों ऐक्ट्रेस को साथ देखना सुंदर है। अभिनेता राशी खन्ना ने भी लाल दिल वाले इमोजी के साथ टिप्पणी की। माधुरी दीक्षित को आखिरी बार फिल्म माजा मां में देखा गया था, और उन्हें अपने डिजिटल वेब डेब्यू, द फेम गेम के लिए भी प्रशंसा मिली। जबकि करिश्मा कपूर ने 2020 में सीरीज़ मेंटलहुड के साथ अपना डिजिटल डेब्यू किया। उनके पास एक आगामी प्रोजेक्ट है जिसमें सारा अली खान के साथ मर्डर मुबारक और Zee5 वेब सीरीज़ ब्राउन के साथ एक फिल्म शामिल है जिसमें वह एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाती हैं।

# एक महिला ने की करीना कपूर से हाथ मिलाने की जिद...

महिला ने करीना से हाथ मिलाने की जिद की। अभिनेत्री ने बड़े आराम से महिला को दूर से हेलो का इशारा किया। लेकिन बावजूद इसके महिला ने अभिनेत्री का हाथ पकड़कर जबरदस्ती उनसे हाथ मिलाने की कोशिश की। करीना के साथ मौजूद व्यक्ति ने बड़ी मुश्किल से महिला को उनसे दूर किया।

बॉलीवुड सितारों को कई बार एक सेलेब्रिटी होने की बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। ऐसा ही कुछ बीते दिन अभिनेत्री करीना कपूर खान के साथ हुआ। दरअसल, शनिवार शाम को अभिनेत्री अपने पति और अभिनेता सैफ अली खान के साथ बांद्रा के मिजू रेस्टोरेंट में डिनर करने पहुंची थी। इस दौरान एक महिला उन्हें देखकर उत्साहित हो गयी। महिला ने करीना से हाथ मिलाने की जिद की। अभिनेत्री ने बड़े आराम से महिला को दूर से हेलो का इशारा किया। लेकिन बावजूद इसके महिला ने अभिनेत्री का हाथ पकड़कर जबरदस्ती उनसे हाथ मिलाने की कोशिश की। करीना के साथ मौजूद व्यक्ति ने बड़ी मुश्किल से महिला को उनसे दूर किया। इस दौरान रेस्टोरेंट के बाहर पैपराजी भी मौजूद थे, जिनके कैमरों में ये पूरी घटना कैद हो गई। करीना कपूर के वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर किया गया, जो देखते ही देखते वायरल हो गए। इन वीडियो पर लोग अपनी-अपनी प्रतिक्रिया देते नजर आ रहे हैं।

# सलमान को जान से मारने की धमकी मामला, पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जारी किया लुकआउट नोटिस

मुंबई पुलिस ने अभिनेता सलमान खान को धमकी भरे ईमेल भेजने के आरोपी एक शख्स के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया है। संदिग्ध हरियाणा का रहने वाला है और यूके में मेडिकल की पढ़ाई कर रहा है। सलमान खान को जान से मारने की धमकी मामलाः मुंबई पुलिस ने अभिनेता सलमान खान को धमकी भरे ईमेल भेजने के आरोपी एक शख्स के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया है। संदिग्ध हरियाणा का रहने वाला

है और यूके में मेडिकल की पढ़ाई कर रहा है। उसने कथित तौर पर मार्च में गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के नाम पर 'दबंग' स्टार को धमकी भरे संदेश ईमेल किए थे। इसके बाद बॉलीवुड सुपरस्टार को Y+ सुरक्षा प्रदान की गई।

लंबे समय से जान से मारने की धमकियां पाने वाले सलमान ने हाल ही में इस बारे में बात की कि वह इससे कैसे निपट रहे हैं। इंडिया टीवी के शो 'आप की अदालत' में सलमान ने रजत शर्मा से कहा, 'सुरक्षा असुरक्षा से बेहतर है। अब सड़क पर साइकिल चलाना और अकेले कहीं जाना संभव नहीं है। और भी बहुत कुछ है। उससे भी अब मुझे ये दिक्कत है कि जब मैं ट्रैफिक में होता हूं तो इतनी सुरक्षा होती है, वाहन दूसरे लोगों को असुविधा पैदा करते हैं।

# अच्छी फिल्मों से ऑडियंस को सिनेमाघरों में वापस लाना होगा : निहारिका

रायज़ादा जिन्हें अभी हाल ही में हमने 'IB71' फिल्म में देखा और जिन्हें अपने रोल के लिए काफी सराहना मिल रही है , उनका मानना है कि हमें अच्छी फिल्मों के माध्यम से ऑडियंस को फिर से वापस सिनेमाघरों में लाना होगा। निहारिका रायज़ादा जिन्हें अभी हाल ही में हमने 'IB71' फिल्म में देखा और जिन्हें अपने रोल के लिए काफी सराहना मिल रही है , उनका मानना है कि हमें अच्छी फिल्मों के माध्यम से ऑडियंस को फिर से वापस सिनेमाघरों में लाना होगा।

निहारिका जो कि म्यूजिक कंपोजर ओ.पी.नय्यर की पोती है , उनका कहना है ,'मुझे लगता है सिनेमा घरों को कभी भी बंद नहीं होना चाहिए। आज ott की वजह से लोग सिनेमाघरों में फिल्म देखने के लुत्फ़ को भूलते जा रहे है। लेकिन हमें अच्छी फिल्में बनानी चाहिए और ऑडियंस को फिर से सिनेमाघरों में वापस लाना चाहिए। '

OTT से पहले के वक़्त को याद करते हुए उन्होंने कहा, 'एक वक़्त हुआ करता था जब लोग गेटी, गैलेक्सी जैसे सिनेमाघरों के बाहर लाइन लगाकर अपने चहेते सितारों को देखने के लिए खड़े हुआ करते थे। आज हर कोई अपने घर बैठे फ़ोन पर क्लिक दबाकर उन्हें देख रहा है। लेकिन जो मजा सबके साथ सिनेमाघर में फिल्म देखने से मिलता था वह घर बैठे फिल्म देखने में कहा ? '

निहारिका ने 'IB71' फिल्म में 30 एजेंट्स के बीच एक इकलौती फीमेल एक्ट्रेस का रोल निभाया । अपनी फिल्म और अपने रोल के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'फिल्म बहुत ही रियल और सस्पेंस से भरी हुई है। फिल्म को बहुत अच्छी तरीके से बनाया है। मुझे फिल्म के सेट पर सबसे बहुत प्यार मिला।क्योंकि फिल्म में मैं अकेली फीमेल थी जो एक एजेंट का रोल निभा रही थी सेट पर ,हर कोई मेरे साथ बहुत अच्छे से पेश आता था। मैंने फिल्म के पूरे शूट के दौरान हर किसी से बेहद प्यार पाया। आने वाले वक़्त में अपने काम को लेकर बात करते हुए निहारिका ने कहा, 'मुझे मल्टी स्टार्रर फिल्म अच्छी लगती है। मैं कोई ऐसी फिल्म करना चाहती हूँ जिसमे मुझे एक जोरदार फीमेल रोल करने को मिले। मैं चाहती हूँ फिल्म में मेरे 3 -4 गाने हो।

डबरा तहसीलदार, विनीत गोयल

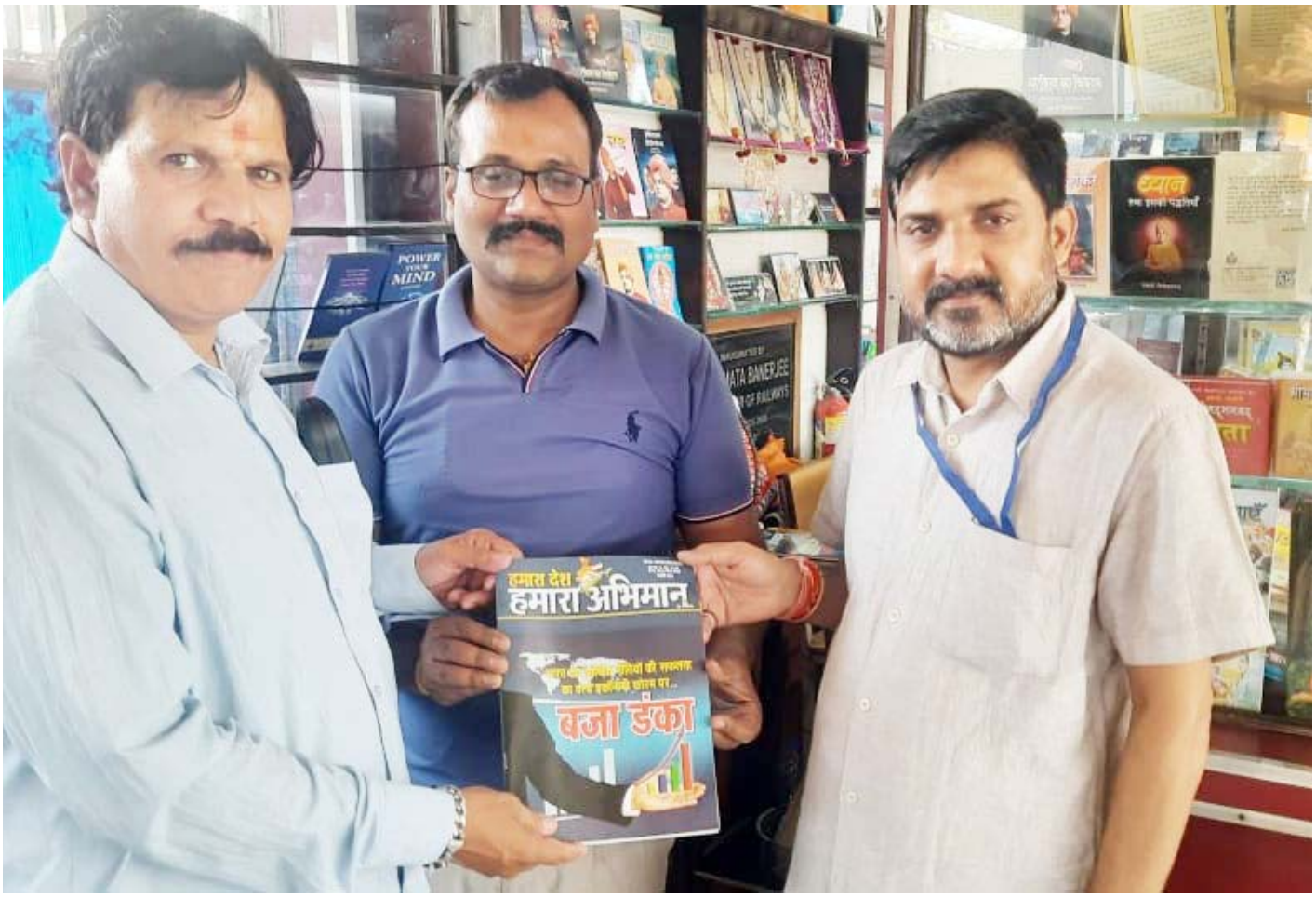


राघवेंद्र पारासर, नई दिल्ली

कमल सिंह कमांडो पूर्व सांसद बहराइच यू पी एवं प्रदीप यादव मध्यप्रदेश कांग्रेस पदाधिकारी एवं कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ